@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शुक्रवार, 25 जुलाई 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 255 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

रूसी प्लेन चीन सीमा के पास क्रैश सभी की मौत

- 49 लोग थे सवार, तलाशी अभियान में दिखा मलबा

मास्को (एजेंसी)। रूस का एक यात्री विमान चीन की सीमा के पास क्रैश हो गया है। हादसे में विमान में सवार 49 लोगों की मौत हो गई है। इसमें 43 यात्री और 6 क्रू मेंबर सवार थे। यात्रियों में 5 बच्चे भी शामिल थे बचावकर्मियों को टिंडा से लगभग 16 किलोमीटर दूर एक पहाड़ी पर रूसी यात्री विमान का मलबा मिला है। रॉयटर्स के मुताबिक ये विमान रूस के पूर्वी अमूर क्षेत्र में उड़ रहा था। अमूर के गवर्नर वासिली ओरलोव ने टेलीग्राम पर बताया कि लापता विमान अंगारा एयरलाइंस का है। लोकल इमरजेंसी मिनिस्ट्री ने बताया कि विमान खाबरोवस्क, ब्लागोवेशचेंस्क होते हुए टिंडा जा रहा था। यह चीन की सीमा के पास है।

टिंडा पहुंचने से पहले वह रडार से गायब हो गया और उसका संपर्क टूट गया। इंटरफैक्स की रिपोर्ट के अनुसार, विमान पहले टिंडा एयरपोर्ट पर उतरने की कोशिश में नाकामयाब रहा। जब उसने दूसरी बार लैंडिंग की कोशिश की, तभी वह रडार से गायब हो गया। तास समाचार एजेंसी ने एक सूत्र के हवाले से बताया कि यह विमान टिंडा एयरपोर्ट से कुछ किलोमीटर पहले एक तय चेकपॉइंट पर भी संपर्क नहीं कर पाया।

टिंडा शहर रूस की राजधानी मॉस्को से करीब 6,600 किलोमीटर दूर पूर्व में स्थित है। सोवियत संघ ने ए-24 विमान को छोटे इलाकों में उड़ने के लिए बनाया था। तब इसमें 32 सीटें होती थीं, जो 450 किमी प्रति घंटे की गति से 400 किलोमीटर तक उड़ान भरती थी। इसके अलावा यह 4 टन तक का वजन (पेलोड) ले जा सकती थी। इसे ऐसे रनवे से उड़ान भरने लायक भी बनाया गया था जो केवल 1200 मीटर लंबे और पक्के नहीं हों। इतना ही नहीं, अगर विमान का एक इंजन भी खराब हो जाए, तो भी यह टेकऑफ कर सके। अप्रैल 1962 में इसकी टेस्टिंग कामयाब हुई जिसके बाद यात्रियों को ले जाना शुरू कर दिया।

अनिल अंबानी की 50 कंपनियों पर ईडी की रेड!

- 3000 करोड़ रुपए के लोन फ्रॉड का है यह मामला
- यस बैंक से लिए पैसों का गलत इस्तेमाल का आरोप

मुंबई (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय ने अनिल अंबानी के रिलायंस ग्रुप से जुड़े 35 से ज्यादा ठिकानों पर छापेमारी की। इसमें करीब 50 कंपनियों शामिल है। 25 से ज्यादा लोगों से भी पूछताछ की गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यस बैंक से लिए 3000 करोड़ रुपए के लोन धोखाधड़ी मामले में गुरुवार, 24 जुलाई को की गई ये रेड दिल्ली और मुंबई में चल रही है। ये छापेमारी प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट की धारा 17 के तहत की जा रही है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, ये कार्रवाई सीबीआई की ओर से दर्ज दो एफआईआर और सेबी, नेशनल हाउसिंग बैंक और बैंक ऑफ बड़ौदा जैसी एजेंसियों से मिली जानकारी के आधार पर की गई है।

पीएम मोदी और कीर स्टार्मर ने किए भारत और ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर

-दाल, चावल, मेवे, मसाले के कारोबारियों के लिए फायदा

-शराब, बीयर और फूड प्रोडक्ट्स पर टैक्स होगा कम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और ब्रिटेन के बीच ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) पर आखिरकार गुरुवार को मोहर लग गई हैं। इसका मतलब है कि अब दोनों देशों के बीच चीजों का लेन-देन और व्यापार पहले से आसान और सस्ता होगा। इस डील के बाद भारतीय बाजार में विदेशी सामान सस्ते होने, जबकि भारत से होने वाले निर्यात में बड़ी छलांग लगने की उम्मीद है। दोनों देशों के कारोबारियों और विशेषज्ञों ने समझौते का स्वागत किया है। इसके पहले गुरुवार को ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अपने आधिकारिक आवास 'चेकर्स' में मेजबानी की। दोनों नेताओं ने गंभीर वार्ता से पहले अकेले में बातचीत की।

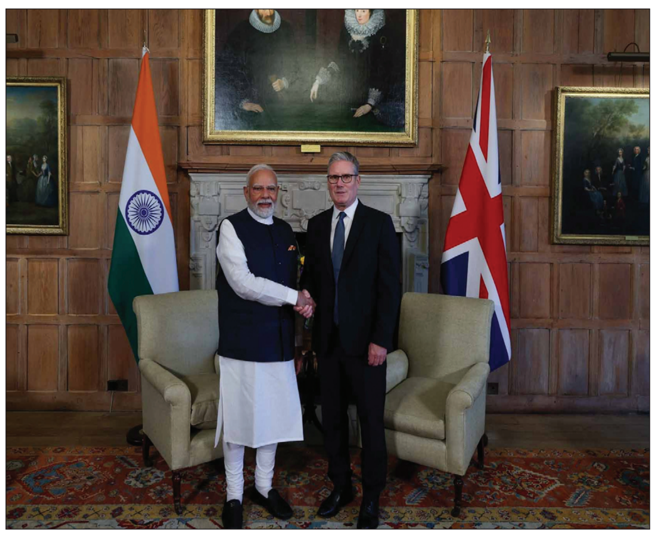

या बदल जाएगा इस फ्री ट्रेड डील

फ्री ट्रेड डील से भारत और ब्रिटेन के बीच आने-जाने वाले सामान और सेवाओं पर लगने वाला टैक्स (शुल्क) बहुत कम होगा। कागजों की भाग-दौड़ और मुश्किल सरकारी प्रोसेस भी बहुत आसान कर दी जाएगी। इससे भारत का एक्सपोर्ट 60 प्रतिशत तक बढ़ सकता है। दोनों देशों के व्यापार में जबरदस्त बढ़ोतरी की उम्मीद है।

किन्हें फायदा मिलेगा?

भारत और यूके में फ्री ट्रेड डील से खाने-पीने का सामान, जैसे दाल, चावल, मेवे, मसाले आदि भेजने वाले भारतीय कारोबारी और ब्रिटेन में ऐसी चीजें खरीदने वाले लोगों को फायदा होगा। शराब, बीयर और फूड प्रोडक्ट्स का व्यापार करने वाली कंपनियां पहले भारत से शराब भेजने पर 150 प्रतिशत टैक्स लगता था, अब वह भी कम हो जाएगा। अब बहुत सी चीजें जैसे गाड़ियां, कपड़े, टैक्नोलॉजी प्रोडक्ट्स दोनों देशों में पहले से सस्ती मिल सकती हैं। दोनों देशों में नौकरियां बढ़ने के आसार हैं।

आगे क्या होगा?

ब्रिटेन की संसद में इस समझौते को रखा जाएगा। वहां से औपचारिक मंजूरी मिलने के बाद कुछ महीनों के भीतर यह लागू हो जाएगा। अनुमान है कि 2030 तक भारत और यूके का आपसी व्यापार दोगुना होकर करीब 120 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है।

विकसित स्वास्थ्य सिस्टम से दिल्ली वालों का होगा आसानी से इलाज: रेखा गुप्ता

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली, 24 जुलाई। दिल्ली की सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली को आधुनिक और मजबूत बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आज तीन महत्वपूर्ण स्वास्थ्य परियोजनाओं का डिजिटल शुभारंभ किया। इनमें अस्पताल सूचना प्रबंधन प्रणाली (एचआईएमएस), 34 नए आयुष्मान आरोग्य मंदिर और आठ नए जन औषधि केंद्र (जेएके) शामिल हैं। इस अवसर पर रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली के अस्पतालों का डिजिटलीकरण होना उसकी प्रगति का सूचक है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का धन्यवाद दिया और कहा कि केंद्र के मिले बजट से हम दिल्ली का हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश की राजधानी के लोगों को अब इतना विकसित स्वास्थ्य सिस्टम मिलेगा कि उन्हें अपना इलाज करवाने में कोई तकलीफ नहीं होगी। दिल्ली सचिवालय में आयोजित इस कार्यक्रम में सरकार के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह, समाज कल्याण मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह, कई विधायक, मुख्य सचिव धमेंद्र व स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ

अधिकारी मौजूद थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने दोहराया कि उनकी सरकार एक सशक्त, समावेशी और तकनीक-सक्षम स्वास्थ्य प्रणाली के निर्माण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है, जिससे दिल्ली के प्रत्येक नागरिक को सम्मानजनक और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्राप्त हो सके। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार दिल्ली के स्वास्थ्य इंफ्रास्ट्रक्चर को लगातार मजबूत करने में लगी है। एक महीना पहले 33 आयुष्मान केंद्रों का उद्घाटन हुआ। आज फिर हम 34 नए आयुष्मान आरोग्य मंदिरों का उद्घाटन कर रहे हैं। इसके बाद विधायक अपने-अपने क्षेत्रों में इन्हें जनता को समर्पित करने का कार्यक्रम करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली का हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर धीरे-धीरे डिजिटल युग में प्रवेश कर रहा है। हमारी सरकार ने 93 लाख आभा आईडी यानी आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट आईडी? क्रिएट किए हैं।

शेष पृष्ठ 3 पर

किशोरों का प्यार अपराध नहीं, सुप्रीम कोर्ट में एमिकस क्यूरी की बड़ी सलाह, क्या 16 साल हो जाएगी सहमति से संबंध बनाने की उम्र?

नई दिल्ली (एजेंसी)। एमिकस क्यूरी और वरिष्ठ अधिवक्ता इंदिरा जयसिंह ने सर्वोच्च न्यायालय से सहमति की वैधानिक आयु 18 वर्ष से घटाकर 16 वर्ष करने का आग्रह किया है। निपुण सक्सेना बनाम भारत संघ मामले में शीर्ष न्यायालय की सहायता कर रही जयसिंह ने यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम (पोक्सो), 2012 और भारतीय दंड संहिता की धारा 375 के तहत 16 से 18 वर्ष की आयु के किशोरों से जुड़ी यौन गतिविधियों को पूरी तरह से अपराध घोषित करने को चुनौती देते हुए अपने लिखित प्रस्तुतियाँ दी हैं। उन्होंने तर्क दिया है कि वर्तमान कानून किशोरों के बीच सहमति से बनाए गए रोमांटिक संबंधों को अपराध मानता है और उनके संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन करता है।

जयसिंह ने कहा कि कानूनी ढांचा किशोरों के बीच सहमति से बने संबंधों को गलत तरीके से दुर्व्यवहार के बराबर मानता है, तथा उनकी स्वायत्तता, परिपक्वता और सहमति देने की क्षमता को नजरअंदाज करता है। जयसिंह ने कहा कि सहमति से यौन संबंध बनाने की उम्र 16 से बढ़ाकर 18 वर्ष करने को उचित ठहराने के लिए कोई तर्कसंगत कारण या अनुभवजन्य डेटा नहीं है। उन्होंने कहा कि आपराधिक कानून (संशोधन) अधिनियम, 2013 द्वारा इसे बढ़ाए जाने से पहले 70 वर्षों से अधिक समय तक यह उम्र 16 वर्ष ही रही थी।

उन्होंने बताया कि यह वृद्धि बिना किसी बहस के की गई और न्यायमूर्ति वर्मा समिति की सहमति की आयु 16 वर्ष बनाए रखने की सिफ़ारिश के विरुद्ध है। आज किशोरों के लिए नियुक्त न्यायमित्र (एमिकस क्यूरी) समय से पहले यौवन प्राप्त कर लेते हैं और अपनी पसंद के रोमांटिक और यौन संबंध बनाने में सक्षम होते हैं।

50 मुस्लिम धर्मगुरुओं के साथ आरएसएस चीफ की अहम बैठक, कितनी कारगर होगी मोहन भागवत की पहल?

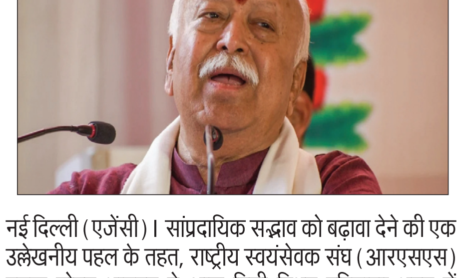

नई दिल्ली (एजेंसी)। सांप्रदायिक सद्भाव को बढ़ावा देने की एक उल्लेखनीय पहल के तहत, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने आज दिल्ली स्थित हरियाणा भवन में मुस्लिम धर्मगुरुओं और बुद्धिजीवियों के साथ एक बैठक की। इस बैठक में आरएसएस के महासचिव दत्तात्रेय होसबोले, सह महासचिव कृष्ण गोपाल, वरिष्ठ नेता रामलाल और इंद्रेश कुमार भी मौजूद थे। समाचार एजेंसी एएनआई के सूत्रों के अनुसार, अखिल भारतीय इमाम संगठन के प्रमुख उमर अहमद इलियासी सहित कई मुस्लिम धार्मिक नेता इस बैठक में भाग लेने वाले थे।

आरएसएस, अपने संबद्ध संगठन मुस्लिम राष्ट्रीय मंच (एमआरएम) के माध्यम से मुस्लिम मौलवियों, विद्वानों और समुदाय की प्रमुख हस्तियों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ रहा है। 2023 में, एमआरएम ने अल्पसंख्यक समुदाय से जुड़ने और फ़एक राष्ट्र, एक ध्वज, एक राष्ट्रगानफ़ की अवधारणा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक राष्ट्रव्यापी अभियान की योजना की घोषणा की है।

मोहन भागवत ने 2022 में मुस्लिम बुद्धिजीवियों से की थी मुलाकात

सितंबर 2022 में, भागवत ने भारत में धार्मिक समावेशिता को बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए कई प्रमुख मुस्लिम बुद्धिजीवियों से मुलाकात की। इस बैठक का उद्देश्य आरएसएस के विचारों का प्रचार-प्रसार करना और समुदायों के बीच आपसी समझ को बढ़ावा देना था। ज्ञानवापी मस्जिद विवाद, हिजाब विवाद और जनसंख्या नियंत्रण जैसे प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की गई। इस बैठक में पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) एस वाई कुरैशी, दिल्ली के पूर्व उपराज्यपाल (एलजी) नजीब जंग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) के पूर्व कुलाधिपति लेफ्टिनेंट जनरल ज़मीर उद्दीन शाह, पूर्व सांसद शाहिद सिद्दीकी और व्यवसायी सईद शेरवानी जैसे कई बुद्धिजीवियों ने भाग लिया। अक्टूबर 2022 में आरएसएस नेता इंद्रेश कुमार ने नई दिल्ली स्थित हज़रत निज़ामुद्दीन दरगाह का दौरा किया और दरगाह परिसर में मिट्टी के दीये जलाए।

दिल्ली जल बोर्ड में जल अवसंरचना सुदृढ़ करने के लिए 100 से अधिक अभियंताओं की प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली, 24 जुलाई। एक बड़े प्रशासनिक सुधार के तहत, दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) ने अपनी तकनीकी टीम की गंभीर कमियों को दूर करने हेतु 100 से अधिक अनुभवी अभियंताओं को प्रतिनियुक्ति के माध्यम से नियुक्त करने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। यह व्यापक कदम शहर की जल आपूर्ति एवं सीवरेज व्यवस्था को मजबूती प्रदान करने की दिशा में उठाया गया है, जो हाल के वर्षों में स्टाफ की कमी और अवसंरचना पर बढ़ते दबाव के कारण प्रभावित हुई है। इस पहल के तहत सिविल और इलेक्ट्रिकल व मैकेनिकल (ई एंड एम) शाखाओं के अधीक्षण अभियंता, कार्यपालक अभियंता एवं सहायक अभियंता जैसे पदों पर नियुक्तियाँ की जाएँगी। ये अभियंता विभिन्न सरकारी विभागों एवं सार्वजनिक एजेंसियों से प्रतिनियुक्त किए जाएंगे। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब मानसून संबंधी चुनौतियाँ और शहरी जल की मांग अपने चरम पर है। दिल्ली के जल मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने इस योजना को

स्वीकृति देते हुए इसे एक निर्णायक पहल बताया है ताकि जल सेवाओं की समयबद्ध, कुशल और जवाबदेह आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा- दिल्ली में जल और सीवरेज परियोजनाएँ तकनीकी स्टाफ की कमी के कारण बाधित रही हैं। 100 से अधिक अभियंताओं की प्रतिनियुक्ति करके हम दिल्ली जल बोर्ड की रीढ़ को मजबूत कर रहे हैं। अनुभवी अधिकारियों की नियुक्ति से परियोजनाएँ समय पर पूरी होंगी, अनुरक्षण कार्यों में सुधार आएगा, और दिल्ली की जनता को सिस्टम की अक्षमताओं का शिकार नहीं होना पड़ेगा। मंत्री वर्मा ने यह भी स्पष्ट किया कि केवल उन्हीं अभियंताओं का चयन किया जाएगा जिनका कार्य रिकॉर्ड उत्कृष्ट हो और जिनके पास प्रासंगिक विशेषज्ञता हो। यह प्रतिनियुक्ति प्रक्रिया समयबद्ध और पारदर्शी ढंग से संचालित की जा रही है ताकि अभियंता शीघ्र सेवा में योगदान दे सकें। इस निर्णय के माध्यम से दिल्ली सरकार संस्थागत बाधाओं को दूर करने और एक सक्षम, उत्तरदायी तथा तकनीकी रूप से सशक्त जल बोर्ड का निर्माण करने के प्रति अपनी मजबूत प्रतिबद्धता को प्रदर्शित कर रही है। 100 से अधिक अभियंताओं की यह भर्ती दिल्ली की दीर्घकालिक जल अवसंरचना परिवर्तन यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर सिद्ध होगी।

राहुल गांधी ने चुनाव आयोग को निशाने पर लेकर कहा- धोखाधड़ी के सौ प्रतिशत सबूत, बचकर निकल नहीं पाओगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को चुनाव आयोग को निशाने पर लेते हुए कहा, कि उनकी पार्टी के पास कर्नाटक के एक विधानसभा क्षेत्र में चुनाव आयोग द्वारा धोखाधड़ी की अनुमति देने के सौ फीसद सबूत मौजूद हैं। उन्होंने कहा, कि यदि आयोग यह सोचता है कि वह इससे बच निकलेगा, तो यह उसकी गलतफहमी है। संसद परिसर में पत्रकारों से बात करते हुए राहुल गांधी ने कहा, कि हमारे पास कर्नाटक के एक निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव आयोग द्वारा धोखाधड़ी की अनुमति प्रदान करने के 100 प्रतिशत ठोस सबूत हैं। 90 नहीं, पूरे 100 प्रतिशत। उन्होंने बताया कि हमारी पार्टी ने सिर्फ एक निर्वाचन क्षेत्र की समीक्षा की है, और उसमें हजारों संदिग्ध वोटर मिले हैं। इन वोटरों की उम्र 50, 60 या 65 वर्ष की है, लेकिन वे नए मतदाता के तौर पर दर्ज हुए हैं। राहुल गांधी का दावा है, कि ऐसा नाटक सिर्फ एक क्षेत्र में नहीं, बल्कि संभवतः हर निर्वाचन क्षेत्र में चल रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने जब यह सबूत सामने लाने का निर्णय लिया है, तो वह पूरी तैयारी के साथ सामने आएगी।

मुंबई ट्रेन ब्लास्ट केस

सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले पर लगाया 'ब्रेक'

- एससी बोला-फिलहाल दोबारा जेल भेजना जरूरी नहीं
- 3 दिन पहले सभी 12 आरोपियों को कर दिया था बरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने 2006 के मुंबई सीरियल ट्रेन ब्लास्ट मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले पर गुरुवार को रोक लगा दी। हाईकोर्ट ने 21 जुलाई को सभी 12 आरोपियों को बरी कर दिया था। महाराष्ट्र सरकार ने इस फैसले के खिलाफ 23 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने आदेश में कहा, बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश पर रोक से आरोपियों की जेल से रिहाई पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। ट्रेन ब्लास्ट केस में 13 लोग आरोपी थे। 12 सभी रिहा हो गए हैं। एक आरोपी की मौत हो गई है। 19 साल पहले सीरियल ब्लास्ट में 189 लोग मारे गए थे 11 जुलाई 2006 को मुंबई के वेस्टर्न सब अर्बन ट्रेनों के सात कोचों में सिलसिलेवार धमाके हुए थे। इसमें 189 पैसेंजर की मौत हो गई थी और 824 लोग घायल हो गए थे। सभी धमाके फर्स्ट क्लास कोचों में हुए थे। घटना के 19 साल बाद यह फैसला आया है। सुप्रीम

कोर्ट ने अपने संक्षिप्त आदेश में कहा,हम मानते हैं कि यह फैसला नजीर के तौर पर इस्तेमाल नहीं किया जाए। अतः इस पर रोक लगाई जाती है। महाराष्ट्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत से अनुरोध किया कि वह हाईकोर्ट के फैसले के प्रभाव पर रोक लगाए, भले ही वह आरोपियों की रिहाई को चुनौती नहीं दे रहे हों।

उन्होंने कहा कि फैसले में कुछ टिप्पणियां हैं जो पॉक्सो के तहत लंबित मामलों को प्रभावित कर सकती हैं। 11 जुलाई 2006 को मुंबई की उपनगरीय ट्रेनों में सात बम विस्फोट हुए थे, जिनमें 187 लोगों की मौत हुई और 800 से अधिक घायल हुए थे। इस मामले में 2015 में विशेष एमसीओसीए कोर्ट ने 12 आरोपियों को दोषी ठहराया था, जिसमें पांच को मृत्युदंड और सात को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। हालांकि, 21 जुलाई को बॉम्बे हाईकोर्ट ने सबूतों के अभाव और अभियोजन पक्ष की विफलता का हवाला देते हुए सभी आरोपियों को बरी कर दिया था। इससे पहले महाराष्ट्र सरकार और आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) ने हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। सरकार ने आदेश को चुनौती देते हुए अपनी याचिका में कहा कि एक आरोपी से आरडीएक्स की बरामदगी को बेहद तकनीकी आधार पर खारिज किया गया कि जब्त विस्फोटकों को एलएसी सील से सील नहीं किया गया था। उच्च न्यायालय ने आरोपियों को यह कहते हुए बरी कर दिया कि अभियोजन पक्ष उनके खिलाफ मामला साबित करने में पूरी तरह विफल रहा है तथा यह विश्वास करना कठिन है कि आरोपियों ने यह अपराध किया है।

संक्षिप्त समाचार

बारिश और बाढ़ से मरने वालों की संख्या 223 हुई

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) ने मंगलवार को बताया कि पिछले 24 घंटों में बारह और लोगों की मौत के साथ ही पाकिस्तान में बारिश से जुड़ी घटनाओं में मरने वालों की संख्या 223 हो गई है। एनडीएमए के अनुसार, पिछले 24 घंटों में बारिश से जुड़ी घटनाओं में दो पुरुष, इतनी ही महिलाएं और आठ बच्चे मारे गए हैं, जबकि दस अन्य घायल हुए हैं। इस मानसून सीजन में भारी बारिश के कारण हुई दुर्घटनाओं में अब तक 594 लोग घायल हुए हैं। पंजाब सबसे ज्यादा प्रभावित प्रांत रहा, जहां 135 लोगों की मौत हुई है और 470 लोग घायल हुए हैं। खैबर पख्तूनख्वा में 56 लोगों की मौत हुई है और 71 लोग घायल हुए हैं। सिंध में 24 लोगों के हताहत होने और 40 के घायल होने की खबर है। बलूचिस्तान में 16 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में एक व्यक्ति की मौत हुई है और छह लोग घायल हुए हैं। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के गिलगित-बाल्टिस्तान क्षेत्र में तीन गैर-घातक मौतें हुईं, जबकि इस्लामाबाद में एक व्यक्ति की मौत हुई। ज्यादातर मौतें इमारतों के ढहने, डूबने, भूस्खलन, अचानक बाढ़, बिजली गिरने और बिजली का झटका लगने से हुई हैं।

रूस की पहली महिला चीफ जस्टिस इरिना पोदनोसोवा का निधन

मास्को, एजेंसी। रूस की पहली महिला मुख्य न्यायाधीश इरिना पोदनोसोवा का मंगलवार को निधन हो गया। वह 71 वर्ष की थीं और कैंसर से जूझ रही थीं। पोदनोसोवा को उनके पूर्ववर्ती जस्टिस व्याचेलव लेबेदेव के निधन के बाद अप्रैल 2024 में सर्वसम्मति से रूसी संघ के सर्वोच्च न्यायालय का चीफ जस्टिस चुना गया था। जस्टिस लेबेदेव 1989 से फरवरी 2024 में अपने निधन तक मुख्य न्यायाधीश रहे।

जिम्बाब्वे में सड़क हादसे में17 लोगों की मौत

हरारे, एजेंसी। जिम्बाब्वे के उत्तरपूर्व में राजधानी हरारे से लगभग 25 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में घनी आबादी वाले शहर चिटुंगविजा के पास मंगलवार को भीषण सड़क हादसा हो गया। यहां एक मिनीबस टैक्सी और एक मालवाहक ट्रक के बीच हुई आमने-सामने की टक्कर में 17 लोगों की मौत हो गई। हादसे के बारे में पुलिस प्रवक्ता पॉल न्याथी ने बताया कि कुछ पैदल यात्रियों सहित सभी 17 पीड़ितों की दुर्घटना स्थल पर ही मौत हो गई। उन्होंने बताया कि ये हादसा तब हुआ जब ट्रक चालक के नियंत्रण खो देने के बाद ट्रक विपरीत लेन में घुस गया और मिनी बस से टकरा गया। उन्होंने बताया कि टक्कर से पहले ट्रक ने फुटपाथ पर जा रहे दो पैदल यात्रियों को टक्कर मार दी। उन्होंने बताया कि मिनी बस में सवार 17 यात्रियों में से 15 की तत्काल मृत्यु हो गई, जबकि अन्य घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल ले जाया गया।

इमरान खान की पार्टी के 7 नेताओं को10 साल की जेल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पूर्व पीएम इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के सात प्रमुख नेताओं को मंगलवार को नौ मई 2023 के दंगों के मामलों में 10 साल कैद की सजा सुनाई गई। लाहौर की आतंकवाद निरोधी अदालत (एटीसी) ने सीनेटर एजाज चौधरी, पंजाब के पूर्व गवर्नर सरफराज चीमा, पूर्व प्रांतीय मंत्रियों यास्मीन राशिद और महमूदुर राशिद, और वकील अजीम पाहट को 9 मई, 2023 के शारपाओ ब्रिज दंगों से संबंधित मामले में 10–10 साल की सजा सुनाई है। ये सभी नेता आतंकवाद के आरोपों के तहत 9 मई के कई मामलों का सामना कर रहे हैं।

अमेरिका- कोर्ट ने न्यू जर्सी के हिरासत केंद्र पर रोक लगाने वाले कानून को रद्द किया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की एक अपीलीय कोर्ट ने मंगलवार को न्यू जर्सी राज्य के उस कानून को रद्द कर दिया, जो निजी कंपनियों को संघीय सरकार के साथ आव्रजन हिरासत केंद्र चलाने का अनुबंध करने से रोकता था। इस फैसले के बाद कंपनी कोरसीविक कॉर्पोरेशन अब न्यू जर्सी के एलिजाबेथ हिरासत केंद्र का संचालन जारी रख सकेगी। यह फैसला अमेरिका में प्रवासियों पर कार्रवाई तेज करने की ट्रंप प्रशासन की कोशिशों के लिए एक बड़ी जीत माना जा रहा है, जिसमें हिरासत केंद्रों का नेटवर्क बढ़ाना भी शामिल है। जस्टिस स्टेफानोस बिबास ने कहा, जैसे राज्यों को संघीय सरकार पर सीधे नियंत्रण का अधिकार नहीं है, वैसे ही वह निजी कंपनियों पर भी ऐसा नियम नहीं बना सकते जो संघीय कामकाज को बाधित करे। उन्होंने कहा कि यह कानून संघीय सरकार की आव्रजन कानून लागू करने की मूल शक्ति में दखल देता है। इस कानून पर साल 2021 में न्यू जर्सी के गवर्नर फिल मर्फी ने हस्ताक्षर किए थे, जिसमें कोरसीविक कॉर्पोरेशन को इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट (आईसीई) के साथ अपना अनुबंध नवीनीकृत करने से रोका गया था। कंपनी ने इस कानून को अदालत में चुनौती दी थी और निचली अदालत ने उसके पक्ष में फैसला दिया था। राज्य सरकार ने उस फैसले के खिलाफ अपील की थी, जिसे अब तीसरे सर्किट कोर्ट ने खारिज कर दिया है।

आप लोग अकेले नहीं हैं, इमरान खान के बेटों से मिले ट्रंप के करीबी सहयोगी; रिहाई की मांग

कैलिफोर्निया, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत रिचर्ड ग्रेनेल ने मंगलवार को कैलिफोर्निया में पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के बेटों, सुलेमान ईसा खान और कासिम खान से मुलाकात की। इस मुलाकात में ग्रेनेल ने इमरान खान की रिहाई की मांग को दोहराया और उनकी गिरफ्तारी को राजनीतिक उत्पीड़न करार दिया। ग्रेनेल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म x पर सुलेमान और कासिम के साथ एक तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, कैलिफोर्निया में आपका स्वागत है, मेरे दोस्तों। आज आपके साथ समय बिताकर बहुत अच्छा लगा। सुलैमान और कासिम खान आपको मजबूत रहना होगा। दुनिया भर में लाखों लोग राजनीतिक उत्पीड़न से तंग आ चुके हैं। आप अकेले नहीं हैं।

क्यों खास मानी जा रहा मुलाकात : यह मुलाकात ऐसे समय में हुई है जब इमरान खान की जेल में हिरासत की स्थिति को लेकर पीटीआई नेता और मानवाधिकार कार्यकर्ता लगातार आलोचना कर रहे हैं। खान अगस्त 2023 से रावलपिंडी की अदियाला जेल में बंद हैं, जहां उन्हें 14 साल की सजा सुनाई गई है। उनके खिलाफ भ्रष्टाचार और राज्य के रहस्यों के दुरुपयोग सहित 100 से अधिक आरोप हैं, जिन्हें वे और उनकी पार्टी राजनीतिक रूप से प्रेरित बताते हैं। ग्रेनेल ने पहले भी इमरान खान का समर्थन किया है। ट्रंप के चुनाव अभियान के दौरान न्यूजमैक्स को दिए एक इंटरव्यू में, उन्होंने कहा था कि ट्रंप प्रशासन के दौरान इमरान खान के नेतृत्व में अमेरिका-पाकिस्तान संबंध बेहतर थे। उन्होंने इमरान खान को एक व्यक्ति बताया था जो सामान्य भाषा में बात करता था और ट्रंप के साथ उनका अच्छा रिश्ता था। ग्रेनेल ने खान की कानूनी चुनौतियों को ट्रंप के सामने आई कानूनी चुनौतियों से तुलना की।

जेल की स्थिति पर चिंता : पीटीआई के केंद्रीय सूचना सचिव शेख वक्कास अकरम ने हाल ही में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में दावा किया कि इमरान खान को मृत्यु कक्ष में रखा गया है, जहां उन्हें किताबें, टेलीविजन या समाचार पत्र तक की पहुंच नहीं है। उन्होंने कहा कि एक पूर्व प्रधानमंत्री होने के बावजूद, खान को सामान्य कैदियों के बुनियादी अधिकारों से भी वंचित किया जा रहा है, जो एक गंभीर चिंता का विषय है। इमरान खान के बेटों, कासिम और सुलेमान, ने भी अपने पिता की जेल की स्थिति को अमानवीय बताया है। मई 2025 में, उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा कि उनके पिता को एक उच्च-सुरक्षा कक्ष में पूरी तरह से अलग-थलग रखा गया है, जिसे उन्होंने मृत्यु कक्ष कहा। उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप और अन्य वैश्विक नेताओं से अपने पिता की रिहाई के लिए हस्तक्षेप करने की अपील की थी। इमरान खान और ट्रंप का रिश्ता इमरान खान और डोनाल्ड ट्रंप के बीच 2019 और 2020 में कई मुलाकातें हुईं थीं, जिनमें जुलाई 2019 में वाशिंगटन डीसी में और जनवरी 2020 में दावोस में हुई बैठकें शामिल हैं। ट्रंप ने खान को लोकप्रिय और महान एथलीट कहकर उनकी तारीफ की थी। दोनों नेताओं ने अफगानिस्तान में शांति प्रक्रिया और कश्मीर पर भी चर्चा की थी, जिसमें ट्रंप ने मध्यस्थता की पेशकश भी की थी। ग्रेनेल की टिप्पणियों को पीटीआई समर्थकों के बीच उत्साह के साथ देखा गया है, खासकर अमेरिका में रहने वाले पाकिस्तानी डायस्पोरा के बीच, जो खान की रिहाई के लिए अभियान चला रहे हैं। हालांकि, पाकिस्तानी सरकार ने इन टिप्पणियों को खारिज करते हुए इसे आंतरिक मामला बताया है। सत्तारूढ़ पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज के सीनेटर तलाल चौधरी ने कहा कि खान के खिलाफ भ्रष्टाचार और संवैधानिक उल्लंघन के आरोप हैं, और उनकी रिहाई की संभावना नहीं है। इसके अलावा, खान की पूर्व पत्नी जेमिमा गोल्डस्मिथ ने भी पिछले साल अक्टूबर में खान की जेल की स्थिति की निंदा की थी, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि उनकी बिजली काट दी गई थी और उन्हें वकीलों और परिवार से मिलने से रोका गया था।

एडिलेड में भारतीय व्यक्ति पर जानलेवा हमला, संदिग्ध नस्लवादी लोगों ने गालियां भी दीं

एडिलेड, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के एडिलेड में सड़क पर

एक भारतीय युवक पर जानलेवा हमला किया गया और फिर उसे वहीं बेहोशी की हालत में मरने के लिए छोड़ दिया गया। युवक की पहचान चरणप्रीत सिंह के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि कार पार्किंग को लेकर विवाद हुआ, जिसके बाद कुछ लोगो ने उनके खिलाफ नस्लीय टिप्पणियां कीं और मारपीट की।ऑस्ट्रेलियाई मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

चैनल 9न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, हमले से पहले सिंह से कहा गया, यहां से भाग जा, इंडियन और फिर उस पर लगातार घूंसे बरसाए गए। घटना शनिवार रात (स्थानीय समय अनुसार) शहर के केंद्र में स्थित किंटोर एवेन्यू के पास हुई। चरणप्रीत सिंह (23 वर्षीय) अपनी कार में था, तभी कुछ लोगों का एक समूह उसके पास आया, नस्लवादी बातें करने लगे और बिना किसी उकसावे के उस पर हमला कर दिया। हमले में चरणप्रीत को गंभीर चोटें आईं। उनके सिर पर गहरी चोट और चेहरे की कई हड्डियां टूटी हैं। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका रातभर उपचार चलता रहा।

साउथ ऑस्ट्रेलिया पुलिस ने रविवार को एनफील्ड इलाके से एक युवक (20 वर्षीय) को गिरफ्तार किया है और उस पर हमला कर नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया गया है। हालांकि, बाकी हमलावर घटना के बाद मौके से फरार हो गए और उनकी पहचान अब तक नहीं हो पाई है। पुलिस ने आम लोगों से मदद मांगी है ताकि वह बाकी हमलावरों को पकड़ सकें। इस हमले से एडिलेड में भारतीय समुदाय आक्रोश में है।

आयरलैंड में भारतीय पर नस्लभेदी हमला और मारपीट

डबलिन , एजेंसी। आयरलैंड की राजधानी डबलिन इलाके में 40 वर्षीय भारतीय व्यक्ति पर नस्लभेदी हमला किया गया है। घायल शख्स अस्पताल में भर्ती है। पीड़ित तीन हफ्ते पहले काम की तलाश में वहां पहुंचा था। हमलावरों ने उसे बेरहमी से पीटा। उसके चेहरे, हाथों और पैरों में गहरी चोटें आई हैं। आयरलैंड में भारतीय राजदूत ने अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाने का आह्वान किया है। स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार शनिवार शाम को टैलाट के पार्कहिल रोड पर उस पर हमला हुआ। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने कहा, सूचना मिलते ही घटनास्थल पर पहुंचे। घायल को टैलाट विश्वविद्यालय अस्पताल ले जाया गया। आयरलैंड में भारतीय राजदूत अखिलेश मिश्रा ने सोशल मीडिया पर इस हमले पर अपनी हैरानी जताई। उन्होंने इस हिंसक हमले की आयरिश मीडिया कवरेज पर भी सवाल उठाए। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, एक कथित हमले से इतनी भयानक चोट और खून कैसे आ सकता है? आयरलैंड के राष्ट्रीय मीडिया आउटलेट की असंवेदनशीलता और अस्पष्टता देखकर स्तब्ध हूं। उम्मीद है कि दोषियों को न्याय के कटघरे में लाया जाएगा। एक स्थानीय अखबार के अनुसार टैलाट साउथ के फाइन गेल पार्टी के पार्षद बेबी पेरेप्पाडन ने सोमवार को उस व्यक्ति से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि वह अब भी सदमे में है।

एक कमजोर पासवर्ड और चली गईं 700 नौकरियां, साइबर अटैक ने बर्बाद कर दी 158 साल पुरानी कंपनी

लंदन, एजेंसी। एक साधारण-सा कमजोर पासवर्ड 158 साल पुरानी ब्रिटिश कंपनी के पतन का कारण बन गया। इसके चलते 700 कर्मचारियों की नौकरियां चली गई। दरअसल डेढ़ सदी पुरानी लॉजिस्टिक्स कंपनी केएनपी को एक साइबर अटैक के चलते अपना ऑपरेशन पूरी तरह बंद करना पड़ा और लगभग 700 कर्मचारियों को नौकरी से निकालना पड़ा। यह हमला एक कमजोर पासवर्ड के जरिए हुआ, जिससे हैकर्स ने कंपनी की पूरी आईटी सिस्टम को जकड़ लिया। बीबीसी की जांच में सामने आया है कि अकिरा नामक रैनसमवेयर गिरोह ने कंपनी के सिस्टम में सेंध लगाकर इसके महत्वपूर्ण डेटा को एन्क्रिप्ट कर दिया और एक भारी-भरकम राशि की फिरौती मांगी, जिसे कंपनी चुका नहीं सकी।

आखिर क्या हुआ था? केएनपी लॉजिस्टिक्स को पहले नाइट्स ऑफ ओल्ड के नाम से जाना जाता था। यह एक नॉर्थम्प्टनशायर आधारित परिवहन कंपनी थी, जो 1865 से संचालित हो रही थी। कंपनी के पास लगभग 500 लॉरियां थीं और यह 700 से अधिक कर्मचारियों को रोजगार दे रही थी। इसके बावजूद कि कंपनी ने उद्योग मानकों के अनुरूप आईटी सिस्टम और साइबर हमले के खिलाफ बीमा लिया हुआ था फिर भी यह एक साइबर हमले का शिकार हो गई। बीबीसी की रिपोर्ट के

अनुसार, अकिरा रैनसमवेयर गिरोह ने कंपनी के सिस्टम में प्रवेश करने के लिए एक कर्मचारी के कमजोर पासवर्ड का फायदा उठाया। संभवतः हैकर्स ने इस पासवर्ड का अनुमान लगाकर कंपनी के आंतरिक नेटवर्क तक पहुंच बनाई। इसके बाद, उन्होंने कंपनी के डेटा को एन्क्रिप्ट कर दिया और महत्वपूर्ण सिस्टम को लॉक कर दिया, जिससे कंपनी का संचालन पूरी तरह ठप हो गया।

हैकर्स ने फिरौती के लिए एक नोट छोड़ा, जिसमें लिखा था, अगर आप यह पढ़ रहे हैं, तो इसका मतलब है कि आपकी कंपनी का आंतरिक ढांचा पूरी तरह या आंशिक रूप से नष्ट हो चुका है... आंसुओं और नाराजगी को छोड़कर आइए एक रचनात्मक संवाद बनाएं। हालांकि हैकर्स ने फिरौती की राशि स्पष्ट नहीं की, लेकिन एक विशेषज्ञ रैनसमवेयर वार्ता फर्म ने अनुमान लगाया कि यह राशि 50 लाख पाउंड (लगभग 58 करोड़ रुपये) तक हो सकती थी। केएनपी के पास इतनी बड़ी राशि नहीं थी, और अंततः सारा डेटा नष्ट हो गया, जिसके बाद कंपनी दिवालिया हो गई।

संघीय अपील अदालत में ट्रंप के खास एमिल बोवे को आजीवन न्यायाधीश बनाने की तैयारी, विरोध में डेमोक्रेट सांसद

वॉशिंगटन, एजेंसी। संघीय अपील अदालत में ट्रंप के खास माने जाने वाले न्याय विभाग के शीर्ष अधिकारी एमिल बोवे को स्थायी न्यायाधीश बनाने की तैयारी हो रही है। सीनेट ने बोवे के नामांकन पर विचार करना शुरू कर दिया है। हालांकि उनके नामांकन को लेकर विरोध भी शुरू हो गया। डेमोक्रेट सांसद ने बोवे के नामांकन के विरोध में मतदान किया है। इसमें एक रिपब्लिकन सांसद भी शामिल है। डेमोक्रेट सांसदों का कहना है कि अगर बोवे न्यायाधीश बन जाते हैं तो न्यायिक प्रक्रिया निष्पक्ष नहीं रह जाएगी।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पूर्व आपराधिक बचाव वकील एमिल बोवे अब न्याय विभाग में एक शीर्ष अधिकारी हैं। तीसरे अमेरिकी सर्किट कोर्ट ऑफ अपील्स के लिए उनके नामांकन की डेमोक्रेट्स ने कड़ी आलोचना की है। सांसदों का कहना है कि न्यूयॉर्क शहर के मेयर एरिक एडम्स के खिलाफ न्याय विभाग द्वारा खारिज किए गए भ्रष्टाचार के मामले में वह सबसे आगे थे। बोवे ने एफबीआई अधिकारियों पर अवज्ञा का भी आरोप लगाया है क्योंकि उन्होंने 2021 में अमेरिकी कैपिटल पर हुए हमले की जांच करने वाले एजेंटों के नाम देने से इनकार कर दिया गया था। उनके नामांकन के बाद डेमोक्रेट सांसदों ने अतिरिक्त प्रक्रियात्मक मतदान के लिए दबाव डाला। यह सांसदों की ओर से नामांकन का विरोध करने और प्रक्रिया में देरी करने की एक कोशिश थी। इस दौरान 50-48 वोट पड़े। सीनेट के डेमोक्रेटिक नेता चक शूमर ने बोव को ट्रंप का अब तक का सबसे खराब न्यायिक उम्मीदवार कहा। उन्होंने कहा कि बोव का पूरा करियर एक ही बात पर आधारित है और वह है डोनाल्ड ट्रंप के प्रति निष्ठा। अलास्का की सीनेटर और रिपब्लिकन सांसद लिसा मुर्कोव्स्की ने नामांकन पर विचार करने के खिलाफ डेमोक्रेट्स के साथ मतदान किया। जबकि मेन से रिपब्लिकन सीनेटर सुसान कॉलिन्स ने आगे बढ़ने के लिए रिपब्लिकन के साथ मतदान किया। मगर उन्होंने कहा कि वह अंतिम मतदान में बोव की नियुक्ति का विरोध करेंगी। कॉलिन्स ने कहा कि हमें ऐसे न्यायाधीश चाहिए जो कानून के शासन और संविधान का पालन करें और ऐसा उनके व्यक्तिगत विचारों की परवाह किए बिना करें। बोव की राजनीतिक छवि और न्याय विभाग में उनके नेतृत्वकारी कार्यों के कारण मैं इस निष्कर्ष पर पहुंची हूं कि वे एक निष्पक्ष न्यायविद के रूप में काम नहीं कर पाएंगे। पैनल के शीर्ष डेमोक्रेट इलिनोइस सीनेटर डिक डर्बिन ने कहा कि बोव ने अपने पद का इस्तेमाल राष्ट्रपति के दुश्मनों के खिलाफ न्याय विभाग को हथियार बनाने के लिए किया है। जबकि सीनेट न्यायपालिका समिति के अध्यक्ष चक ग्रासली ने बोव का बचाव किया और कहा कि उन्हें उचित व्यवहार मिलना चाहिए। डेमोक्रेट्स ने बर्खास्त वकील की शिकायत को छिपाया था और उनके स्टाफ ने दावों की जांच की थी। बोव के नामांकन को लेकर तनाव और देरी ऐसे समय में हो रही है जब रिपब्लिकन ट्रंप के नामांकनों को जल्द से जल्द आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। ट्रंप ने सीनेट के बहुमत नेता जॉन थून पर सत्र में बने रहने और अधिक न्यायाधीशों और कार्यकारी शाखा के अधिकारियों की नियुक्ति के लिए अगस्त अवकाश छोड़ने का दबाव डाला है।

भारत-पाकिस्तान संघर्ष विराम का श्रेय लेने से बाज नहीं आ रहे ट्रंप, फिर बोले- मैंने युद्ध रुकवाया

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत-पाकिस्तान संघर्ष विराम का श्रेय लेने से बाज नहीं आ रहे हैं। करीब 20 से अधिक बार ट्रंप संघर्ष विराम का दावा कर चुके हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने मंगलवार को एक बार फिर कहा कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम कराया। इस संघर्ष में पांच फाइटर जेट मार गिराए गए थे। उन्होंने यह भी दावा किया कि भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष परमाणु युद्ध में बदलने वाला था। जबकि भारत बार-बार इसका खंडन कर रहा है। वहीं ट्रंप के इस दावे को कांग्रेस ने सिल्वर जुबली करार दिया है। रिपब्लिकन सीनेटरों के लिए आयोजित एक रात्रिभोज के दौरान व्हाइट हाउस में बोलते हुए ट्रंप ने कहा कि हमने भारत और पाकिस्तान, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य और रवांडा के बीच युद्ध रोक दिए। ये गंभीर युद्ध थे। भारत और पाकिस्तान में जो चल रहा था। वहां से विमानों को मार गिराया जा रहा था। मुझे लगता है कि पांच जेट मार गिराए गए थे। मैंने उन्हें फोन किया और कहा कि सुनो, अब और व्यापार नहीं। अगर तुम ऐसा करोगे, तो तुम्हारा भला नहीं होगा। वे दोनों शक्तिशाली परमाणु संपन्न देश हैं और ऐसा होता ही और कौन जानता है कि इसका क्या नतीजा होता। मैंने इसे रोक दिया। ट्रंप ने यह भी दावा किया कि अमेरिका ने ईरान की पूरी परमाणु क्षमता को नष्ट कर दिया है और कोसोवो और सर्बिया के

बीच संघर्ष को भी रोक दिया है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग कह रहे हैं कि हमने युद्ध नहीं रोका, लेकिन हमने वह रोका जो युद्ध में बदल सकता था। हम सदन में अमेरिका की सराहना के लिए ऐसा कर रहे हैं। ठीक है, क्या आपको लगता है कि पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ऐसा करते? मुझे ऐसा नहीं लगता। क्या आपको लगता है कि उन्होंने कभी इनमें से किसी देश के बारे में सुना है? मुझे ऐसा नहीं लगता। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भी श्रेय लेने की कोशिश इससे पहले कार्यवाहक अमेरिकी प्रतिनिधि राजदूत डोरोथी शी ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बहुपक्षवाद और विवादों के शांतिपूर्ण समाधान विषय पर आयोजित बैठक में भी भारत-पाकिस्तान संघर्ष विराम का श्रेय लेने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि दुनियाभर में जहां तक संभव हो अमेरिका विवादों से जुड़े पक्षों के साथ शांतिपूर्ण समाधान खोजने के लिए काम करता रहता है।

बलूच नेता का दावा- बुरी तरह नाकाम हुआ पाकिस्तानी सेना का शाहीन-3 मिसाइल परीक्षण

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तानी सेना ने हाल ही में अपनी शाहीन-3 मिसाइल का परीक्षण किया। लेकिन यह परीक्षण में बुरी तरह नाकाम रहा। यह मिसाइल परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम है। मिसाइल बलोचिस्तान के डेरा गाजी खान इलाके से छोड़ी गई थी, जो नागरिक इलाकों के पास जाकर गिरी। बलूच नेता मीर यार बलोच ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। बलूच विद्रोही बलूचिस्तान को पाकिस्तान का हिस्सा नहीं मानते हैं और इस पर पाकिस्तान के कब्जे का विरोध करते हैं। बलूच नेता मीर यार बलोच ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, बलूच गणराज्य पाकिस्तान के बार-बार नाकाम मिसाइल परीक्षणों की कड़ी निंदा करता है। पाकिस्तान लगातार बलूचिस्तान की क्षेत्रीय अखंडता का उल्लंघन कर रहा है और आम नागरिकों की जान खतरे में डाल रहा है। उन्होंने कहा, पाकिस्तान की कब्जा करने वाली सेना ने 22 जुलाई को बलूचिस्तान गणराज्य में एक नाकाम मिसाइल परीक्षण किया। स्थानीय लोगों ने बताया कि यह मिसाइल बलूचिस्तान के डेरा गाजी खान इलाके से छोड़ी गई, जो नागरिक इलाकों के पास लूप सहरानी लेवी स्टेशन से केवल 500 मीटर उत्तर की ओर गिरी। अगर यह मिसाइल थोड़ी भी दिशा से भटक जाती, तो भारी जनहानि और संपत्ति को बड़ा नुकसान हो सकता था। उन्होंने कहा, यह कोई एकमात्र मामला नहीं है। पाकिस्तानी सेना लंबे समय से मिसाइल परीक्षण को एक बहाना बनाकर रणनीतिक क्षेत्रों से बलूच लोगों को जबरन हटाने का काम कर रही है, जिसमें डेरा बुगती, कहान और आसपास के इलाके शामिल हैं। स्थानीय लोगों ने धमकियों और डराने-धमकाने की घटनाओं की जानकारी दी है, जो एक बेहद

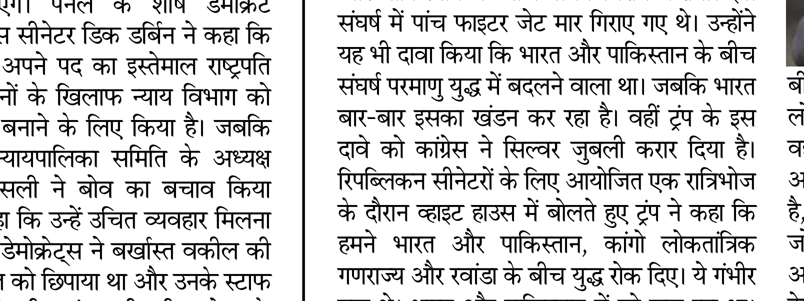

चिंताजनक चलन (पैटर्न) की ओर इशारा करता है। जबरन विस्थापन की नीति सरकारी स्तर पर की जा रही है, ताकि संसाधनों के दोहन के लिए खुला रास्ता मिल सके। मीर यार बलोच ने कहा, हाल के वर्षों में पाकिस्तान ने बलूचिस्तान का और अधिक सैन्यकरण कर दिया है। विदेशी ताकतों के साथ मिलकर इस क्षेत्र को उसने बैलिस्टिक मिसाइलों और अन्य आधुनिक हथियारों के परीक्षण स्थल में बदल दिया है। यह याद रखना जरूरी है कि यह पहली बार नहीं हुआ है। अक्टूबर 2023 में एक और नाकाम मिसाइल परीक्षण किया गया था, जिसमें पंजाब से छोड़ी गई मिसाइल डेरा बुगती की कृषि भूमि में गिर गई थी, जो आबादी वाले इलाकों के बेहद करीब थी। उन्होंने बताया, 28 मई 1998 को पाकिस्तान ने कब्जे वाले बलूचिस्तान के चगाई जिले में बिना स्थानीय जनता की सहमति के छह परमाणु परीक्षण किए थे। दशकों बाद भी यह इलाका खतरनाक परमाणु विकिरण से प्रभावित है, जिससे कैंसर, पुरानी त्वचा की बीमारियों और दूसरी गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं अब भी स्थानीय बलूच लोगों में देखी जा रही हैं। उन्होंने आगे लिखा, हम संयुक्त राष्ट्र, यूएन सुरक्षा परिषद और संबंधित अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों से अपील करते हैं कि पाकिस्तान पर हथियारों की बिक्री पर प्रतिबंध लगाया जाए; उसके बैलिस्टिक मिसाइल और परमाणु कार्यक्रमों पर सख्त प्रतिबंध लगाए जाएं; बलूचिस्तान में आम नागरिकों और संपत्ति पर बार-बार हो रहे हमलों की जांच करवाई जाए।

धर्मांतरण के ग्लोबल नेटवर्क के खिलाफ शुरू हो गई है निर्णायक लड़ाई

कौमी पत्रिका

लखनऊ, 24 जुलाई। उत्तर प्रदेश में हिन्दू बेटियों को निशाना बनाकर चलाए जा रहे सुनियोजित धर्मांतरण के नेटवर्क पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में कड़ा प्रहार शुरू हो गया है। हाल के दिनों में बलरामपुर, आगरा और प्रयागराज जैसे विभिन्न जिलों में सामने आई घटनाएं यह स्पष्ट संकेत देती हैं कि यह केवल छिटपुट आपराधिक प्रकरण नहीं, बल्कि एक गहरी, सुनियोजित और अंतरराष्ट्रीय साजिश है, जो भारत की सनातन संस्कृति और सामाजिक संरचना को भीतर से तोड़ने का षड्यंत्र रच रही है। योगी सरकार इसे 'सॉफ्ट टेरर' मानते हुए अब निर्णायक कार्रवाई की दिशा में बढ़ चुकी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की स्पष्ट चेतावनी सनातन धर्म के विरुद्ध किसी भी साजिश को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा को चरितार्थ करते हुए राज्य पुलिस ने हाल के दिनों में बड़े धर्मांतरण गिरोहों का पर्दाफाश किया है। आगरा से लापता दो बहनों के रहस्यमयी मामले की जांच करते हुए पुलिस ने ऐसे नेटवर्क का भंडाफोड़ किया, जिसकी जड़ें छह राज्यों तक फैली थीं। तो बलरामपुर में जलालुद्दीन छांगुर के बहुराष्ट्रीय धर्मांतरण गिरोह की कहानियों ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। बलरामपुर की घटना में उत्तर प्रदेश आतंकवाद रोधी दस्ते ने धर्मांतरण गिरोह और अवैध वित्तपोषण के स्रोतों का पता लगाने के लिए जलालुद्दीन उर्फ छांगुर और उसकी सहयोगी नीतू उर्फ नसरीन की हिरासत ले ली है। एटीएस अवैध वित्तपोषण से खरीदी गई बेनामी संपत्तियों का भी पता लगाएगी। एटीएस ने 5 जुलाई को जलालुद्दीन और नसरीन को बलरामपुर में माधपुर गांव से गिरफ्तार किया था। जलालुद्दीन उर्फ छांगुर और नीतू उर्फ नसरीन पर विदेशी प्रोत्साहन, शादी के प्रस्ताव और दबाव बनाकर कमजोर तबके के लोगों को इस्लाम कबूल कराने का आरोप है, जलालुद्दीन पर 50,000 रुपये का इनाम घोषित था और उसके खिलाफ गैर जमानती वारंट भी जारी किया गया था। दो अन्य आरोपियों, नवीन उर्फ जलालुद्दीन और महबूब (जलालुद्दीन के बेटे) को अप्रैल में गिरफ्तार किया गया था और वर्तमान में ये लखनऊ की जेल में बंद हैं। जलालुद्दीन उर्फ छांगुर और उसके सहयोगियों के अवैध अतिक्रमण पर बुलडोजर कार्रवाई की जा रही है। लगभग एक एकड़ क्षेत्र में फैले छांगुर और उसके सहयोगी नीतू की संपत्तियों पर प्रशासन ने नोटिस चस्पा किया था जिसमें अवैध अतिक्रमण को हटाने के लिए कहा गया था। छांगुर की कोठी करीब एक एकड़ भूभाग में बनी थी जिसमें 2 बिस्वा जमीन सरकारी थी जिस पर अवैध निर्माण किया गया था। इसी मामले में एक आरोपी रऊफ के खिलाफ पॉक्सो, एससी/एसटी एक्ट और धर्मांतरण विरोधी कानून के तहत कठोर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। यही नहीं, स्थानीय प्रशासन ने रऊफ के घर को अवैध निर्माण मानते हुए बुलडोजर कार्रवाई भी सुनिश्चित की है। यह सीएम योगी की उस नीति का हिस्सा है, जिसके तहत संगठित अपराधों में शामिल लोगों की अवैध कमाई से अर्जित संपत्तियों को

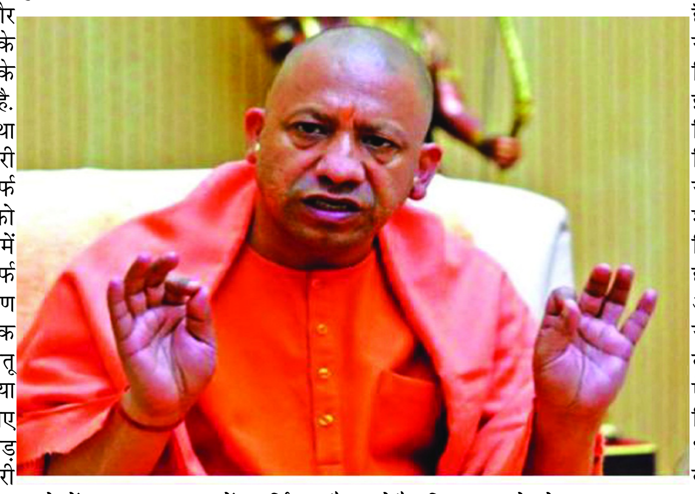

ध्वस्त कर उन्हें आर्थिक और मनोवैज्ञानिक रूप से तोड़ा जा रहा है। इसी तरह, आगरा के मामले में पुलिस ने कुल 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ये गिरोह सुनियोजित तरीके से हिन्दू युवतियों को प्रेमजाल, प्रलोभन, भय, विवाह और बहकावे जैसे हथियारों के माध्यम से फँसाकर उनका जबरन धर्मांतरण कर रहा था। यही नहीं, इनके पास से ऐसे दस्तावेज बरामद हुए हैं जिनसे साफ संकेत मिलता है कि इनका संबंध अंतरराष्ट्रीय संगठनों से भी हो सकता है। एक आरोपी के पास से फिलिस्तीन का नक्शा और अरबी में छपे कट्टर इस्लामी विचारधारा वाले पोस्टर बरामद हुए हैं। साथ ही ईसाई मिशनरी से जुड़ा साहित्य भी मिला है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि यह नेटवर्क हिन्दू विरोधी एजेंडे के साथ सक्रिय था। अब तक की जानकारी के मुताबिक यह गिरोह केवल एक दो शहरों तक सीमित नहीं था। इसके नेटवर्क का विस्तार उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, महाराष्ट्र, दिल्ली, हरियाणा और पंजाब तक फैला हुआ था। आरोपी युवकों को बाकायदा प्रशिक्षित किया जाता था कि कैसे 'हिन्दू बेटियों' को टारगेट करना है। पुलिस की विवेचना में ऐसे दर्जनों ऐसे मामले की पहचान हुई है, जिनमें लव जिहाद के माध्यम से लड़कियों को फँसाकर धर्मांतरण किया गया। इनमें से कई लड़कियों को शादी के झाँसे में फँसाकर इस्लाम कबूल कराया गया, कुछ को दुबई भेजने की तैयारी थी, और कुछ को गोद लिया गया बताकर ईसाई मिशनरियों के पास भेजा गया। इस गंभीर प्रकरण में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जिस तत्परता, स्पष्टता और प्रतिबद्धता के साथ कार्रवाई सुनिश्चित कराई है, वह बताता है कि उत्तर प्रदेश अब किसी भी हाल में 'धर्मांतरण उद्योग' का अड्डा नहीं बनने देगा। मुख्यमंत्री ने दो टूक कहा है कि किसी भी कीमत पर यह स्वीकार नहीं किया जाएगा कि हमारी बहन-बेटियों की आस्था और पहचान को खत्म करने का दुस्साहस कोई करे। सनातन विरोधी इस कुचक्र को जड़ से समाप्त किया जाएगा। प्रदेश पुलिस और विशेष टास्क फोर्स ने संयुक्त रूप से जो सघन कार्रवाई की है, वह सराहनीय ही नहीं, बल्कि मिसाल के रूप में पूरे देश के लिए प्रेरणा है। 18 टीमें गठित की गईं, जिनमें तकनीकी विशेषज्ञों और साइबर सेल को भी जोड़ा गया। सीसीटीवी फुटेज, कॉल रिकॉर्ड्स, सोशल मीडिया प्रोफाइल्स और डिजिटल उपकरणों की फॉरेंसिक जांच से गिरोह की संपूर्ण गतिविधियों का डिजिटल नक्शा खींचा गया। इस जाँच से यह भी पता चला कि ये लोग इंस्टाग्राम, स्नैपचैट और फेसबुक जैसे प्लेटफार्मों का इस्तेमाल कर हिन्दू लड़कियों से दोस्ती करते, फिर उन्हें बहला-फुसलाकर कट्टरपंथी संगठनों के जाल में फँसाते थे। आगरा, मेरठ, हापुड़, बरेली, मुरादाबाद, लखनऊ, और गाजियाबाद जैसे शहरों में यह नेटवर्क बहुत गहराई तक फैला हुआ था। इतना ही नहीं, कई मामलों में लड़कियों को पहचान बदलने, नया नाम और नया धर्म अपनाने के लिए मानसिक, सामाजिक और शारीरिक दबाव डाला गया। कुछ युवतियों ने पुलिस को बताया कि उन्हें धमकाया गया था कि अगर उन्होंने इस्लाम कबूल नहीं किया तो उन्हें बदनाम कर दिया जाएगा या उनके परिजनों को नुकसान पहुँचाया जाएगा।

अग्रवाल महिला संगठन द्वारा यमुना ग्रैंड में भव्य आयोजन

यमुनानगर। अग्रवाल महिला संगठन द्वारा यमुना ग्रैंड में हरियाली तीज का भव्य और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि यमुनानगर-जगाधरी नगर निगम की महापौर श्रीमती सुमन बहमनी रहीं। संगठन की अध्यक्ष श्रीमती रितु गुप्ता ने कार्यक्रम में पहुंचने पर महापौर का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। हरियाली तीज के इस विशेष अवसर पर मेयर सुमन बहमनी ने महिलाओं को तीज की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व नारी शक्ति, समर्पण और प्रकृति के प्रति हमारी आस्था का प्रतीक है। उन्होंने कहा, हरियाली तीज न केवल सुहागिनों का पर्व है, बल्कि यह त्योहार प्रकृति के साथ जुड़ाव, पारंपरिक मूल्यों और सामाजिक सौहार्द को भी मजबूती देता है। महिला सशक्तिकरण पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की शक्ति महिलाओं के पास है। स्वच्छता हो, पर्यावरण सुरक्षा हो या सामाजिक सुधार, महिलाएं हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा सकती हैं। हमें मिलकर समाज के हर हिस्से को सशक्त और समर्पित बनाना होगा। मेयर ने कहा कि हरियाली तीज सिर्फ एक पर्व नहीं, यह नारी चेतना, प्रेम, समर्पण और प्रकृति से सामंजस्य का उत्सव है। आइए, हम सभी मिलकर इस चेतना को जन-जन तक पहुँचाएं। कार्यक्रम में रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधानों में सजी महिलाओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से तीज महोत्सव को जीवंत कर दिया। लोक गीत, नृत्य और पारंपरिक रस्मों ने वातावरण को उल्लास से भर दिया। अध्यक्ष रितु गुप्ता ने संगठन की ओर से सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हरियाली तीज जैसे आयोजनों से नारी संस्कृति को नई पहचान मिलती है और समाज में सहयोग की भावना भी प्रबल होती है।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं और उत्सव का आनंद लिया। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के सदस्य अमर सिंह रहे शिविर में मुख्य अतिथि, जोनल इंचार्ज सुरेंद्र पाल सिंह व राकेश चांदना रहे विविशिष्ट अतिथि यमुनानगर/जगाधरी। संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन द्वारा सेक्टर 18 स्थित संत निरंकारी सत्संग भवन में रविवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के सदस्य अमर सिंह नंदगढ़ और संत निरंकारी मिशन के संयोजक बलराज मित्तल ने रिबन काट कर रक्तदान शिविर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में जोनल इंचार्ज सुरेंद्र पाल सिंह, प्रचारक महात्मा राकेश चांदना, ज्ञान प्रचारक महात्मा गुरनाम सिंह उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि व वशिष्ठ अतिथियों द्वारा रक्तदाताओं का बैज लगाकर हौसला ब?ाया गया। शिविर में निरंकारी भाई-बहनों ने ब?-च? कर रक्तदान किया। सुबह से ही रक्तदान देने वालों की लम्बी कतारे लगनी शुरू हो गई थी। शिविर में 123 यूनिट रक्त सिविल अस्पताल रक्त केंद्र यमुनानगर से आई टीम द्वारा एकत्रित किया गया। इस अवसर रक्तदाताओं को धन्यवाद कार्ड, प्रमाण पत्र व पौष्टिक अल्पाहार दिया गया। जोनल इंचार्ज सुरेंद्र पाल सिंह ने कहा कि संत निरंकारी मिशन सदैव ही मानवता की सेवा में लगा हुआ है। कोरोना काल में भी जब भी हमें रक्त की जरूरत हुई हम ने निरंकारी मिशन से मांग की तो इन्होंने साथ के साथ सेवादारों को ब्लड बैंक भेजा और मानवता की सेवा में निस्वार्थ भाव से रक्तदान किया। उन्होंने कहा कि रक्तदान को महादान कहा गया है। रक्तदान करके किसी की कीमती जिंदगी को बचाने से ब?ा पुण्य कोई नहीं है इसलिए रक्तदान जरूर करना चाहिए। इसके अलावा उन्होंने पर्यावरण की स्वच्छता के लिए पौधे लगाने की भी अपील की है। संयोजक महात्मा बलराज मित्तल ने बताया कि इंसान का रक्त ही इंसान की जान बचा सकता है इसका और कोई विकल्प नहीं है। उन्होंने कहा कि निरंकारी बाबा हरदेव सिंह जी महाराज का यह कथन कि रक्त नालियों में नहीं, इंसान की ना?ियों में बहे, को चरितार्थ कर रहे है और मानव सेवा ही सबसे ब?ा धर्म है। उन्होंने आगे बताया कि निरंकारी मिशन रक्तदान के क्षेत्र में विश्व में अग्रणी स्थान पर है। फाउंडेशन द्वारा 1986 से आरंभ हुई परोपकार की यह मुहिम, महा अभियान के रूप में आज सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज की रहनुमाई में चरमोत्कर्ष पर है। अब तक आयोजित रक्तदान शिविर में लगभग 14 लाख से अधिक यूनिट ब्लड इकट्ठा किया जा चुका है। मुख्यातिथि अमर सिंह ने कहा कि आज लोग हिंसा कर एक दूसरे का खून बहा कर सड़कों पर बिखरा रहे है, इधर संत निरंकारी मिशन द्वारा रक्तदान जैसे पुण्य कार्य कर लोगों की जान बचाई जा रही है। उन्होंने कहा कि आज देश के लिए जीने की जरूरत है। देश के लिए जिए, देश के लिए काम करे। छोटे छोटे कार्य कर हम देश की सेवा कर सकते है। यही कार्य आज निरंकारी मिशन ने रक्तदान शिविर लगाकर किया है। रक्तदान करने से हमारी आने वाली पीढ़ियों को भी रक्तदान करने की प्रेरणा मिलती है। निरंकारी मिशन द्वारा रक्तदान, सफाई अभियान, पौधरोपण व अन्य सराहनीय कार्य किए जाते है।

ग्रो-ग्रीन संस्था के सदस्यों ने राज्यसभा सदस्य संत सीचेवाल से की भेंट

फगवाड़ा 24 जुलाई। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में उल्लेखनीय भूमिका निभा रही समाज सेवी संस्था ग्रो ग्रीन का एक प्रतिनिधिमण्डल पर्यावरणविद् एवं राज्यसभा सदस्य संत बलबीर सिंह सीचेवाल से मिला। प्रतिनिधिमण्डल में शामिल ग्रो ग्रीन के कोर कमेटी सदस्यों जसविन्द्र सिंह बोबी, विनोद भास्कर, कश्मीर लाल, मनजीत सिंह और गुरप्रीत सैनी ने संत सीचेवाल द्वारा पर्यावरण संरक्षण में निभाई जा रही भूमिका की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनकी संस्था भी उनसे प्रेरित होकर पर्यावरण सुरक्षा और पौधारोपण की दिशा में उल्लेखनीय काम कर रही है। संस्था द्वारा सड?ों के किनारे ज्यादा से ज्यादा पौधारोपण किया जाता है ताकि वाहनों से पैदा होने वाला प्रदूषण नियंत्रित रहे और भीष्ण गर्मी के मौसम में राहगीर दरख्तों के साये में आराम कर सकें। संस्था की तरफ से जो पौधे लगाये जाते हैं उनकी अच्छी तरह से परवरिश भी की जाती है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष एक हजार पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जो भी पौधे लगाये जा रहे हैं, उन्हें ट्री-गार्ड से कवर किया जाता है और आवश्यकता अनुसार खाद-पानी भी दिया जाता है। इस दौरन कोर कमेटी ने पर्यावरण संरक्षण हेतु कुछ सुझाव भी दिये और एक ज्ञापन संत सीचेवाल को सौंपा। जिसमें पौधारोपण के दौरान शहरी क्षेत्रों में पेश आने वाली समस्याओं का उल्लेख करते हुए समाधान की अपील की गई है।

निगम के 516 सफाई कर्मियों को दी जाएगी वर्दियां, मेयर ने 150 को वितरित कर की शुरुआत

यमुनानगर 24 जुलाई। नगर निगम के सभी 516 सफाई कर्मियों को सर्दी व गर्मी के मौसम में पहनने के लिए दो-दो वर्दी की जोड़ियां दी जाएगी। शनिवार को मेयर सुमन बहमनी ने पुरानी सब्जी मंडी स्थित नगर निगम के स्टोर में लगभग 150 सफाई कर्मचारियों को वर्दियां वितरित कर इसकी शुरुआत की। मेयर सुमन बहमनी ने पार्षद मनु सिंगला, पवन प्रताप, सीएसआई अनिल नैन के साथ मिलकर सफाई कर्मचारियों को सर्दी व गर्मी के मौसम में पहनने के लिए दो-दो जोड़ियां वर्दियां वितरित की। मेयर बहमनी ने बताया कि सफाई कार्य बाधित न हो, इसलिए अलग अलग चरणों में कर्मचारियों को वर्दियां वितरित की जाएगी। सभी कर्मचारी रोजाना वर्दी पहनकर सफाई कार्य करें। मेयर बहमनी ने कहा कि यह सफाई कर्मचारी लगभग चार साल से वर्दियों की मांग कर रहे थे। कर्मचारियों की समस्या का पता चलने के बाद उन्होंने सफाई कर्मचारियों की मांग को पूरा करने का आश्वासन दिया था। अब सभी कर्मचारियों को वर्दियां वितरित करने का कार्य शुरू किया गया। सभी सफाई कर्मियों को दो वर्दी की जोड़ियां सर्दी व दो गर्मी के मौसम में पहनने को दी जा रही है। मेयर बहमनी ने कहा कि शहर को साफ रखने और स्वच्छ वातावरण बनाने में सफाई कर्मचारियों की भूमिका सबसे अहम है। उनकी सेवा भावना की जितनी प्रशंसा की जाए कम है। स्वच्छता ही सेवा है और हमारे सफाई कर्मचारी स्वच्छता का कार्य कर देश की बहुत ब?ी सेवा कर रहे हैं। बीमारियों को पनपने से रोक रहे हैं, समाज को स्वस्थ वातावरण उपलब्ध करा रहे हैं। आज सफाई कर्मचारियों के सहयोग से ही हमारा शहर पूरे देश की स्वच्छता रैंकिंग में 47वें रैंक पर आया है। निश्चित रूप से सफाई कर्मियों का कार्य नौकरी के दायित्वों के निर्वहन के साथ-साथ समाज सेवा व देश का कार्य है। उन्होंने सफाई कर्मचारियों को आह्वान किया कि वे सफाई कार्य के दौरान लोगों तक स्वच्छता का संदेश फैलाएं, उन्हें समझाएं कि वे सार्वजनिक स्थानों में कचरा न फेंके, शहर को साफ-सुथरा रखने में अपना सहयोग दें। उन्होंने कहा कि जब शहर स्वच्छ रहेगा, गदंगी नहीं रहेगी तो बीमारियां भी नहीं रहेंगी। लोग स्वस्थ व ऊर्जावान रहेंगे तथा देश की प्रगति में अपना अधिक सहयोग दे सकेंगे। सीएसआई अनिल नैन ने बताया कि अलग अलग चरणों में सभी सफाई कर्मचारियों को वर्दियां वितरित की जाएगी। कर्मचारी केवल निगम ड्यूटी के दौरान ही वर्दी पहने। अपने निजी कार्यों में इसका इस्तेमाल न करें।

विकसित स्वास्थ्य सिस्टम से दिल्ली वालों का होगा आसानी से इलाज: रेखा गुप्ता

प्रथम पृष्ठ का शेष

अब दिल्ली के हर निवासी का डिजिटल हेल्थ कार्ड सरकार के पास होगा। ताकि उसी के आधार पर कहीं भी और किसी भी अस्पताल में वह अपना इलाज करवा सकता है। यह दिल्ली सरकार की बड़ी उपलब्धि है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने यह भी जानकारी दी कि इसी तरह से अस्पताल सूचना प्रबंधन प्रणाली (एचआईएमएस) भी शुरू कर दी गई है। अब अगर किसी व्यक्ति को ओपीड़ी, टेस्टिंग के लिए टाइम लेना है, अस्पताल से जुड़े लैब, रेडियोलोजी, मेडिकल रिकॉर्ड, बिलिंग, एंबुलेंस, एडमिनिस्ट्रेशन, हर तरह की प्रक्रिया की जानकारी लेनी है तो इस डिजिटल प्लेटफार्म पर जाकर अस्पताल से संपर्क कर सकते हैं। अब मरीज या उसका रिश्तेदार घर बैठे अपने लिए डॉक्टर से टाइम तय करवा लेगा। उसे कहीं धक्के खाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। हमारी सरकार दिल्ली की जनता का हेल्थ रिकॉर्ड बना रही है। लोग अपना कार्ड प्रस्तुत करेंगे, उसकी जांच के बाद इलाज शुरू हो जाएगा। इस तरह से राजधानी के अस्पतालों का डिजिटलीकरण होना दिल्ली की प्रगति का सूचक है। मुख्यमंत्री ने यह भी जानकारी दी कि अब दवाइयों की खरीद में भ्रष्टाचार रोक दिया गया है। अब डिजिटल प्लेटफार्म से दवाओं की खरीद की जा रही है। महंगी दवाइयों की खरीद हमने पहले भी जन औषधि केंद्र खोल कर बंद कर दी है। स्वास्थ्य सिस्टम को और मजबूत बनाने के लिए अस्पतालों के लिए स्थायी भर्ती शुरू कर दी गई है। हमने 1350 से अधिक नर्सिंग स्टाफ को परमानेंट करने के पत्र जारी किए। यह पद पिछले 10 सालों से भरे नहीं गए थे। मुख्यमंत्री ने आरोग्य मंदिर के बारे में भी जानकारी दी और बताया कि वहां अनेक प्रकार के लैब टेस्ट किए जा रहे हैं। ये आरोग्य मंदिर प्राइमरी हेल्थ इंस्टीट्यूशन है। हमारी सरकार हर विधानसभा में 15 आरोग्य मंदिर खोलने जा रही है। यही आरोग्य मंदिर ही हमारी विधानसभा की जनता की लाइफ लाइन बनने वाले हैं। इनके जरिए हमारी सरकार इलाज की तीन श्रेणी बनाएगी, जिनमें प्राथमिक चिकित्सा, सामान्य चिकित्सा व सुपर स्पेशियलिटी चिकित्सा सुविधा शामिल है। आज शुरू किए गए सिस्टम इसी दिशा की ओर ले जाने का गंभीर प्रयास है। मुख्यमंत्री ने दिल्ली को मेडिकल हब बनाने के प्रयासों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद किया और कहा कि उनके सहयोग से राजधानी लगातार विकसित दिल्ली की ओर बढ़ रही है। उन्होंने हेल्थ सेक्टर के विकास के लिए 1700 करोड़ रुपये का बजट दिया है। हम उनका अभिनंदन करते हैं। मुख्यमंत्री के अनुसार दिल्ली आगे बढ़ेगी तो देश की गति भी बढ़ेगी और लोगों का जीवन स्तर भी ऊंचा उठेगा । इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने कहा कि आज का दिन दिल्ली की स्वास्थ्य सेवाओं के इतिहास में एक मील का पत्थर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता के सक्षम नेतृत्व में राजधानी को तीन बड़ी स्वास्थ्य पहलों की सौगात मिली है, जिनका उद्देश्य एक ही है—'स्वस्थ दिल्ली, समृद्ध दिल्ली।' हमारी सरकार का प्रयास है कि हर नागरिक तक सस्ती, सुलभ और विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं बिना किसी भेदभाव के पहुंचे। डॉ. सिंह ने कहा कि सरकार का लक्ष्य राजधानी में कुल 1139 आयुष्मान आरोग्य मंदिर की स्थापना करना है, ताकि हर मोहल्ले और कॉलोनी तक प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंच सकें।

NAME CHANGE
I, Jyoti Sharma W/o Ashwani Kumar Sharma R/o Flat No.637, Saruhit Apartment, Sector-17A, NSIT Dwarka, South West Delhi-110078 have changed my name to Jyoti Gupta.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, RAJ KUMAR, S/O BADRI PRASAD, R/o F-254, Prince Colony, Hari Nagar Extn Part-3, Badarpur, Badarpur, South Delhi, Delhi-110044, declare that name of mine has been wrongly written as RAJ KUMAR SHARMA in my minor daughter namely VAISHNAVI SHARMA aged 14 years in her School Records. The actual name of mine is RAJ KUMAR, Which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, Rekha mother of No. 4585563W, Rank-L/NK Name – Sudarshan Mahendra Akki residing at Village-Gudageri, At/Post- Gudageri, Teh-Kundgoi, Dist-Dharwad, State-Karnataka-581107, have changed my name from Rekha to Rekha Mahendra Akki for all future purposes and also declare that my date of birth wrongly mentioned as 01-01-1963 in service documents of my son. But my correct date of birth is 15-06-1965 vide affidavit dated 15-07-2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No. 4585563W, Rank-L/NK Name – Sudarshan Mahendra Akki residing at Village-Gudageri, At/Post-Gudageri, Teh-Kundgoi, Dist-Dharwad, State-Karnataka-581107, have changed my minor daughter's name from Tanvi S Akki to Tanvi Sudarshan Akki for all future purposes vide affidavit dated 15-07-2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, Ujwala Rajendra Dhodare W/o No. 4594408W Rank – SEP Name – Thorat Nilesh Bhimrao residing at Village Vawad, AT/Post-Vawad, Teh-Nandurbar, Dist-Nandurbar, Maharashtra-425411, have changed my name from Ujwala Rajendra Dhodare to Thorat Ujwala Nilesh for all future purposes vide Affidavit dated 17/07/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I Harsh Arora R/o B-68B, Nanhey Park, Uttam Nagar New Delhi - 110059 have changed my name to Harsh Kumar for all future purposes

NAME CHANGE
I Mange Ram S/o Rajendra, R/o near Primary School, Salem Pur Gujar PO: Salempur Gujar, Distt: Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 203202, have changed my name and shall hereafter be known as Mangtay

NAME CHANGE
I hitherto known as Jugesh Kumar alias Jugesh Gulati alias Jugesh Kumar Gulati S/O Kishore Lal Gulati R/O 481, 1st Floor, Sainik Vihar, Pitampura, PO: Saraswati Vihar, DIST- North West Delhi,Delhi-110034, have changed my name and shall hereafter be known as Jugesh Kumar Gulati.

NAME CHANGE
I MOHAMMAD ASIM ALIAS MOHD AASIM S/O ILYAS H/O ASMA R/O 186 GROUND FLOOR GEETA COLONY KHUREJI KHAS SHASTRI NAGAR DELHI 110031 HAVE CHANGED MY NAME TO MOHD ASIM PERMANENTLY

NAME CHANGE
I AASHMA ALIAS AASMA W/O MOHD ASIM D/O MOHD AJMERI R/O 186 GROUND FLOOR GEETA COLONY KHUREJI KHAS SHASTRI NAGAR DELHI 110031 HAVE CHANGED MY NAME TO ASMA PERMANENTLY

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mr. Kamal Jindal & Mr. Radhey Shyam are the owner of Freehold Residential Property bearing no. T-303 (Old no. 8), area measuring 102 sq. yds., out of Khasra no. 237, situated in the area of village Mamur Pur, Delhi, in the abadi known as Gali no. 6, Shivaji Nagar, Narela Delhi-110040. by virtue of GPA and ATS dated 14.11.1985 & Relinquishment Deed dated 27.06.2025 duly registered in the office of S.R. North Narela, as Doc no. 2024/21/I/2992, Book no. 1, Vol no. 6358, Pages 31-40, dated 05.07.2025 now our client is declaring that that any other Person does not have any right over the said property, and same property sold too be Mrs. Darshan Devi and same has been finance by Piramal Capital & Housing Finance Ltd. Branch: Rohini, New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

NAME CHANGE
I hitherto known as RAAJ MOHAN PITCHAI alias P RAAJ MOHAN S/o PITCHAI, R/o Flat No.-02, CRIS Officers Flats, Delhi Flying Club, Sathya Sadan. Safdarjung Airport Area, Lodhi Road, Central Delhi, Delhi – 110003 have changed my name and shall hereafter be known as RAAJ MOHAN PITCHAI.

NAME CHANGE
I, hitherto known as UJJWAL alias VARUN BANSAL, S/O Kiran Pal, House Number 233, Chirauri, PO: Chirori, DIST: Ghaziabad, Uttar Pradesh-201102, have changed my name and shall hereafter be known as VARUN BANSAL.

NAME CHANGE
I, Mohd Masroor Ahmad S/o Naseer Ahmad R/o S-221/6A, T/F S-Block, Vishnu Garden, Tilak Nagar, Delhi-110018 have changed my name to Masroor Ahmad.

NAME CHANGE
I, Kulbhushan Kumar Kakkar S/o Rattan Lal Kakkar R/o F-24, Bali Nagar, Ramesh Nagar, Delhi-110015 have changed my name to Kulbhushan Kakkar.

NAME CHANGE
I, Meenu W/o Kulbhushan Kakkar R/o F-24, Bali Nagar, Ramesh Nagar, Delhi-110015 have changed my name to Meenu Kakkar.

NAME CHANGE
I, Yusra Nasim W/o Mohd Monis R/o 8980, First Floor, Naya Mohalla, Pul Bangash, Azad Market, Delhi-110006 have changed my name to Yusra Naseem

NAME CHANGE
I, Suman Devi mother of No. 4593545H, Rank-SEP Name – Saurabh Sani residing at VPO-Begamabad Garhi, Tehsil-Baraut, Dist-Baghpat, UP-250622, have changed my name from Suman Devi to Suman for all future purposes vide affidavit dated 19-07-2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, Ramkumar Saini father of No. 4593545H, Rank-SEP Name – Saurabh Sani residing at VPO-Begamabad Garhi, Tehsil-Baraut, Dist-Baghpat, UP-250622, have changed my name from Ramkumar Saini to Ramkumar for all future purposes vide affidavit dated 19-07-2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, Mahendra father of No. 4585563W, Rank-L/NK Name – Sudarshan Mahendra Akki residing at Village-Gudageri, At/Post- Gudageri, Teh-Kundgoi, Dist-Dharwad, State-Karnataka-581107, have changed my name from Mahendra to Mahendra Tirakappa Akki for all future purposes vide affidavit dated 15-07-2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, Shushma wife of No. 4585563W, Rank-L/NK Name – Sudarshan Mahendra Akki residing at Village-Gudageri, At/Post- Gudageri, Teh-Kundgoi, Dist-Dharwad, State-Karnataka-581107, have changed my name from Shushma to Shushma Sudarshan Akki for all future purposes vide affidavit dated 15-07-2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, SANTOSH KUMAR PANDEY S/o BADRI NARAYAN PANDEY, residing at House No. - 29 , Khasra No. 106, Rajpur Khurd Extension, Chattarpur, South Delhi, Chattarpur, Delhi - 110074 have changed the name of my minor Daughter ARYA PANDEY aged 17 years and she shall hereafter be known as AARYA PANDEY.

NAME CHANGE
I, Arshad Ali s/o Noordeen R/O Fauladnagar, Baghpat, Muzaffarpur, Kanwara, Uttar Pradesh-250622, have changed my name to Arsad Ali permanently

NAME CHANGE
I, SHAILJA VERMA W/O DEEPAK VERMA R/O A 602 MANOKAMINA APARTMENTS, PLOT NO 16, SECTOR 18 A, NEAR VENKATESHWAR HOSPITAL, DWARKA PHASE 2, NEW DELHI 110075, have changed my name from SHALIJA VERMA TO SHAILJA VERMA for all future purpose

NAME CHANGE
It is for general information that I, KUNAL DUTT S/O BRAHM DUTT SHARMA R/O A-58 MANSA RAM PARK, UTTAM NAGAR, D. K. MOHAN GARDEN, WEST DELHI, DELHI-110059, declare that name of my father and my mother has been wrongly written as BRAHM DUTT and SANTOSH DUTT in my Passport-X9161021. The actual name of my father and my mother are BRAHM DUTT SHARMA and SANTOSH KUMARI, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mr. Sandeep Singhal & Mr. Dayanand are the owner of Freehold Commercial/ Residential House Nagar Nigam no. 35, area measuring 206.11 Sq. Yds. situated at Right Ganj East, Tehsil & Dsitt. Ghaziabad, U.P. by virtue of Sale Deed dated 21.03.2007 as Doc no. 1831 in Book No. 1 Vol no. 6954 on Page no. 291-301 SR- I Ghaziabad. & Sale Deed dated 21.03.2007 as Doc no. 1832 in Book No. 1 Vol no. 6954 on Page no. 301-310 SR- I Ghaziabad. till date and has lost/Misplace his Original Sale Deed dated 29.06.1972 executed by Mr. Shri Ram Gupta & Mr. Pramod Kumar Gupta in favour of Mrs. Maya Devi, Mr. Inderjeet, Mr. Dayanand & Mr. Harishchand as Doc no. 4896/4897 in Book No 1 Vol no. 1618 on Page no. 195-196 SR- Ghaziabad and Sale Deed dated 08.07.1981, as Doc no. 7815 & 7814 in Book No. 1 Vol no. 2714 on Page no. 337-341 SR-Ghaziabad. it was executed in favour of Mrs. Maya Devi, Mr. Inderjeet & Mr. Dayanand & Mr. Harishchand, now our client is declaring that that any other Person does not have any right over the said property, and same has been finance by DCB Bank Ltd. Branch: Karol Bagh Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 15 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

NAME CHANGE
It is for general information that I RONAK JAHAN W/O MOHD SHADAB R/O 28, Basti, Near Old Post Office, Hazrat Nizamuddin, South Delhi, Delhi-110013 declare that name of my husband has been wrongly written as MOHD SHAHDAB in my minor son namely MOHD HAMMAD aged 17 years in his 10th class educational documents. The actual name of my husband is MOHD SHADAB which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, Tanmay s/o Amit Modi R/o 58-C, East Azad Nagar, Krishna Nagar, Delhi-110051 have changed my name to Tanmay Modi all future purposes

NAME CHANGE
I Dheer Singh S/o Ram Pal Singh R/o RZ-138/1, Block-B Nihal Vihar, Nangloi, Bakkar Wala, West Delhi, Delhi-110041 have changed the name of my minor son Rishabh Singh Chhadha aged 15 years and he shall hereafter be known as Rishabh Singh.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, AMIT KUMAR S/O SARJEET SINGH, R/O H. No- 83/1, Village-Bihari Pur, Seelam Pur, North East Delhi, Delhi- 110094, declare that name of my minor Son has been wrongly written as TANVEER, in my minor Son Namely TANVEER SINGH, aged 14 year in his School records. The actual name of my minor Son is TANVEER SINGH respectively, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large that my client **Mr. Amit Prajapati** is purchasing the Eastern Portion, area measuring 36 sq. yds. "said portion" built on Property area measuring 72 sq. yds., falling in Khasra No. 94/ 16, situated in the area of Village, Burari, Delhi from Mrs. Nisha who is the owner of the property vide GPA, ATS & WILL dated 11.02.2011 and Intend to mortgage the said property with **Aditya Birla Housing Finance Ltd.** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.
Khaitan & Khaitan
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048,
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE
I SANJEEV S/O GHANSHYAM DAS 123, POCKET 3, SECTOR 25, ROHINI, DELHI 110085 Have changed my name to SANJEEV BHATIA

NAME CHANGE
I, MANISH KUMAR MISHRA S/O MADAN MOHAN MISHRA residing at H NO 1104, HAMLIN APPARTMENT, SECTOR-43, GURGAON, HARYANA-122009 have change my name to MANISH MISHRA for all future purpose.

NAME CHANGE
I hitherto known as Nikish Sharma alias Akhil Sharma C/O: Sunil Kumar Sharma, R/O H No-16, Gali No-6, Block-A, Siddharth Vihar, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201009, Have changed my name and shall hereafter be known as AKHIL SHARMA.

NAME CHANGE
I hitherto known as Kavya Gupta S/O Ashu Gupta, residing at 251-252, Joshi Road, Near Ajmal Khan Park, Karol Bagh, Delhi-110005 have changed my name and shall hereafter be known as Dhruvit Gupta.

NAME CHANGE
I, SHRUTI Wife of No-15709233F Rank-HAV Name-KUSHAL PAL Presently residing at VILL-EDMADPUR MADRA, HINGOT KHERIA, AGRA, UTTAR PRADESH-282006, have changed my name from SHRUTI to SHRUTI YADAV for all future purposes vide Affidavit dated 24/07/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
It is for general information that I RAAJ MOHAN PITCHAI S/o PITCHAI, R/o Flat No.-02, CRIS Officers Flats, Delhi Flying Club, Sathya Sadan. Safdarjung Airport Area, Delhi High Court, PO: Lodhi Road, DIST: Central Delhi, Delhi - 110003 declare that name of mine and my minor son has been wrongly written as P. RAAJ MOHAN and R. RUDHRAN in my minor son namely RUDHRAN RAAJMOHAN aged 12 years in his school record. The actual name of mine and my minor son are RAAJ MOHAN PITCHAI and RUDHRAN RAAJMOHAN respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, ANIL NIKHRA S/O NARAYAN DAS NIKHRA R/O J-1201,SISPAL VIHAR, SECTOR-49, GURGAON, HARYANA-122001, HAVE CHANGED MY NAME TO ANIL KUMAR NIKHRA FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I, Sidhartha Nagabhushana S/O Hosakere Seetharama Nagabhushana R/O Jd-12,First Floor ,Flat No-4,Khirki Extension,Malviya Nagar,South Delhi-110017 Have changed my name to Sidhartha Shimoga Nagabhushana for all future purposes.

NAME CHANGE
I, SHAREEF Father of NO-2809091K, Rank- SEP, Name-SHIBUJAN S residing at VILL-KOZHIPALAM, PO-NANDHATTY, TEHSIL-GUDALUR, DIST-NILGIRIS, TAMIL NADU-643212, have changed my name from SHAREEF to SHEREEF for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 30/03/1964 instead of my correct date of birth as 10/07/1967 Vide Affidavit dated 24/07/2025 before Notary Public Delhi.

PUBLIC NOTICE
Notice is hereby given to the General Public on behalf of our client (SMFG India Credit Co. Ltd.) that one Mr. Sonpal is claiming to be the owner of Residential Plot of Land area measuring 70 sq. yds., out of Khasra No. 143, situated in the area of Village Chipiyana Khurd alias Tigari, Paragana and Tehsil Dadri, District Gautam Budh Nagar, U. P. vide Sale Deed dated 20.12.2023, duly reg. as Document No. 55060, Book No.1, and Volume No. 25752, on Pages 185-204, on 20.12.2023 with SRO Dadri, Gautam Budh Nagar, executed by Mr. Sunil as attorney of Mr. Satish Prasad. All persons are hereby informed that above owner wants to mortgage the said property and intends to obtain a loan from our client (SMFG India Credit Co. Ltd.) against the said property, if anybody has any objection/s upon the ownership of above owner over the said property, its mortgage/litigation, and any other objections, kindly inform the undersigned in writing on the below mentioned address within 07 days of the present.
For Kumar & Associates Advocates & Consultants)
200, Second Floors, Shivaji Marg, Moti Nagar, New Delhi-15
legal@knalegal.com,
011-41112527-28

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

हरियाणा स्कूल लेक्चरर एसोसिएशन ने गठित की नई राज्य कार्यकारिणी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा स्कूल लेक्चरर एसोसिएशन (हसला) ने नई राज्य कार्यकारिणी का गठन किया है। यह कार्यकारिणी आगामी तीन वर्ष (2025-2028) तक कार्य करेगी। हसला के राज्य प्रधान सतपाल सिंधु ने चंडीगढ़ में इसकी जानकारी दी। सतपाल सिंधु ने बताया कि नई कार्यकारिणी में झज्जर से डॉ.कप्तान संरक्षक और पलवल से अशोक बाल्याण वरिष्ठ उपप्रधान बनाया गया है। कुरुक्षेत्र से डॉ. तरसेम कौशिक को राज्य महासचिव नियुक्त किया गया है। वहीं कैथल से ईश्वर ढांडा को संजोयक, फतेहाबाद से प्रदीप लोरा को सलाहकार, कैथल से सोहन पाल को उप महासचिव सोनीपत से पवन मोर को लगातार चौथी बार वित्त सचिव, सोनीपत से ही अजीत चंदेलिया को प्रेस सचिव, गुरुग्राम से डॉ. कृष्ण कुमार को उप वित्त सचिव, हिसार से विक्रम को प्रवक्ता नियुक्त किया गया है। हसला की कार्यकारिणी में महिलाओं की भागीदारी को भी प्राथमिकता दी गई है। इस बार विशेष तौर पर महिला प्रकोष्ठ का गठन किया गया है। जिसमें फरीदाबाद से ज्योति शर्मा को उप महासचिव, पानीपत से डॉ. सुशेन चौधरी, रोहतक से नीलम कुंडू, फतेहाबाद से सोनम रिढाल, सिरसा से विम्मी, यमुनानगर से जगजीत संधू और सोनीपत से राजेश रानी को महिला उपाध्यक्ष की जिम्मेवारी सौंपी गई है।

खरीफ फसल बीमा में तेजी, किसानों को मिलेगा व्यापक लाभ

सोनीपत। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत खरीफ सीजन 2024 के लिए बीमा प्रक्रिया को तेज़ किया गया है। जिला प्रशासन, कृषि विभाग और बैंकों की संयुक्त बैठक में योजना से जुड़ी सभी प्रमुख बातों पर चर्चा हुई। इसमें बीमा की समय-सीमा, प्रीमियम दरें, डाटा अपलोड और शिकायत निवारण प्रणाली की जानकारी साझा की गई। लीड बैंक प्रबंधक हरीश वर्मा ने बताया कि उपायुक्त सुशील सारवान के निर्देशानुसार सभी बैंकों को 31 जुलाई तक ऋणी किसानों का प्रीमियम काटने के निर्देश दिए गए हैं। बीमा डाटा 15 अगस्त तक पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा ताकि प्रक्रिया समय पर पूरी हो सके। अगर कोई ऋणी किसान बीमा नहीं कराना चाहता, तो उसे 24 जुलाई तक बैंक को लिखित सूचना देनी होगी। फसल में बदलाव की स्थिति में किसान बैंक को सूचित करें ताकि प्रीमियम में त्रुटि न हो। जो किसान बैंक से ऋण नहीं लेते, वे भी निकटवर्ती सीएससी केंद्र जाकर बीमा करवा सकते हैं। धान के लिए 2124.98 रुपये के लिए कपास 5435.05 रुपये, बाजरा के लिए 1024.36 रुपये और मक्का के लिए 1089.74 रुपये प्रति हेक्टेयर प्रीमियम तय किया गया है। किसानों को धान, बाजरा, मक्का के लिए 2 प्रतिशत और कपास के लिए 5 प्रतिशत भुगतान करना होगा, शेष राशि सरकार वहन करेगी।

सोनीपत में 150 बेड के ईएसआई अस्पताल की मंजूरी, लाखों श्रमिकों को सौगात

सोनीपत। राई क्षेत्र के लाखों श्रमिकों और उनके परिवारों के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि सामने आई है। लंबे समय से प्रतीक्षित ईएसआई अस्पताल की मंजूरी से अब उन्हें गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं सुलभ होंगी। यह सौगात न केवल स्वास्थ्य क्षेत्र में मील का पत्थर है, बल्कि जनप्रतिनिधियों के अथक प्रयासों की मिसाल भी है। राई विधायक कृष्णा गहलावत ने बताया कि हरियाणा सरकार ने राई औद्योगिक क्षेत्र के सेक्टर-38 में 150 बिस्तरों वाले आधुनिक ईएसआई अस्पताल के निर्माण हेतु 6.35 एकड़ भूमि आवंटित करने की मंजूरी दे दी है। यह भूमि हरियाणा स्टेट इंडस्ट्रियल एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट निगम (एचएसआईआईडीसी) ने 75 प्रतिशत रियायती दर पर दी है। विधायक गहलावत ने बताया कि इस भूमि की बाजार कीमत 106.78 करोड़ रुपये थी, लेकिन इसे केवल 26.70 करोड़ रुपये में ईएसआई संस्थान को उपलब्ध कराया गया है। इस ऐतिहासिक मंजूरी के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार प्रकट करते हुए कहा कि यह सुविधा राई सहित सोनीपत, कुंडली, मुरथल, बड़ी, समालखा और आसपास के औद्योगिक क्षेत्रों के लाखों श्रमिकों को लाभ पहुंचाएगी। गहलावत ने बताया कि सामान्य दर पर भूमि का मूल्य 41 हजार 550 रुपये प्रति वर्ग गज था, जो अब 10 हजार 387 रुपये प्रति वर्ग मीटर की रियायती दर पर दी गई है।

हाना शुगर मिल प्रबंधन तैयारियों में जुटा

सोनीपत। गोहाना स्थित चैधरी देवीलाल शुगर मिल ने गन्ना पेराई सत्र 2025-26 की तैयारियों का आगाज़ कर दिया है। इस दिशा में प्रशासन सक्रिय भूमिका निभा रहा है, ताकि आगामी सत्र सुचारु व समयबद्ध रूप से प्रारंभ हो सके। उपायुक्त एवं शुगर मिल के चैयरमैन सुशील सारवान ने मिल परिसर में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की।उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियोंको मरम्मत व रखरखाव कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि सभी कार्य पारदर्शिता, निष्ठा और सरकारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप हों। उन्होंने कहा कि मशीनों के स्पेयर पार्ट्स की खरीद से लेकर प्रत्येक मरम्मत कार्य में गुणवत्ता और समयबद्धता आवश्यक है। सारवान ने चेतावनी दी कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और संबंधित अधिकारी व कर्मचारी स्वयं उत्तरदायी होंगे। उन्होंने अधिकारियों को लंबित कार्य शीघ्र पूर्ण करने को कहा तथा लेखा रिकॉर्ड की भी की।

मुख्यमंत्री नायब सैनी का ऐलान, राज्यभर में लगाए जाएंगे 2.10 करोड़ पौधे

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायबसिंह सैनी ने पर्यावरण संरक्षण, स्वस्थ और सतत भविष्य सुनिश्चित करने की दिशा में घोषणा करते हुए कहा कि राज्य सरकार ने इस वर्ष प्रदेशभर में 2.10 करोड़ पौधे लगाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। इस अवसर पर उन्होंने राज्य के लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने का आह्वान करते हुए कहा कि इस मानसून के मौसम में प्रत्येक परिवार कम से कम एक पेड़ अवश्य लगाए। उन्होंने कहा कि एक पेड़ मां के नाम अभियान के पहले चरण में, हरियाणा में 1.60 करोड़ पौधों के तय लक्ष्य से भी अधिक 1.87 करोड़ पौधे लगाए जा चुके हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि नागरिकों के सहयोग से हम एक बार फिर इस लक्ष्य को पार कर लेंगे। मुख्यमंत्री पंचकूला जिले के मोरनी में

आयोजित राज्य स्तरीय वन महोत्सव को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर पर्यावरण, वन एवं वन्यजीव मंत्री राव नरबीर सिंह भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि वन विभाग द्वारा शुरू किए गए वृक्षारोपण की हर साल ड्रोन का उपयोग करके जियो-टैगिंग और नियमित रूप से मैपिंग की जाएगी। हरियाणा में वन क्षेत्र बढ़ाने में योगदान देने के लिए इन पौधों के विकास की निगरानी पाँच वर्षों तक की जाएगी। अक्टूबर 2014 से, राज्यभर में लगभग 18 करोड़ पौधे लगाए जा चुके हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने वन एवं वन्यजीव विभाग द्वारा प्रकाशित दो पुस्तिकाओं का विमोचन भी किया, जो मोरनी क्षेत्र में ईको-टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए हर्बल वाटिका और नेचर ट्रेल्स के विकास पर केंद्रित हैं। कालका विधायक श्रीमती शक्ति रानी शर्मा द्वारा रखी गई मांगों पर मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि संबंधित विभागों द्वारा फिजिबिलिटी चेक किए जाने के बाद विकास संबंधी सभी मांगों को पूरा किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि वन महोत्सव वृक्षों की सुरक्षा और क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस बात पर ज़ोर दिया कि सरकार के अलावा, पर्यावरण संरक्षण में योगदान देना प्रत्येक व्यक्ति की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने लोगों से कम से कम एक पौधा लगाने और कम से कम पाँच वर्षों तक अपने बच्चों की तरह उसकी देखभाल करने का आग्रह किया।

डीएमसी ने नप अधिकारियों को दिए विकास कार्य समय पर करने निर्देश

एजेंसी

झज्जर। जिला नगर आयुक्त (डीएमसी) सुशील कुमार ने नगर परिषद बहादुरगढ़ के कार्यालय में चेयरपर्सन सरोज राठी व नगर परिषद के अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने परिषद अध्यक्ष सरोज और अधिकारियों से विभिन्न मामलों पर आवश्यक रिपोर्ट ली और लंबित कार्यों के शीघ्र निपटान सहित जरूरी निर्देश दिए। मीटिंग के बाद चेयरपर्सन सरोज राठी ने बताया कि जिला झज्जर के नवनियुक्त डीएमसी डॉ सुशील कुमार ने मीटिंग में नगर परिषद द्वारा कराए जा रहे विकास कार्यों जानकारी लेते हुए सभी विकास कार्य तय समय पर पूरा कराने के निर्देश दिए। उन्होंने लंबित पड़े विकास कार्यों को भी मंजूर कर जल्द से जल्द शुरू करवाने के निर्देश अधिकारियों को दिए है। इसके अलावा उन्होंने अधिकारियों से स्ट्रीट लाइट ,सफाई व्यवस्था व जलभराव वाले क्षेत्र से संबंधित जानकारी लेते हुए कहा कि नगर परिषद से मिलने वाली सुविधाएं आमजन को उपलब्ध कराई जाए और जो भी जनसमस्या उनके संज्ञान में आती है उन समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निवारण किया जाए ताकि आमजन को नगर परिषद से मिलने वाली सुविधाओं का अभाव न झेलना पड़े।चेयरपर्सन सरोज राठी ने बताया कि डीएमसी को मीटिंग में सफाई व्यवस्था, स्ट्रीट लाइट, लंबित फाइलों , जलभराव वाले क्षेत्र की समस्या से विस्तार से अवगत कराया गया है, जिसको लेकर डीएमसी ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं की शहर में बेहतर सफाई व्यवस्था हो, स्ट्रीट लाइट की कमी को दूर किया जाए तथा क्षेत्र में जलभराव की समस्या को प्राथमिकता के आधार पर निवारण करने का काम करें। डीएमसी डॉ सुशील कुमार ने स्पष्ट कहा कि अधिकारी यह सुनिश्चित करें विकास कार्य तय समय पर पूरे हो और जन समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निवारण हो, इस मामले में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

सीईटी परीक्षा में 44.91 फीसदी महिलाएं और 55.09 फीसदी पुरुष हिस्सा लेंगे

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग (एचएसएससी) द्वारा आयोजित होने वाली सामान्य पात्रता परीक्षा (सीईटी) की तैयारियां जोरों पर हैं। एचएसएससी के चेयरमैन हिम्मत सिंह ने परीक्षा की तैयारियों के संबंध में पत्रकारों से बातचीत में बताया कि इस परीक्षा में कुल 13 लाख 48 हजार 697 अभ्यर्थी भाग लेंगे। जिनमें छह लाख पांच हजार 583 महिलाएं तथा सात लाख 43 हजार 114 पुरूष शामिल हैं। इस प्रकार समूची परीक्षा में 44.91 फीसदी महिलाएं तथा 55.09 प्रतिशत पुरूष भाग उम्मीदवार भाग लेंगे। हिम्मत सिंह ने तीज के अवसर पर हो रही परीक्षा तथा परीक्षा केंद्र के भीतर सामान लेकर जाने को उठे विवाद पर विराम लगाते हुए कहा कि अभ्यर्थी केवल अपना एडमिट कार्ड और पहचान पत्र लेकर ही भीतर जा सकेंगे। इसके अलावा वह अपने जेब में पैसे रख सकते हैं। उन्होंने कहा कि अमृतधारी सिखों को धार्मिक चिह्न पहनने की छूट रहेगी। तीज हरियाणा

का प्रमुख पर्व है। इसलिए महिलाओं को मंगलसूत्र पहनने की छूट रहेगी। अमृतधारी सिखों तथा शादीशुदा महिलाओं को तय समय से पहले परीक्षा केंद्र में पहुंचना होगा ताकि उनकी जांच हो सके। उन्होंने अभ्यर्थियों की मांग पर स्पष्ट किया कि एडमिट कार्ड का केवल कलर प्रिंट ही लिया जाए उसे किसी से एटेस्ट करवाने की जरूरत नहीं है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में सबसे अधिक हिसार जिला से एक लाख 20 हजार युवाओं ने सीईटी के लिए आवेदन किया है। हिम्मत सिंह ने बताया कि आयोग द्वारा पंचकूला में प्रदेश स्तरीय कंट्रोल रूम आज से शुरू कर दिया गया है। इसके अलावा आयोग के को-आर्डिनेटर जिलों में चले जाएंगे। प्रत्येक जिले में 26 व 27 जुलाई को आयोग का अस्थाई कैंप ऑफिस खोला जाएगा। जहां आयोग के प्रतिनिधि के अलावा जिला प्रशासन का नोडल अधिकारी मौजूद रहेगा। सीईटी की परीक्षा के लिए प्रदेश भर में करीब 14 हजार पुलिस कर्मी तैनात होंगे। आयोग चेयरमैन ने बताया कि प्रदेश में कुल 1338 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर औसतन दस पुलिस कर्मी तैनात किए जाएंगे।

वित्त आयुक्त ने नए सचिवालय में अत्याधुनिक क्रेच का किया उद्घाटन

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा की वित्त आयुक्त, राजस्व, डॉ. सुमिता मिश्रा ने चंडीगढ़ में नए सचिवालय भवन में एक अत्याधुनिक क्रेच का उद्घाटन किया। उन्होंने बताया कि वर्तमान में हरियाणा के 22 जिलों में 486 क्रेच कार्यरत हैं, जिनमें लगभग दस हजार बच्चे नामांकित हैं। उद्घाटन के दौरान डॉ.मिश्रा ने आधुनिक कार्यस्थलों में ऐसी सुविधाओं के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ये सुविधाएँ एक ऐसा वातावरण बनाने की दिशा में प्रगतिशील प्रयास हैं जहाँ हमारे कर्मचारी अपनी पारिवारिक जिम्मेदारियों से समझौता किए बिना पेशेवर रूप से आगे बढ़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह सुविधा हमारे लोगों और हरियाणा के भविष्य में एक निवेश है। डॉ.मिश्रा ने कहा कि नया क्रेच प्रशिक्षित देखभालकर्ताओं, आकर्षक खेल सुविधाओं और सचिवालय कर्मचारियों के शिशुओं और छोटे बच्चों की देखभाल के

लिए सभी आवश्यक सुविधाओं से पूरी तरह सुसज्जित है। उद्घाटन उपरांत उन द्वारा क्रेच का दौरा भी किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सविता नेहरा ने एक महीने के भीतर नए सचिवालय में इस क्रेच को मूर्त रूप देने के लिए डॉ. सुमिता मिश्रा के प्रति आभार व्यक्त किया। मिश्रा ने बताया कि हरियाणा राज्य क्रेच नीति क्रेच सुविधाओं के लिए एक व्यापक ढाँचा प्रदान करती है जो बच्चों की देखभाल के लिए एक समग्र दृष्टिकोण सुनिश्चित करती है।

दो उप-तहसीलों में खुले दरबार में 360 नागरिकों के राजस्व कार्यों का निपटारा

एजेंसी

गुरुग्राम। राजस्व सेवाओं को आमजन के और अधिक निकट पहुंचाने तथा पारदर्शी और जवाबदेह प्रशासन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से डीसी अजय कुमार के दिशा-निर्देशन में हरसरू एवं कादीपुर उप-तहसीलों में राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा एक दिवसीय खुले दरबार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान एसडीएम मानेसर दर्शन यादव ने हरसरू एवं कादीपुर दोनों उप-तहसीलों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसी भी नागरिक को अनावश्यक परेशानी न हो और राजस्व रिकॉर्ड से संबंधित सभी कार्य पारदर्शिता और दक्षता के साथ निपटाए जाएं। निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने नागरिकों से भी सीधा संवाद किया और उनकी समस्याएं जानकर तुरंत समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के खुले दरबार प्रशासनिक

पारदर्शिता का उदाहरण हैं। इससे जनता का विश्वास मजबूत होता है। हरसरू उप-तहसील के नायब तहसीलदार आशीष मलिक ने बताया कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य जनता को म्यूटेशन (नामांतरण), जमाबंदी, फर्द बदर, सीमा विवाद, दाखिल-खारिज एवं अन्य राजस्व कार्यों से जुड़ी समस्याओं का त्वरित समाधान मौके पर ही उपलब्ध कराना था। कार्यक्रम में भारी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया और अपनी शिकायतें एवं आवेदन प्रस्तुत किए। खुले दरबार में संबंधित हल्का पटवारी, कानूनगो सहित राजस्व विभाग की पूरी टीम मौके पर उपस्थित रही। अधिकारियों ने प्रत्येक नागरिक की समस्या को गंभीरतापूर्वक सुनते हुए कई मामलों का उसी समय समाधान सुनिश्चित किया। उन्होंने बताया कि खुले दरबार में हरसरू उप-तहसील से संबंधित मामलों में 200 से अधिक म्यूटेशन व 29 बदर बनाने का कार्य पूरा किया गया। पैमाइश से संबंधित मामलों में कानूनगो को निर्देश दिए गए कि वे समयबद्धता के साथ इस कार्य को पूरा करवाएं। उन्होंने बताया कि इस प्रकार के खुले दरबार नियमित अंतराल पर आयोजित किए जाएंगे ताकि आमजन को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें और सरकारी सेवाएं सरल, सुलभ और पारदर्शी ढंग से उपलब्ध हो सकें।कादीपुर उप-तहसील से संबंधित जानकारी देते हुए नायब तहसीलदार मनीष शर्मा ने बताया कि उपतहसील में आज म्यूटेशन, जमाबंदी, फर्द बदर, सीमा विवाद, दाखिल-खारिज एवं अन्य राजस्व कार्यों से जुड़ी करीब 130 समस्याओं का निवारण किया गया। कार्यक्रम के दौरान यह देखा गया कि अनेक मामलों में नागरिक लंबित कार्यों को लेकर असमंजस में थे, जिनका निस्तारण मौके पर ही हो सका। इससे नागरिकों में संतोष की भावना देखी गई तथा उन्होंने प्रशासन की इस जनहितकारी पहल की खुले दिल से सराहना भी की।

खाद की भरपूर उपलब्धता, कालाबाजारी पर होगी सख्ती

एजेंसी

सोनीपत। हाल ही में किसानों के बीच खाद की आपूर्ति को लेकर अनेक अफवाहें फैली हैं, जिससे भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो गई है। इन अफवाहों को दूर करते हुए कृषि विभाग ने स्थिति स्पष्ट की है कि जिले में खाद की कोई कमी नहीं है। यह जानकारी विभाग द्वारा कृषि मंत्री के साथ वीसी से हुई बैठक के बाद साझा की गई। उप कृषि निदेशक डॉ. पवन शर्मा ने बताया कि हरियाणा के कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा की अध्यक्षता में वीसी बैठक हुई, जिसमें सभी जिलों के कृषि उपनिदेशकों सहित विभाग के प्रधान सचिव पंकज अग्रवाल, निदेशक राज नारायण कौशिक एवं अन्य अधिकारी शामिल हुए। बैठक में यूरिया की खपत और आपूर्ति की समीक्षा की गई।कृषि मंत्री ने निर्देश दिए कि सभी डीलरों के स्टॉक की नियमित जांच की जाए और किसानों को खाद के साथ कोई अन्य उत्पाद जबरन न दिया जाए। उन्होंने चेताया कि खाद की कालाबाजारी बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषियों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई

होगी। डॉ. पवन शर्मा ने बताया कि 22 जुलाई तक सोनीपत जिले में 47572 मेट्रिक टन यूरिया खाद प्राप्त हो चुका है, जो गत वर्ष की तुलना में 1313 मेट्रिक टन अधिक है। जिले में खाद की कोई कमी नहीं है। उन्होंने किसानों से सरकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने का भी आग्रह किया।

नायब सिंह सैनी ने सफाई कर्मचारियों को बताया शहरों-गांवों की रीढ़

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश की हर गली, हर मोहल्ले में स्वच्छता की जो सुगंध फैली है, उसमें सफाई कर्मचारियों की मेहनत छीपी हुई है। सफाई कर्मचारी सिर्फ कर्मचारी नहीं हैं, प्रदेश के शहरों और गांवों की रीढ़ हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने यह विचार चंडीगढ़ आवास पर आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश भर से आए सफाई कर्मचारियों को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। संत कबीर जयती के अवसर पर सफाई कर्मचारियों के वेतन में 2,100 रूपये बढोतरी होने पर आज प्रदेश भर से सफाई कर्मचारी मुख्यमंत्री का धन्यवाद करने आए थे। नायब सिंह सैनी ने कहा कि मैं सफाई कर्मचारियों को सलाम करता हूं, जो हर गली, मोहल्ले और सड़क को स्वच्छ और सुंदर बनाने में दिन-रात जुटे रहते हैं। उन्होंने कहा कि आप हमारे स्वास्थ्य के रक्षक व वातावरण के प्रहरी हैं। आपके बिना स्वच्छ हरियाणा की कल्पना भी असंभव है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सीवर की सफाई का कार्य जोखिम भरा होता है। आप अपना जीवन खतरे में डालकर यह कार्य करते हैं। आपका यह योगदान सराहनीय है।

स्वच्छता चाहे शरीर की हो या अपने आस पास के परिवेश की हो, इसका सीधा सम्बन्ध हमारे स्वास्थ्य से है। हमारे गौरव और गरिमा से है। हमारे सामाजिक एवं आर्थिक विकास से है। नायब सिंह सैनी ने कहा कि 'सबसे स्वच्छ शहर सम्मान' के तहत सोनीपत को 'मिनिस्टीरियल स्टार' अवॉर्ड मिला है। इसी तरह 50 हजार से 3 लाख की आबादी वाली श्रेणी में करनाल शहर ने देश में तीसरा स्थान हासिल किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ने शहरी सफाई कर्मचारियों का वेतन बढ़ाकर 17 हजार रुपये मासिक तथा ग्रामीण सफाई कर्मचारियों का वेतन भी बढ़ाकर 16 हजार रुपये मासिक किया गया है। उन्होंने कहा कि सफाई कर्मियों को उनकी ड्यूटी पर मृत्यु होने की स्थिति में पांच लाख रुपये और सीवरेज में काम करते समय मृत्यु होने की स्थिति में 10 लाख रुपये की बीमा राशि का प्रावधान किया गया है। हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि सफाई कर्मचारी बहादुर योद्धा है।

सिंथेटिक सामग्री से बने पतंग उड़ाने वाले धागे की बिक्री व उपयोग पर लगी पाबंदी

एजेंसी

नारनौल। नारनौल में नायलॉन, प्लास्टिक या किसी अन्य सिंथेटिक सामग्री से बने पतंग उड़ाने वाले धागे की बिक्री, उत्पादन, भंडारण, आपूर्ति, आयात और उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। जिलाधीश डा. विवेक भारती ने एक आदेश पारित कर स्पष्ट किया है कि महेंद्रगढ़ जिले में पतंग उड़ाने के लिए किसी भी प्रकार के नुकीले धागे, जैसे कांच, धातु या किसी अन्य नुकीली सामग्री से युक्त धागे का उपयोग वर्जित है। पतंग उड़ाने की अनुमति केवल सूती धागे से दी जाएगी, जो किसी भी प्रकार के नुकीले कांच के घटकों, चिपकने वाले पदार्थों, धागे को मजबूत करने वाली सामग्री से मुक्त हो। उन्होंने कहा कि पतंग उड़ाने के दौरान पतंगबाजी प्रतियोगिता या अन्य किसी कारण से कई पतंगें आसमान में कट जाती हैं।

ये सभी कटे हुए धागे पतंगों के साथ ज़मीन पर ही रह जाते हैं। पक्का धागा और चीनी मांझा के उपयोग के कारण मानव और पक्षियों को गंभीर चोट या मृत्यु होने के खतरे के साथ-साथ वन्यजीवों और पर्यावरण को भी नुकसान होता है। ऐसे पतंग उड़ाने वाले धागों का व्यापक उपयोग प्रतिबंधित किया गया है।

मुख्यमंत्री ने नवीनीकृत नेचर कैंप थापली का किया लोकार्पण

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंचकूला जिले के मोरनी क्षेत्र में नवीनीकृत नेचर कैंप थापली का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने नवीनीकृत इको-कुटीर का भी उद्घाटन किया। उन्होंने आयुर्वेदिक पंचकर्मा केंद्र का निरीक्षण भी किया। इस अवसर पर पर्यावरण, वन एवं वन्यजीव मंत्री राव नरबीर सिंह और कालका विधायक शक्ति रानी शर्मा भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने यहां कालका से कलेसर तक बनाए गए नेचर ट्रेल पर ट्रैकिंग के लिए एक दल को झंडी दिखाकर रवाना किया।

यह ट्रैक हरियाणा के युवाओं को साहसिक पर्यटन की ओर आकर्षित करेगा और राज्य को एडवेंचर व नेचर टूरिज्म हब के रूप में नई पहचान दिलाने में मदद करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि साहसिक पर्यटन आज की युवा पीढ़ी की रुचि से जुड़ा हुआ क्षेत्र है और इससे न केवल पर्यटन का विस्तार होगा बल्कि स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और सतत विकास के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। हम पर्यटन को केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि प्रकृति, संस्कृति और स्वास्थ्य के साथ जोड़ने के प्रयास कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने नेचर कैंप में स्थापित क्लाइमेट चेंज लर्निंग लैब का भी अवलोकन किया। इस लैब में बच्चे पर्यावरण को प्रभावित करने वाले कारणों और उनके समाधानों को खेलों के माध्यम से जान सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मोरनी क्षेत्र की भौगोलिक सुंदरता, जैव विविधता और शांत वातावरण इसे प्राकृतिक पर्यटन के लिए अत्यंत उपयुक्त बनाते हैं।

जब से सीएम ने गृह विभाग संभाला तब से प्रदेश के हालात बिगड़ रहेः दुष्यंत चौटाला

एजेंसी

गुरुग्राम। मशहूर कलाकार एवं जेजेपी नेता राहुल फाजिलपुरिया पर जानलेवा हमले और निरंतर मिल रही धमकियों को लेकर जननायक जनता पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल गुरुग्राम पुलिस कमिश्नर से मिला। पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला, राहुल फाजिलपुरिया, वरिष्ठ नेता केसी बांगड़ सहित अनेक जेजेपी नेताओं ने एक ज्ञापन सौंपकर कमिश्नर के समक्ष पूरा मामला रखा और फाजिलपुरिया की तुरंत सुरक्षा बहाली व दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करने की मांग की उठाई। कमिश्नर से मिलने के उपरांत पत्रकारों से रूबरू होते हुए दुष्यंत चौटाला ने कहा कि सीएम नायब सैनी के पास जब से गृह विभाग आया है, तब से प्रदेश के हालात बिगड़ते जा रहे हैं। पुलिस पर सीएम की पकड़ नहीं दिख रही है। दुष्यंत चौटाला ने यह भी कहा कि नायब सैनी के सीएम बनने से पहले प्रदेश की कानून व्यवस्था के हाल ठीक थे। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि निरंतर राहुल फाजिलपुरिया को धमकियां मिल रही हैं। इसलिए पुलिस जल्द स्पेशल टास्क फोर्स की मदद से धमकी देने वालों को पकड़े और उन पर सख्त से सख्त कार्रवाई करें। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि सुरक्षा के मद्देनजर राहुल फाजिलपुरिया को तुरंत दोबारा सुरक्षा मुहैया करवाई जाए। उन्होंने यह भी कहा कि राहुल को पिछले माह दो सिक्योरिटी गार्ड मिले थे और जिन्हें वापस ले लिया गया था। इसके बाद इस विषय को लेकर उनकी सीपी गुरुग्राम से बातचीत हुई थी और उन्होंने आश्वासन दिया था कि राहुल को सुरक्षा मुहैया करवाई जाएगी, लेकिन सुरक्षा नहीं दी गई। पूर्व डिप्टी सीएम ने आगे कहा कि इस दौरान राहुल फाजिलपुरिया पर बदमाशों ने फायरिंग करके जानलेवा हमला किया, यानी कि बदमाश निरंतर राहुल पर नजर रख रहे थे। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि प्रदेश में ऐसी घटनाएं निरंतर हो रही हैं। उन्होंने कहा कि व्यापार सेल के प्रधान रविंद्र सैनी की भी हांसी में सरेआम गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि रविंद्र सैनी को लगातार धमकियां मिल रही थीं और मामला पुलिस के संज्ञान में होने के बाद भी आरोपी को जमानत दे गई थी। उन्होंने कहा कि सीएम से भी मिलकर पीड़ित परिवार ने न्याय गुहार लगाई थी, लेकिन आज तक इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

LLPIN-ABA-3405

CA INDIA

VGHSR & ASSOCIATES LLP
Chartered Accountants

6C, Gopala Tower, 25, Rajendra Place, New Delhi-110008

Independent Auditor's Report

To,
The Members,
Ramgarhia Co-operative Bank Limited

Report on the Audit of the Financial Statements

Qualified Opinion

We have audited the accompanying Financial Statements of Ramgarhia Co-operative Bank Limited (the "Bank") as at 31 March 2025, which comprise the Balance Sheet as at 31 March 2025, and the Profit and Loss Account, for the year then ended, and a summary of significant accounting policies and other explanatory information. The returns of four branches audited by us are incorporated in these financial statements.

In our opinion, and to the best of our information and according to the explanations given to us, the aforesaid financial statements give the information required by the Banking Regulation Act, 1949, the Delhi Cooperative Societies Act, 2003 and the Rules made thereunder, and the guidelines issued by the Reserve Bank of India (RBI) and the generally accepted accounting principles and, in the manner so required except for the effects of the matters described in the basis for qualified opinion in the basis for qualified opinion section of our report, the aforesaid financial statements give a true and fair view in conformity with the accounting principles generally accepted in India of the state of affairs of the balance sheet of the Bank as at March 31, 2025 and its profit and loss for the financial year ended on that date.

Basis for Qualified Opinion

We conducted our audit in accordance with the Standards on Auditing (SAs) issued by the Institute of Chartered Accountants of India (ICAI). Our responsibilities under those Standards are further described in the *'Auditor's Responsibilities for the Audit of the Financial Statements'* section of our report. We are independent of the Bank in accordance with the 'Code of Ethics' issued by the ICAI and we have fulfilled our other ethical responsibilities in accordance with the Code of Ethics. We believe that the audit evidence we have obtained is sufficient and appropriate to provide a basis for our qualified opinion on the financial statements.

9810054887
vghsrllp@gmail.com | kalravkfca@gmail.com
Rajendra Place | Janakpuri | Gurgaon
Rewari | Ghaziabad | Noida

1. *As stated in schedule 4 and 14 of the financial statements, during the audit it was found in loan accounts viz, Shri Balaji Enterprises(A/c No.- 040700010301), Gurdeep Kaur(A/c No.-012602049901) and Manoj Kumar(A/c No.-013100001301) marked as NPA during the year, the amount of Rs 6,14,377.56/- was booked as Interest Income in Profit and loss account. Accordingly the same has been reduced from Interest Income in the profit and loss account and transferred to Overdue Interest Reserve Account as the software had not reversed the interest income automatically to Interest Memorandum Account.*

2. *As stated in Schedule 2 of the financial statements, during the audit of the FY 2023-24 it was found that under General Reserves Rs 8,84,548.22/- was being transferred from "Clearing Suspense Ledger", these were bank transfers from IDBI bank and same were unclaimed. These should not have been transferred to general reserve instead should be considered as income and transferred to Profit and Loss Account.*

3. *As stated in Schedule 9 of the financial statements, bank has shown* ***"Advance under collection (As per contra)"*** *of Rs 1,83,09,439/- under the head other assets in the balance sheet but the same is in the nature of Contingent Assets as there is no chance of recovery in these accounts as loans are already closed and the property mortgaged against these accounts by the borrower is already monetized by the bank.*

4. *As stated in schedule 17 of the financial statements, Depreciation of Rs 4,86,594/- charged during the year is computed automatically by the software and the same could not be verified as the software does not indicate at which rate the depreciation is charged.*

Information Other than the Financial Statements and Auditor's Report Thereon

The Bank's Board of Directors is responsible for the preparation of the other information. The other information comprises the information included in the Report of Board of Directors including other explanatory information but does not include the financial statements and our auditor's report thereon. The report of the Board of Directors is expected to be made available to us after the date of this auditor's report.

Our opinion on the financial statements does not cover the other information and we do not express any form of assurance conclusion thereon.

In connection with our audit of the financial statements, our responsibility is to read the other information and, in doing so, consider whether the other information is materially inconsistent with the standalone financial statements or our knowledge obtained in the audit or otherwise appears to be materially misstated. If, based on the work we have performed, we conclude that there is a material misstatement of this other information, we are required to report that fact. We have nothing to report in this regard.
When we read the Annual Report, if we conclude that there is a material misstatement therein, we are required to communicate the matter to those Charged with Governance.

Responsibility of Management for the financial statements

The Bank's Board of Directors is responsible for preparation of these financial statements that give a true and fair view of the financial position and the financial performance of the Bank in accordance with the accounting principles generally accepted in India, including the Accounting Standards issued by ICAI, provisions of Banking Regulation Act, 1949 and the Rules made thereunder, provisions of Delhi Cooperative Societies Act, 2003 and the Rules made thereunder and circulars and guidelines issued by RBI from time to time. This responsibility also includes maintenance of adequate accounting records in accordance with the provisions of the aforementioned Acts for safeguarding the assets of the Bank and for preventing and detecting frauds and other irregularities; selection and application of appropriate accounting policies; making judgments and estimates that are reasonable and prudent; and design, implementation and maintenance of adequate internal financial controls, that were operating effectively for ensuring the accuracy and completeness of the accounting records, relevant to the preparation and presentation of the financial statements that give a true and fair view and are free from material misstatement, whether due to fraud or error.

In preparing the financial statements, management is responsible for assessing the Bank's ability to continue as a going concern, disclosing, as applicable, matters related to going concern and using the going concern basis of accounting unless management either intends to liquidate the Bank or to cease operations, or has no realistic alternative but to do so.

The Board of Directors is also responsible for overseeing Bank's Financial Reporting process.

Auditor's responsibility for the Audit of the Financial Statements

Our objectives are to obtain reasonable assurance about whether the financial statements as a whole are free from material misstatement, whether due to fraud or error, and to issue an auditor's report that includes our opinion. Reasonable assurance is a high level of assurance, but is not a guarantee that an audit conducted in accordance with SAs will always detect a material misstatement when it exists. Misstatements can arise from fraud or error and are considered material if, individually or in the aggregate, they could reasonably be expected to influence the economic decisions of users taken on the basis of these financial statements.

As part of an audit in accordance with SAs, we exercise professional judgment and maintain professional skepticism throughout the audit. We also:

- Identify and assess the risks of material misstatement of the financial statements, whether due to fraud or error, design and perform audit procedures responsive to those risks, and obtain audit evidence that is sufficient and appropriate to provide a basis for our opinion. The risk of not detecting a material misstatement resulting from fraud is higher than for one resulting from error, as fraud may involve collusion, forgery, intentional omissions, misrepresentations, or the override of internal control.
- Obtain an understanding of internal control relevant to the audit in order to design audit procedures that are appropriate in the circumstances, but not for the purpose of expressing an opinion on the effectiveness of the Bank's internal control.
- Evaluate the appropriateness of accounting policies used and the reasonableness of accounting estimates and related disclosures made by management.
- Conclude on the appropriateness of management's use of going concern basis of accounting and, based on the audit evidence obtained, whether a material uncertainty exists related to events or conditions that may cast significant doubt on the Bank's ability to continue as a going concern. If we conclude that a material uncertainty exists, we are required to draw attention in our auditor's report to the related disclosures in the financial statements or, if such disclosures are inadequate, to modify our opinion. Our conclusions are based on the audit evidence obtained up to the date of our auditor's report. However, future events or conditions may cause the Bank to cease to continue as a going concern.
- Evaluate the overall presentation, structure and content of the financial statements, including the disclosures, and whether the financial statements represent the underlying transactions and events in a manner that achieves fair presentation.

We communicate with those charged with governance regarding, among other matters, the planned scope and timing of the audit and significant audit findings, including any significant deficiencies in internal control that we identify during our audit.

We also provide those charged with governance with a statement that we have complied with relevant ethical requirements regarding independence, and to communicate with them all relationships and other matters that may reasonably be thought to bear on our independence, and where applicable, related safeguards.

Report on Other Legal & Regulatory Requirements

1. The Balance Sheet and the Profit and Loss Account have been drawn up in accordance with the provisions of Section 29 of the Banking Regulation Act, 1949 and The Delhi State Co-operative Societies Act, 2003 and the rules made there-under.

2. As required by rule 80(6) of Delhi Cooperative Societies Rules, 2007, we report that:
   a) We have obtained all the information and explanations, which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit and have found to be satisfactory;
   b) In our opinion, proper books of account as required by law have been kept by the Bank so far as it appears from our examination of those books and proper returns adequate for the purposes of our audit have been received from the branches/offices;
   c) The transactions of the Bank which came to our notice have been within the powers of the Bank;
   d) The Balance Sheet and the Profit and Loss Account dealt with by this report, are in agreement with the books of account and the returns;
   e) The accounting standards adopted by the Bank are consistent with those laid down by accounting principles generally accepted in India so far as applicable to Banks;
   f) In our opinion and according to information and explanations given to us, we have not noticed any material impropriety or irregularity in the expenditure or in the realization of money due to the bank.
   g) The members have been enrolled as per the provisions of the Act and the rules made thereunder.

3. As per the information and explanations given to us and based on our examination of the books of account and other record, we report as under on certain matters specified in sub-rule (7) of rule 80 of the Delhi Co-operative Societies Rules, 2007:-
   a. We have not come across any transactions which appear to be contrary to the provisions of the Delhi Cooperative Societies Act, 2003, the rules or the bye-laws of the Bank.
   b. We have not come across any material or significant transactions which appear to be contrary to the guidelines issued by the Reserve Bank of India.
   c. Based on our examination of the books of account and other records and as per the information and explanations given to us, the money belonging to the Bank which appears to be bad or doubtful or recovery are detailed below:

Category	Principal outstanding as on March 31, 2025 (Rs. In Lakhs)
Doubtful Advances	1040.99
Loss Advances	820.46
Non-Performing Investments	233.10
Other Assets	Nil

   d. The Bank has not given any loans to the members of the Board of Directors.
   e. We have not observed any violation of guidelines, conditions etc., issued by the Reserve Bank of India.
   f. The Registrar of Cooperative Societies in this regard has not specified any matters to the Bank.

We further report that:

I. the Balance Sheet and the Profit and Loss Account dealt with by this report, are in agreement with the books of account and the returns.
II. in our opinion, proper books of account as required by law have been kept by the Bank so far as appears from our examination of those books.
III. the reports on the accounts of the branches audited by us / branch auditors have been dealt with in preparing our report in the manner considered necessary by us.

For VGHSR & Associates LLP
Chartered Accountants
FRN 007915N/N500393

CA. Harvinder Singh
Designated Partner
DPIN: 09477871
M. No. 405677
UDIN: **25405677BMJKIV6877**
Place: New Delhi
Date: 27th June 2025

RAMGARHIA CO-OPERATIVE BANK LIMITED
1/4, DESH BANDHU GUPTA ROAD, PAHARGANJ, NEW DELHI-110055
BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH, 2025

	Particulars	Schedule No	As At 31st March 2025	As At 31st March 2024
A.	**Capital & Liabilities**			
1	CAPITAL	1	5,69,40,150	5,66,59,550
2	RESERVE & SURPLUS	2	1,49,33,917	1,27,75,646
3	PRINCIPAL / SUBSIDIARY STATE PARTNERSHIP FUND ACCOUNT		-	-
4	DEPOSITS AND OTHER ACCOUNTS	3	90,56,34,303	89,19,93,530
5	BORROWINGS			-
6	OTHER LIABILITY AND PROVISIONS	4	31,19,81,415	31,57,91,948
	TOTAL		**1,28,94,89,785**	**1,27,72,20,674**
B.	**Assets**			
1	CASH AND BALANCES WITH RESERVE BANK OF INDIA	5	1,09,12,259	1,57,49,824
2	BALANCES WITH BANKS AND MONEY AT CALL & SHORT NOTICE	6	17,30,30,992	15,77,24,614
3	INVESTMENTS	7	64,09,89,288	61,89,83,323
4	ADVANCES	8	23,31,39,094	24,78,20,033
5	OTHER ASSETS	9	12,96,62,812	13,47,71,544
6	FIXED ASSETS	10	10,17,55,343	10,21,71,336
7	NON-BANKING ASSETS ACQUIRED IN SATISFACTION OF CLAIMS		-	-
	TOTAL		**1,28,94,89,785**	**1,27,72,20,674**
C.	**CONTINGENT LIABILITIES**	11	65,39,541	1,36,85,844
D.	**Significant Accounting Policies**	12		
E	**Notes on Accounts**	13		
F	**Bills for Collection**		-	-

Significant Accounting Policies and Notes to Accounts are integral & forming part of Financial Statements

As per our report of even date annexed
VGHSR and Associates LLP
Chartered accountnats
Firm Regn No. 007915N/N500393

CA Harvinder Singh
(Designated Partner)
DIN-09477871
M.No 405677

Place : NEW DELHI
Date : 27.06.2025

For Ramgarhia Co operative Bank Limited

Baldev Singh (Director)
Satpal Singh (Director)
Amarjit Singh (Vice-Chairman)
Harvinder Singh (Professional Director)
Daljit Singh (Chief Executive officer)
Ranjeet Kaur (Chairperson)

RAMGARHIA CO-OPERATIVE BANK LIMITED
1/4, DESH BANDHU GUPTA ROAD, PAHARGANJ, NEW DELHI-110055
PROFIT & LOSS ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH, 2025

	Particulars	Schedule No	Amount Year Ended 31st March 2025	Amount Year Ended 31st March 2024
A.	**INCOME**			
1	Interest earned	14	6,30,66,823	6,10,47,910
2	Other Income	15	6,00,461	6,04,310
3	Excess Provision written back			
	(i) On Prov. For Other Assets		4,12,500	-
	(ii) On Standard Assets			
	Total		**6,40,79,784**	**6,16,52,220**
B.	**EXPENDITURE**			
1	Interest expended	16	2,82,70,002	2,93,16,215
2	Operating expenses	17	2,70,25,103	2,36,08,518
3	Provisions and contingencies	18	80,04,950	83,33,168
	Total		**6,33,00,055**	**6,12,57,901**
C.	Net profit/loss (-) for the year		**7,79,729**	**3,94,319**
	Profit/loss (-) brought forward		**(14,37,09,326)**	**(14,41,03,645)**
	TOTAL		**(14,29,29,597)**	**(14,37,09,326)**
D	Appropriations			
	Transfer to Statutory Reserve		-	-
	Transfer to Investment Fluctuation Reserve		-	-
E.	**BALANCE OF PROFIT TRANSFERRED TO BALANCE SHEET**		**(14,29,29,597)**	**(14,37,09,326)**
F.	**Significant Accounting Policies**	12		
G	**Notes on Accounts**	13	-	-

Significant Accounting Policies and Notes to Accounts are integral & forming part of Financial Statements

As per our report of even date annexed
VGHSR and Associates LLP
Chartered accountnats
Firm Regn No. 007915N/N500393

CA Harvinder Singh
(Designated Partner)
DIN-09477871
M.No 405677

Place : NEW DELHI
Date : 27-06-2025

For Ramgarhia Co operative Bank Limited

Baldev Singh (Director)
Satpal Singh (Director)
Amarjit Singh (Vice-Chairman)
Harvinder Singh (Professional Director)
Daljit Singh (Chief Executive officer)
Ranjeet Kaur (Chairperson)

दुनिया की लाखों जिन्दगियां में जहर घोलता अकेलापन

ललित गर्ग

डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट बताती है कि दुनिया की लगभग 16 प्रतिशत आबादी आज किसी न किसी रूप में अकेलेपन, सामाजिक अलगाव या भावनात्मक दूरी का शिकार है। यह स्थिति केवल वृद्धजनों तक सीमित नहीं रही, बल्कि युवाओं, कामकाजी पेशेवरों, और यहां तक कि बच्चों तक फैल चुकी है। डिजिटल युग में जहां सब कुछ 'कनेक्टेड' लगता है, वहीं इंसानी रिश्तों में एक अदृश्य दूरी, कृत्रिमता और आत्मीयता का अभाव देखने को मिल रहा है।

'हर छठा व्यक्ति अकेला है'-यह निष्कर्ष विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की ताजा रिपोर्ट का है, जिसने पूरी दुनिया को चिन्ता में डाला है एवं सोचने पर मजबूर कर दिया है कि आखिर हम कैसी समाज-संरचना कर रहे हैं, जो इंसान को अकेला बना रही है। निश्चित ही बढ़ता अकेलापन कोई साधारण सामाजिक, पारिवारिक एवं व्यक्तिगत समस्या नहीं, बल्कि एक ऐसा वैश्विक मानसिक स्वास्थ्य संकट बनता जा रहा है, जो व्यक्तियों, समाजों, और व्यावसायिक संस्थानों को अंदर ही अंदर खोखला कर रहा है। दुनिया के करोड़ों लोग टूटे रिश्तों व संवादहीनता की स्थितियों में नितांत खामोशी का जीवन जी रहे हैं। गौर करे तो इंसान के भीतर की ये खामोशी लाखों जिंदगियां में महामारी के रूप में जहर घोल रही है। विडंबना यह है कि इस संकट का सबसे ज्यादा शिकार युवा हो रहे हैं। वृद्ध तो पहले से ही सामाजिक एवं पारिवारिक विसंगतियों में उपेक्षित है। निश्चय ही जीवन की विसंगतियां एवं विषमताएं बढ़ी हैं। कई तरह की चुनौतियां सामने हैं। पीढ़ियों के बीच का अंतराल विज्ञान व तकनीक के विस्तार के साथ तेज हुआ है।

डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट बताती है कि दुनिया की लगभग 16 प्रतिशत आबादी आज किसी न किसी रूप में अकेलेपन, सामाजिक अलगाव या भावनात्मक दूरी का शिकार है। यह स्थिति केवल वृद्धजनों तक सीमित नहीं रही, बल्कि युवाओं, कामकाजी पेशेवरों, और यहां तक कि बच्चों तक फैल चुकी है। डिजिटल युग में जहां सब कुछ 'कनेक्टेड' लगता है, वहीं इंसानी रिश्तों में एक अदृश्य दूरी, कृत्रिमता और आत्मीयता का अभाव देखने को मिल रहा है। सोशल मीडिया की आभासी दुनिया में हम जितने अधिक जुड़े हैं, उतने ही भावनात्मक रूप से अकेले हो गए हैं। व्यक्तिवादी सोच, सामाजिक दुष्प्रभाव एवं रिश्तों की बिखरती दीवारों में अकेलेपन का घातक प्रभाव सामाजिक ढांचे पर गहरे रूप में पड़ रहा है। पारिवारिक संबंधों में दरारें, विवाहों में असंतोष, और तलाक की बढ़ती दरें इसकी साफ निशानी हैं। युवा पीढ़ी में अवसाद, आत्महत्या की प्रवृत्ति और नशे की ओर झुकाव एक चिंताजनक ट्रेंड बन गया है। बुजुर्गों में अकेलेपन से उत्पन्न अल्जाइमर, डिमेंशिया और अन्य मानसिक रोग तेजी से बढ़ रहे हैं।

अकेलापन केवल किसी व्यक्ति की व्यक्तिगत कमजोरी नहीं है, बल्कि यह समाज की सामूहिक विफलता का संकेत है। जब हम तकनीक, दौड़ और स्वार्थ में इतने उलझ जाते हैं कि किसी के पास 'सुनने का समय' नहीं रहता, तब अकेलापन जन्म लेता है। अब समय आ गया है कि हम फिर से रिश्तों, संवाद और करुणा की दुनिया की ओर लौटें। अन्यथा अकेलापन, उदासी और असंतुष्टि की भावनाएं कचोटती रहेगी। मानो खुद के होने का एहसास, कोई इच्छा ही ना बची हो। तब छोटी-छोटी चीजों में छिपी खूबसूरती नजर ही नहीं आती। ऐसा प्रतीत होता है कि बहुत से लोग जिंदा हैं, पर जीवित होने के जादुई एहसास को कम ही छू पाते हैं। सोच के भौतिकवादी एवं सुविधावादी होने से हमारी आकांक्षाओं का आसमान ऊंचा हुआ है। लेकिन यथार्थ से साम्य न बैठा पाने से कुंठा, हताशा व अवसाद का विस्तार हो रहा है। जिसके चलते निराशा हमें एकाकीपन या अकेले होने की ओर धकेल देती है। निश्चित ही सोशल मीडिया का क्रांतिकारी ढंग से विस्तार हो रहा है। लेकिन इसकी हकीकत आभासी है, कृत्रिम है, दिखावटी है। हर कोई सोशल मीडिया मंचों पर हजारों मित्र होने का दावा करता है, लेकिन ये मित्र कितने संवेदनशील है? कितने करीब है? इन प्रश्नों का उत्तर नकारात्मक ही है, यथार्थ के जीवन में व्यक्ति बिल्कुल अकेला एवं गुमशुम होता है। आभासी मित्रों का कृत्रिम संवाद हमारी जिंदगी के सवालों का समाधान नहीं दे सकता, अकेलापन दूर नहीं कर सकता। निश्चित रूप से कृत्रिम रिश्ते हमारे वास्तविक रिश्तों के ताने-बाने को मजबूत नहीं कर सकते।

विडंबना यह है कि कृत्रिमताओं के चलते कहीं न कहीं हमारे शब्दों की प्रभावशीलता में भी कमी आई है। जिससे व्यक्ति लगातार एकाकी जीवन की ओर उन्मुख होना जाता है। हमारे संयुक्त परिवारों का बदलता स्वरूप एवं एकल परिवारों का बढ़ता प्रचलन भी इसके मूल में है। पहले घर के बड़े बुजुर्ग किसी झटके या दबाव को सहजता से झेल जाते थे। सब मिल-जुलकर आर्थिक व सामाजिक संकटों का मुकाबला कर लेते थे। लेकिन अब बुजुर्ग एकाकीपन एवं अकेलापन से जूझ रहे है। केरल में इसी तरह के वृद्ध-संकट को महसूस करते हुए वहां की सरकार ने वरिष्ठ नागरिक आयोग बनाया है, जो एक सूझबूझभरा कदम है। आज वृद्धों को अकेलापन, परिवार के सदस्यों द्वारा उपेक्षा, दुर्व्यवहार, तिरस्कार, कटुक्तियां, घर से निकाले जाने का भय या एक छत की तलाश में इधर-उधर भटकने का गम हरदम सालता रहता। वृद्ध समाज इतना कुंठित, अकेला एवं उपेक्षित क्यों है, एक अहम प्रश्न है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार अनेक स्वस्थ्य एवं आदर्श समाज-निर्माण की योजनाओं को आकार देने में जुटी है, उन्हें वृद्धों को अकेलेपन को लेकर भी चिन्तन करते हुए वृद्ध-कल्याण योजनाओं को लागू करना चाहिए, ताकि वृद्धों की प्रतिभा, कौशल एवं अनुभवों का नये भारत-सशक्त भारत के निर्माण में समुचित उपयोग हो सके एवं आजादी के अमृतकाल में अकेलापन एक त्रासदी न बन सके।

कामकाजी परिस्थितियों का लगातार जटिल होना एवं महंगी होती जीवनशैली ने अकेलापन के संकट को गहरा बनाया है। उन परिवारों में यह स्थिति और जटिल है, जहां पति-पत्नी दोनों कामकाजी हैं और बच्चे हॉस्टलों व बोर्डिंग स्कूल में रह रहे हैं। व्यावसायिक क्षेत्रों में भी काम का बोझ इंसानों को अकेला बना रहा है। कार्यालयों और कार्यस्थलों पर भी अकेलापन एक गंभीर चुनौती बन रहा है। कर्मचारी भावनात्मक जुड़ाव की कमी के कारण कार्य में रुचि नहीं लेते। टीम वर्क, इनोवेशन और सहयोग पर इसका नकारात्मक असर पड़ता है। अकेलापन लंबे समय तक बना रहा तो यह बर्नआउट, कार्य से असंतोष और कर्मचारी त्यागपत्र जैसी स्थितियों को जन्म देता है। इससे उत्पादकता में भी गिरावट आती है। मेकिन्से और डेलॉइट जैसी वैश्विक कंसल्टिंग फर्म्स की रिपोर्टें दर्शाती हैं कि अकेलापन कर्मचारियों की उत्पादकता को 15-20 प्रतिशत तक घटा सकता है, जिससे कंपनियों को अरबों डॉलर का नुकसान हो सकता है। अकेलेपन के इस संकट से निपटने के लिए व्यक्तिगत, सामाजिक और संस्थागत स्तर पर सामूहिक प्रयास जरूरी हैं। परिवार, मित्रों और सहयोगियों के साथ समय बिताना ही असली 'समृद्धि' है। कंपनियों और संस्थानों में कर्मचारियों की मानसिक और भावनात्मक स्थिति को समझने वाला नेतृत्व चाहिए। डिजिटल संवाद की जगह आमने-सामने संवाद, 'वर्क फ्रॉम होम' की जगह 'वर्क विद कम्युनिटी' को प्राथमिकता देनी होगी। ऑफिसों और समाज में काउंसलिंग, समूह चर्चा, मेडिटेशन, और योग को प्रोत्साहन दिया जाए। सरकारों को अकेलेपन को एक जनस्वास्थ्य समस्या के रूप में मान्यता देनी चाहिए और सामाजिक समावेश के लिए ठोस कार्यक्रम चलाने चाहिए।

डब्ल्यूएचओ का वह आंकड़ा भी चौंकाता है कि अकेलापन हर साल तकरीबन आठ लाख लोगों की जीवन लीला समाप्त कर रहा है। जो यह दर्शाता है कि व्यक्ति न केवल समाज व अपने कार्यालयी परिवेश से अलग-थलग हुआ है, बल्कि वह परिवार से भी कटा है। पिछले दिनों देश के शीर्ष उद्योगपतियों ने कार्यालयों में काम के घंटे बढ़ाने का आग्रह किया था। एक उद्यमी ने तो यहां तक कहा कि क्या जरूरी है कि घर में रहकर पत्नी का ही चेहरा देखा जाए। यह एक संवेदनहीन एवं बेहूदा प्रतिक्रिया थी। दरअसल, लोगों में यह आम धारणा बलवती हुई है कि जिसके पास पैसा है तो वह सबकुछ कर सकता है। जिसके चलते उसने आस-पड़ोस से लेकर कार्यस्थल पर सीमित पहुंच बनायी है। यही वजह है कि हमारे इर्द-गिर्द की भीड़ और ऑनलाइन जिंदगी के हजारों मित्रों के बावजूद व्यक्ति अकेलेपन को जीने के लिये अभिशप्त है। सही बात ये है कि लोग किसी के कष्ट और मन की पीड़ा के प्रति संवेदनशील व्यवहार नहीं करते। हर तरफ कृत्रिमताओं का बोलबाला है। हमारे मिलने-जुलने वाले त्योहार भी अब दिखावे व कृत्रिम सौगातों की भेंट चढ़ गए हैं। हमें उन कारकों पर मंथन करना होगा, जिनके चलते व्यक्ति निजी जीवन में लगातार अकेला या एकाकी होता जा रहा है। असल में अकेलापन तभी मिटेगा जब हम फिर से इंसान बनेंगे- संवेदनशील, सजीव, संवाद और रिश्तों की गर्माहट से भरे हुए।

संपादकीय

एसआईआर और नागरिकता

बिहार विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले ही निर्वाचन आयोग स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) करवा रहा है। उसका कहना है कि कानून व संविधान के तहत उसे यह अधिकार प्राप्त है कि नागरिकता से जुड़े दस्तावेज मांग सकता है ताकि नागरिकों को उचित मताधिकार मिल सके। विपक्ष का आरोप है, आयोग इसकी आड़ में नागरिकता की जांच कर रहा है। वे इस पर कानूनी व वैधानिक सवाल भी उठा रहे हैं। आयोग ने शीर्ष अदालत को दिए 88 पन्नों के हलफनामे में इस प्रक्रिया के तहत किसी की नागरिकता इस आधार पर न समाप्त करने की बात है कि उसका नाम मतदाता सूची के बाहर हो गया। पहचान के सीमित उद्देश्य के लिए आधार, मतदाता-पत्र व राशन-कार्ड पर विचार करने की बात भी की है। आयोग के आदेशानुसार आठ करोड़ मूल बिहारियों को मतदाता सूची में शामिल रहने के लिए 25 जुलाई तक गणना फॉर्म भर कर जमा करना है जिसकी सूची पहली अगस्त को जारी की जा सकती है। संविधान के अनुच्छेद 325 के अनुसार किसी भी शख्स को केवल धर्म, नस्ल, जाति या लिंग के आधार पर मतदाता सूची से बाहर नहीं किया जा सकता। कानूनन देश का प्रत्येक नागरिक, जो 18 साल या उससे अधिक है, मतदाता के तौर पर पंजीकरण करा सकता है। इसमें सिर्फ गैर-नागरिक को नाम दर्ज कराने के अयोग्य ठहराया गया है। सुप्रीम कोर्ट अपने फैसले में स्पष्ट कर चुका है कि मताधिकार केवल संवैधानिक अधिकार है, मौलिक अधिकार नहीं। मगर भारतीय नागरिक होने के बावजूद उसे शर्त्र पूरी करनी होती है, और आवश्यक दस्तावेज देने होते हैं। आयोग की मंशा पर उंगली उठाने वालों का आरोप है कि गणना फार्म में मांगे गए दस्तावेज में आधार, मतदाता-पत्र व राशन-कार्ड का न शामिल होना संदेह उपजाता है। चूंकि सरकार आधार को केवल पहचान-पत्र मान रही है, इसलिए यह संशय उठा है। यदि जल्द ही आयोग इसमें सुधार कर ले तो शायद इन आरोपों-प्रत्यारोपों से बचा जा सकता है। आयोग को अपनी छवि और स्वायत्तता का विशेष ख्याल रखना होगा। भारत लोकतांत्रिक देश ही नहीं है, दुनिया के समक्ष मताधिकार की ताकत की मिसाल भी पेश करता है। खास मतदाताओं को उनके अधिकार से वंचित करने की किसी राजनीतिक दल की साजिश का हिस्सा बनने से उसे न सिर्फ बचना होगा, बल्कि अपने पूर्ववर्तियों के नक्शे-कदम पर चल कर सख्त रवैया अपनाते हुए लोकतंत्र का रक्षा कवच बनने से भी हिचकिचाना नहीं चाहिए।

चिंतन-मनन

उपयोगी हल

एक बार की बात है एक राजा था। उसका एक बड़ा-सा राज्य था एक दिन उसे देश घूमने का विचार आया और उसने देश भ्रमण की योजना बनाई और घूमने निकल पड़ा। जब वह यात्रा से लौट कर अपने महल आया। उसने अपने मंत्रियों से पैरों में दर्द होने की शिकायत की। राजा का कहना था कि मार्ग में जो कंकड़ पत्थर थे वे मेरे पैरों में चुभ गए, और इसके लिए कुछ इंतजाम करना चाहिए। कुछ देर विचार करने के बाद उसने अपने सैनिकों व मंत्रियों को आदेश दिया कि देश की संपूर्ण सड़कें चमड़े से ढंक दी जाएं। राजा का ऐसा आदेश सुनकर सब सकते में आ गए। लेकिन किसी ने भी मना करने की हिम्मत नहीं दिखाई। यह तो निश्चित ही था कि इस काम के लिए बहुत सारे रुपए की जरूरत थी। लेकिन फिर भी किसी ने कुछ नहीं कहा। कुछ देर बाद राजा के एक बुद्धिमान मंत्री ने एक युक्ति निकाली। उसने राजा के पास जाकर डरते हुए कहा कि मैं आपको एक सुझाव देना चाहता हूँ। अगर आप इतने रुपयों को अनावश्यक रूप से बर्बाद न करना चाहें तो एक अच्छी तरकीब मेरे पास है। जिससे आपका काम भी हो जाएगा और अनावश्यक रुपयों की बर्बादी भी बच जाएगी। राजा आश्चर्यचकित था क्योंकि पहली बार किसी ने उसकी आज्ञा न मानने की बात कही थी। उसने कहा बताओ क्या सुझाव है। मंत्री ने कहा कि पूरे देश की सड़कों को चमड़े से ढंकने के बजाय आप चमड़े के एक टुकड़े का उपयोग कर अपने पैरों को ही क्यों नहीं ढंक लेते। राजा ने अचरज की दृष्टि से मंत्री को देखा और उसके सुझाव को मानते हुए अपने लिए जूता बनवाने का आदेश दे दिया। यह कहानी हमें एक महत्वपूर्ण पाठ सिखाती है कि हमेशा ऐसे हल के बारे में सोचना चाहिए जो ज्यादा उपयोगी हो। जल्दबाजी में अप्रायोगिक हल सोचना बुद्धिमानी नहीं है। दूसरों के साथ बातचीत से भी अच्छे हल निकाले जा सकते हैं।

करोड़ों का सवाल : कौन बनेगा उप-राष्ट्रपति.... नीतीश या कोई ओर...?

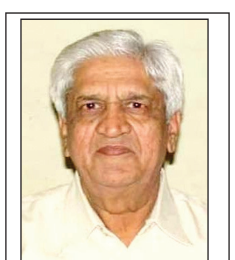

ओमप्रकाश मेहता

श्री जगदीप धनखड़ ने उप-राष्ट्रपति पद से अचानक इस्तीफा क्यों व किसके निर्देश पर दिया? यह सवाल तो अब पुराना हो गया है, बदलते राजनीतिक घटनाक्रम में अब अहम सवाल यह है कि अगला उप- राष्ट्रपति कौन? क्या बिहार के विधानसभा चुनावों की राजनीतिक प्रतिष्ठा के दौर में वहां के मौजूदा मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार को यह पद सौंपा जा सकता है? इस प्रयोग से केन्द्र में सत्तारूढ़ भाजपा को दोहरी राजनीतिक उपलब्धि हो सकती है, एक ओर जहां बिहार के सशक्त नेता का भाजपा प्रवेश दूसरा बिहार में भाजपा की बढ़ती संभावनाएं, वैसे भी पिछले कुछ समय से मोरी और नीतीश के बीच राजनीतिक सौहार्द में अभिवृद्धि जगजाहिर हो रही है, इसलिए दिल्ली से पटना तक चल रहे मौजूदा राजनीतिक घटनाक्रम को पूर्णतः प्रायोजित समझना कतई गलत नहीं होगा और जहां तक जगदीप धनखड़ का सवाल उन्हें तो चंद घण्टों में ही सड़क पर अकेले खड़ा कर दिया गया है, यह मोदी की राजनीतिक कूटनीति का ताजा ज्वलंत उदाहरण है।

वैसे भी इस पूरे राजनीतिक घटनाक्रम को सूक्ष्म नजरों से देखा जाए तो यह परिलक्षित होता है कि भाजपा एक कमजोर पार्टी नहीं कहलाना चाहती थी, पिछले एक साल से प्रधानमंत्री नरेन्द्र भाई मोदी केन्द्र में स्थिरता का आभास कराने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे है और उनके इस प्रयास में जो भी बाधा बनता है, उसे वे अलग-थलग कर देते है, दो न्यायाधीशों के महाभियोग के प्रकरण में चूंकि धनखड़ भी दिलचस्पी दिखा रहे थे, जो मोदी को बिल्कुल पसंद नहीं था, इसलिए यह घटनाक्रम घटित हुआ साथ ही धनखड़ ने राज्यसभा में विधायी कार्यों को नियंत्रित करने का प्रयास भी किया था, जो मोदी जी को पसंद नहीं था और इस कारण से यह पूरा राजनीतिक घटनाक्रम घटित हुआ और धनखड़ को उसका खामियाजा भुगतना पड़ा, नेतृत्व की नाराजी रातों-रात किसी राजनेता का क्या हश्र कर देती है, यह इसका सबसे बड़ा और ताजा उदाहरण है।

हाँ, तो आज का मुख्य बिन्दु कौन बनेगा उप-राष्ट्रपति था, संविधान के नियमानुसार उप- राष्ट्रपति पति के इस्तीफे के बाद साठ दिवस की अवधि में नए उप-राष्ट्रपति का चुनाव होना चाहिए, इसलिए सितम्बर अंत तक नया उप- राष्ट्रपति चुनना मौजूदा नरेन्द्र मोदी सरकार की पहली प्राथमिकता होगी, जिसके लिए प्रयास शुरू हो गए है और अब इस पद के लिए नीतीश कुमार जी का नाम ही सुर्खियों में है, जिनको मूर्तरूप देने के बाद बिहार में भाजपा का दमखम बढ़ सकता है और तीन-चार चुनाव में भाजपा की संभावनाएं बलवती हो सकती है।

....और मोदी के इस प्रयोग से भाजपा और उनकी केन्द्र सरकार दोनों को ही राजनीतिक लाभ हासिल हो सकता है। इस राजनीतिक घटना के तारतम्य में यदि यह कहा जाए कि मोदी जी ने तीन साल बाद होने वाले लोकसभा चुनावों के लिए अपनी जड़े अभी से मजबूत करना शुरू कर दिया है तो कतई गलत नहीं होगा, क्योंकि मोदी के राजनीतिक भविष्य को लेकर अभी से विभिन्न क्षेत्रों में कयासों का दौर शुरू हो गया है, कहा तो यहां तक भी गया कि यदि 75 का बंधन सामने आया तो स्वयं मोदी जी प्रधानमंत्री पद अपने विश्वस्त सहयोगी को सौंप कर स्वयं उप- राष्ट्रपति बन सकते है, लेकिन मौजूदा राजनीतिक दौर में यह कयास राजनीतिक पंड़ितों के गले नहीं उतर रहा है।

....लेकिन यही सही भी है कि मौजूदा राजनीतिक माहौल और उसमें घट रहे राजनीतिक घटनाक्रम मोदी जी के राजनीतिक भविष्य के लिए काफी महत्वपूर्ण सिद्ध हो सकते है, इसलिए उन्हें काफी सूक्ष्म दृष्टि से देखा परखा जा रहा है। अब यह तो भविष्य ही बताएगा कि मोदी जी का 2029 के बाद राजनीति भविष्य क्यों व कैसा होगा?

एंटी एजिंग दवा : फैला है सेवाओं का भ्रमजाल

अमित बैजनाथ गर्ग

हाल में मॉडल-अभिनेत्री शेफाली जरीवाला की कार्डियक अरेस्ट के चलते 42 वर्ष की उम्र में मृत्यु हो गई। उनके कार्डियक अरेस्ट आने की वजह एंटी-एजिंग दवाओं का सेवन भी बताई जा रही है। शेफाली सात-आठ सालों से ये दवाएं ले रही थीं। जिस दिन उनकी मौत हुई उस दिन उनका व्रत था। वह खाली पेट भी इन दवाओं को ले रही थीं। असल में पिछले कुछ सालों में लोगों में उम्र को छिपाने और जवान दिखने का चलन तेजी से बढ़ा है। इसके लिए वे जम कर पैसा बहा रहे हैं।

अगर एंटी-एजिंग दवाओं-सेवाओं के कारोबार की बात की जाए तो यह देश में तेजी से बढ़ रहा है। इसमें कॉस्मेटिक यानी सर्जरी एवं फिलर्स ट्रीटमेंट और दवाइयां, दोनों शामिल हैं। यह बाजार त्वचा की देखभाल, झुर्रियां हटाने और उम्र बढ़ने के लक्षणों को कम करने वाली दवाओं और उत्पादों की बढ़ती मांग से प्रेरित है। एक अनुमान के मुताबिक, 2023 में देश में एंटी-एजिंग दवाओं-सेवाओं का कारोबार करीब 3,500 करोड़ रु पये का था। 2024 में इसका आकार 4,000 करोड़ रुपये से ज्यादा हो गया। 2035 तक इसके 8,000 करोड़ रुपये से ज्यादा होने की उम्मीद है। यह कारोबार 7-8 प्रतिशत की सालाना दर से बढ़ रहा है।

कुछ कंपनियों का दावा है कि यह कारोबार दस साल बाद दस हजार करोड़ रुपये से भी ज्यादा का होगा। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि एंटी-एजिंग दवाओं-सेवाओं का कारोबार कितनी तेजी से पैर पसार रहा है। एक्सपर्ट बताते हैं कि लोगों में जवां दिखने की चाहत तेजी से बढ़ रही है। इनमें 30-50 साल तक की उम्र वाले लोगों की संख्या सबसे अधिक है। देश में एंटी-एजिंग उपचार के लिए कई तरह की दवाएं, इंजेक्शन तथा सर्जरी बाजार में आसानी से उपलब्ध हैं। इस बिजनेस में दखल रखने वाली कई कंपनियों ने अलग-अलग शहरों में अपने क्लिनिक खोल लिए हैं। मार्केट एक्सपर्ट बताते हैं कि एंटी-एजिंग दवाओं-सेवाओं के मौजूदा कारोबार में अंग्रेजी, आयुर्वेदिक और होम्योपैथिक दवाइयां, स्किन संबंधी कॉस्मेटिक प्रॉडक्ट्स, बोटोक्स सर्जरी तथा फिलर्स ट्रीटमेंट के बिजनेस शामिल हैं।

एंटी-एजिंग उपचार वह प्रक्रिया है, जिसमें आपको बढ़ती उम्र में भी जवान दिखाया जाता है। यह त्वचा पर झुर्रियां बढ़ने से रोकने का उपचार है। इसके तहत कॉस्मेटिक, दवाइयां, सर्जरी, इंजेक्शन और कोलेजन सप्लीमेंट्स आते हैं। एंटी-एजिंग उपचार अंग्रेजी के साथ आयुर्वेदिक तरीके से भी करने का दावा किया जाता है। अंग्रेजी कंपनियों के साथ कुछ आयुर्वेदिक और होम्योपैथिक कंपनियों ने भी दवाएं, ब्यूटी प्रॉडक्ट्स और कोलेजन सप्लीमेंट्स बनाने शुरू कर दिए हैं।

कहने का अभिप्राय यह है कि आयुर्वेदिक-होम्योपैथिक कंपनियों की भी अंग्रेजी दवा कंपनियों की तरह इस बाजार पर पूरी नजर है। हालिया कई सर्वे और रिपोर्ट्स बताती हैं कि दुनिया की तरह भारत में भी एक बड़ी आबादी सोशल मीडिया पर विज्ञापन देख कर प्रॉडक्ट्स का जम कर उपयोग कर रही है। कई सेलेब्रिटी हैं, जो टीवी और सोशल मीडिया पर इस तरह की दवाओं का प्रचार कर रहे हैं।

डॉक्टरों का कहना है कि एंटी-एजिंग की कुछ दवाओं में हार्मोन, स्टेरॉयड या अन्य केमिकल्स होते हैं, जो शरीर के नेचुरल सिस्टम से छेड़छाड़ करते हैं। इससे हार्ट और लिवर को नुकसान पहुंच सकता है। हार्मोन बैलेंस भी बिगड़ सकता है। इन दवाओं का लगातार सेवन करना ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल या हार्ट से जुड़ी बीमारियों का कारण भी बन सकता है। कई लोगों की स्किन बहुत ज्यादा संवेदनशील होती है, कुछ को एलर्जी की समस्या भी होती है। डॉक्टरों का कहना है कि हर किसी को किसी भी नए प्रॉडक्ट का उपयोग करने से पहले एक बार डर्मेटोलॉजिस्ट से सलाह ले लेनी चाहिए। कोई भी दवा या सप्लीमेंट डॉक्टर की देखरेख में इस्तेमाल करने से ही उसके सुरक्षित बने रहने के चांस ज्यादा होते हैं।

डॉक्टरों का कहना है कि बिना दवा के भी बढ़ती उम्र में जवान दिखा जा सकता है। इसके लिए, फल एवं हरी सब्जियों का सेवन करें। वे एवाकाडो, ब्ल्यूबेरी, हल्दी, नट्स और सीड्स तथा हरी पत्तेदार सब्जियां खाने की सलाह देते हैं। ये फल-सब्जियां कोलेजन प्रोडक्शन को बढ़ावा देते हैं, जिससे त्वचा टाइट और ग्लोइंग बनी रहती है।

वहीं, पालक-मेथी जैसी हरी सब्जियों में विटामिन-के, आयरन और फोलेट होता है, जो ब्लड सकरलेशन को बेहतर बनाता है। इन सभी को नियमित रूप से डाइट में शामिल करें। इसके साथ हेल्दी लाइफस्टाइल फॉलो करें। रोजाना 30 मिनट व्यायाम करें, पूरी नींद लें, भरपूर मात्रा में पानी पिएं और जंक फूड कम से कम खाएं। सबसे जरूरी बात यह है कि दौड़ती-भागती जिंदगी में तनाव का प्रबंधन करें।

शिरडी के साईं संस्थान को मिला धमकी भरा मेल

शिरडी (एजेंसी)। शिरडी के साईं संस्थान को एक धमकी भरा मेल मिला है। मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी वाला यह मेल भगवंत मान ऐट द रेट यांडेक्स डॉट कॉम नाम के ईमेल आईडी से आया है। शिरडी के साईं संस्थान ने इस मामले की जानकारी पुलिस को दे दी है। पुलिस साइबर विशेषज्ञों की मदद से ईमेल भेजने वाले की तलाश कर रही है। आपको बता दें कि इससे पहले भी शिरडी के साईं संस्थान को फोन करके या ईमेल भेजकर धमकी देने के मामले सामने आ चुके हैं। हर बार धमकी मिलने पर पुलिस तुरंत जांच शुरू कर देती है। धमकी भेजने वाले की तलाश की जाती है और उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाती है। शिरडी के साईं मंदिर में हर दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं। साईं बाबा के दर्शन करने के लिए भारी भीड़ उमड़ती है। इसी वजह से मंदिर में जगह-जगह सीसीटीवी कैमरे काम कर रहे हैं। साथ ही, मंदिर में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था है। मगर आए दिन धमकी भरे मेल आ रहे हैं जो चिंता का विषय बन गया है।

धर्मांतरण मामले में तीन और गिरफ्तार, अब तक 14 आरोपी हिरासत में

आगरा (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के आगरा जिले में अवैध धर्मांतरण से जुड़े एक मामले में पुलिस ने तीन और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। अवैध धर्मांतरण का यह मामला इसी साल मई में दर्ज हुआ था और अब तक इस केस में गिरफ्तार किए गए आरोपियों की कुल संख्या 14 हो गई है। पुलिस द्वारा जारी आधिकारिक बयान में बताया गया है, कि पुलिस द्वारा यह कार्रवाई भारतीय न्याय संहिता और उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम, 2021 की धाराओं के तहत दर्ज मामले की जांच के तहत की गई है। गिरफ्तार किए गए तीनों आरोपियों की पहचान जुनैद कुरैशी (30), अब्दुल्ला (20) और अब्दुल रहीम (27) के तौर पर हुई है। पुलिस के मुताबिक, ये तीनों आरोपी उत्तर-पूर्वी दिल्ली के निवासी हैं और उन्हें बुधवार को आगरा के आईएसबीटी क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। पुलिस बयान में यह भी बताया गया, कि इन तीनों के नाम पहले से गिरफ्तार संदिग्धों से हुई पूछताछ के दौरान सामने आए थे। बताते चलें कि धर्मांतरण मामले की जांच लगातार जारी है, और पुलिस का कहना है कि जरूरत पड़ने पर और भी गिरफ्तारियां हो सकती हैं।

ओडिशा में आग के हवाले की गई लड़की की हालत अब भी गंभीर, दिल्ली एम्स में सर्जरी हुई

पुरी (एजेंसी)। पुरी जिले में आग के हवाले की गई 16 वर्षीय लड़की की हालत गंभीर बनी हुई है। उसका दिल्ली अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में उपचार चल रहा है। एम्स दिल्ली ने बताया कि गंभीर रूप से झुलसे हुए हिस्से के इलाज के लिए लड़की की सर्जरी की गई है। बयान में कहा गया है, वह फिलहाल ऑक्सीजन सपोर्ट पर है और उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। डॉक्टरों की एक विशेष टीम उसकी हालत पर कड़ी नजर रख रही है। लड़की को एम्स भुवनेश्वर से विमान से 20 जुलाई को एम्स दिल्ली के बर्न्स एवं प्लास्टिक सर्जरी विभाग में भर्ती किया गया था। पुलिस ने बताया कि शनिवार को बाइक सवार तीन युवकों ने लड़की को रोक लिया और लड़की को भार्गवी नदी के किनारे जबरन ले गए, उस पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा दी। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने मामले पर कहा कि देश को अपने सबसे कमजोर लोगों की रक्षा के लिए कदम उठाने चाहिए। इस स्थिति को शर्मनाक बताकर अदालत ने कहा कि स्कूली छात्राओं, गृहणियों और ग्रामीण बच्चों को सशक्त बनाने के लिए तत्काल और दीर्घकालिक दोनों तरह के कदम उठाने की आवश्यकता है।

जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा में आतंकी मददगारों का भंडाफोड़, भारी मात्रा में हथियार बरामद

जम्मू (एजेंसी)। उत्तरी कश्मीर के बांदीपोरा जिले में सुरक्षा बलों को एक बड़ी सफलता मिली है। चिट्टी-बांदी इलाके में चलाए गए नाका जांच अभियान के दौरान तीन आतंकवादी सहयोगियों को गिरफ्तार किया गया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने जानकारी दी है कि सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम ने नाके पर चेकिंग के दौरान संदिग्ध गतिविधियों के चलते तीन व्यक्तियों को रोका। तलाशी के दौरान उनके पास से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद हुआ, जिसके बाद तीनों को तत्काल हिरासत में ले लिया गया। अधिकारियों के अनुसार, प्राथमिक जांच में सामने आया कि ये तीनों स्थानीय आतंकियों के लिए लॉजिस्टिक और गोपनीय सहायता का काम करते थे। पुलिस ने तीनों के खिलाफ आतंकवाद से संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया और उनसे पूछताछ जारी है। सूत्रों के हवाले से बताया जा रहा है, कि इस कार्रवाई से एक सक्रिय आतंकवादी नेटवर्क से जुड़े कई अहम सुराग मिलने की उम्मीद जागी हैं। इसी के साथ सुरक्षा एजेंसियों ने इलाके में तलाशी अभियान और तेज कर दिया है। इस सफलता को क्षेत्र में आतंकवाद के खिलाफ चलाए गए अभियान और सुरक्षाबलों के प्रयासों में एक बड़ी कामयाबी के रूप में देखा जा रहा है।

टेक-ऑफ से पहले विमान में आई तकनीकी खराबी, एयर इंडिया ने दूसरे विमान से यात्रियों को भेजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली से मुंबई जा रही एयर इंडिया की एक उड़ान को बुधवार शाम टेक-ऑफ से पहले तकनीकी खराबी के चलते रद्द कर दिया गया। विमान में 160 यात्री सवार थे, जिन्हें बाद में वैकल्पिक विमान से गंतव्य के लिए रवाना किया गया। एयर इंडिया की ओर से जारी बयान में कहा गया कि विमान के कॉकपिट में गति मापदंडों को दिखाने वाली स्क्रीन में गड़बड़ी पाई गई, जिसके बाद पायलट ने सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उड़ान रद्द करने का निर्णय लिया। यह घटना दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हुई। एयरलाइन के प्रवक्ता ने बताया कि सभी यात्रियों को सुरक्षित विमान से उतारा गया और उन्हें दूसरे विमान में बैठाकर मुंबई भेजा गया। उन्होंने इस असुविधा के लिए खेद भी व्यक्त किया। एयर इंडिया ने भरोसा दिलाया है कि तकनीकी खामियों से निपटने के लिए उचित जांच की जा रही है और यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है।

प्रियंका गांधी वाड्रा का आरोप, सदन के अंदर विपक्षी नेताओं को बोलने नहीं दिया जाता

बीजेपी का पलटवार, अराजकता फैलाना कांग्रेस की आदत बन गई

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे को लेकर राजनीति थम नहीं रही है। इस मुद्दे पर कांग्रेस सांसद और महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा का बयान सामने आया है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब भी विपक्षी नेता सदन में बोलना चाहते हैं, उन्हें बोलने नहीं दिया जाता है।

कांग्रेस सांसद प्रियंका ने संसद परिसर में मीडिया से बातकर मोदी सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। प्रियंका गांधी ने कहा, जब भी विपक्षी दल के नेता बोलना चाहते हैं, उन्हें बोलने नहीं दिया जाता। हम चर्चा की मांग करते रहे हैं और उन्हें हमारी मांग पर सहमत होना चाहिए। पिछले सत्र में मुझे यह देखकर आश्चर्य हुआ था कि व्यवधान सत्ता पक्ष की ओर से शुरू होता है। वे कोई विषय चुनते थे, ताकि हम उस पर प्रतिक्रिया दें। फिर हंगामा होता है और फिर हमेशा की तरह सदन स्थगित हो जाता था। यह उनके लिए बिल्कुल सही है।

यह पहली बार नहीं है जब किसी विपक्षी नेता ने मोदी सरकार पर सदन में नहीं बोलने देने का आरोप लगाया है। इससे पहले, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि मैं विपक्ष का नेता हूं, लेकिन मुझे बोलने नहीं दिया जा रहा है।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा था, सवाल ये है कि जो सदन में रक्षा मंत्री को बोलने देते हैं, उनके (सरकार) लोगों को बोलने देते हैं, लेकिन अगर विपक्ष का कोई नेता कुछ कहना चाहता है तब अनुमति नहीं दी जाती है। मैं विपक्ष का नेता हूं, मेरा हक है, तब मुझे कभी बोलने ही नहीं देते हैं। ये एक नया एप्रोच है।

हालांकि, विपक्षी नेताओं के आरोपों पर भाजपा नेताओं ने पलटवार किया था। भाजपा सांसद जगदंबिका पाल ने कहा था कि विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं है। वे बस सदन की कार्रवाई को बाधित करना चाहती है। सत्र के दौरान अराजकता फैलाना कांग्रेस की आदत बन गई है।

मतदाता सूची में नाम हटने पर फिर से जुड़वाने का मौका, चुनाव आयोग का ऐलान

पटना (एजेंसी)। बिहार में मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) को लेकर उठ रहे राजनीतिक विवाद के बीच चुनाव आयोग ने गुरुवार को एक अहम स्पष्टिकरण जारी किया है। आयोग ने कहा है कि यदि किसी वैध मतदाता का नाम गलती से हट गया है, तो वह 1 अगस्त से 1 सितंबर के बीच में जरूरी दस्तावेजों के साथ अपना नाम दोबारा जुड़वा सकता है। दरअसल चुनाव आयोग ने साफ किया है, कि एसआईआर प्रक्रिया का उद्देश्य मतदाता सूची को सटीक और अद्यतन बनाना है, न कि किसी समुदाय या समूह को निशाना बनाना। आयोग के अनुसार, यदि तकनीकी कारणों या दस्तावेजों की कमी के चलते कोई वैध नाम सूची से कट गया हो, तो मतदाता या राजनीतिक दल निर्धारित समय सीमा में फॉर्म भरकर पुनः नाम जुड़वाने का आवेदन कर सकते हैं। इसके साथ ही आयोग ने यह भी कहा कि अगर किसी अवैध मतदाता का नाम सूची में पाया जाता है, तो प्रमाण मिलने पर उसे तुरंत हटाया जाएगा। आयोग ने अपने आदेश में इस पूरी प्रक्रिया को एक नियमित प्रशासनिक अभ्यास करार दिया।

विपक्ष का आरोप – इस मुद्दे पर राजनीतिक विवाद भी गर्माया हुआ है। राजद, कांग्रेस और वामपंथी दलों ने आरोप लगाया है कि एसआईआर के नाम पर अल्पसंख्यक, दलित और गरीब तबकों के नाम मतदाता सूची से जानबूझकर हटाए जा रहे हैं। तेजस्वी यादव ने इसे जनतंत्र पर हमला बताते हुए चुनाव का बहिष्कार करने तक की चेतावनी दे दी है। विपक्षी नेताओं का कहना है कि आयोग का यह बयान विरोध के दबाव में दिया गया है, जबकि सत्तारूढ़ एनडीए इस सफाई को पारदर्शिता की पहल बता रहा है।

शौचालय कर्मचारी को पीटा कहा- मराठी बोल नहीं तो राज ठाकरे से माफी मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। नांदेड़, (ईएमएस)। मराठी भाषा बोलने को मजबूर कर रहे महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के कार्यकर्ताओं ने एक बार फिर मारपीट की है। राज ठाकरे की मनसे के कार्यकर्ताओं ने एक पब्लिक शौचालय कर्मचारी को केवल इसलिए पीटा क्योंकि उसने मराठी में बात करने से इनकार कर दिया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिसमें मनसे कार्यकर्ता कर्मचारी को थप्पड़ मारते और राज ठाकरे और मराठी समुदाय से माफी मांगने के लिए मजबूर करते नजर आ रहे हैं।

यह घटना नांदेड़ के केंद्रीय बस स्टैंड पर स्थित एक सार्वजनिक शौचालय में हुई। एक मराठी भाषी व्यक्ति ने शौचालय कर्मचारी पर आरोप लगाया कि वह महिलाओं से शौचालय इस्तेमाल के लिए 5 रुपये वसूल रहा है। इस दौरान उसने कर्मचारी से मराठी में बात करने को कहा, लेकिन कर्मचारी ने गुस्से में जवाब दिया, मैं मराठी में नहीं बोलूंगा, तुम क्या कर लोगे? जब उसने शौचालय के कर्मचारी से नाम पूछा, तो कर्मचारी ने टालमटोल करते हुए कहा, तू क्या बड़ा नेता है? इसके बाद व्यक्ति ने कर्मचारी से मराठी में बात करने को कहा, जिस पर कर्मचारी ने जवाब दिया, नहीं बोलूंगा, क्या कर लोगे? इस जवाब को अपमानजनक मानते हुए मराठी व्यक्ति ने इस बातचीत का वीडियो बनाया और इसे मनसे कार्यकर्ताओं को भेज दिया।

अगले दिन, मनसे के कार्यकर्ता, जिन्होंने अपने गले में पार्टी के प्रतीक और नाम वाले स्कार्फ पहने थे, शौचालय पहुंचे। वायरल वीडियो में दिख रहा है कि कार्यकर्ताओं ने कर्मचारी को घेर लिया और उसे थप्पड़ मारे। एक कार्यकर्ता को यह कहते सुना गया, तू महिलाओं का अपमान कर रहा है? मराठी बोलेगा या नहीं? मराठी आती है तुझे? जब कर्मचारी ने कहा कि उसे मराठी नहीं आती, तो कार्यकर्ताओं ने कहा, अगर तूने कहा होता कि तुझे मराठी नहीं आती और तू सीख रहा है, तो क्या हम यहां होते? इसके बाद कर्मचारी को जबरन मराठी में माफी मांगने के लिए मजबूर किया गया। उसे अपने कान पकड़कर कहना पड़ा, मैं मराठी लोगों और राज ठाकरे से माफी मांगता हूं। मैं ऐसी गलती दोबारा नहीं करूंगा। यह मामला उस वक्त और गंभीर हो गया जब हमले से पहले के वीडियो में वही व्यक्ति बस अड्डे के टिकट काउंटर पर जाकर कर्मचारियों से पूछता है कि महिलाओं के लिए शौचालय मुफ्त क्यों नहीं है। वह कहता है कि यह वीडियो वह राज ठाकरे के लोगों को दिखाएगा।

देश को 23 साल बाद मिली नई सहकारिता नीति, अमित शाह बोले- 2047 तक भारत बनेगा विकसित

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को एक नई राष्ट्रीय सहकारी नीति का अनावरण किया, जो पिछले 23 वर्षों से लागू एक नीति का स्थान लेगी। यह उस विभाग के लिए एक और मील का पत्थर साबित होगी जिसकी भूमिका नरेंद्र मोदी सरकार के तहत लगातार बढ़ रही है। सहकारिता मंत्रालय द्वारा जारी बयान के अनुसार, नई नीति देश में सहकारिता को मजबूत करने के केंद्र के उद्देश्य का हिस्सा है और 2025-45 तक यानी अगले दो दशकों के लिए भारत के सहकारिता आंदोलन में एक मील का पत्थर साबित होगी।

अमित शाह ने कहा कि आज राष्ट्रीय सहकारिता नीति-2025 का शुभारंभ हुआ है। 2002 में, भारत सरकार ने सहकारिता नीति पेश की थी। उस समय भाजपा की सरकार थी। और आज, 2025 में, भाजपा सरकार द्वारा दूसरी सहकारिता नीति लाई गई है। उन्होंने कहा कि सरकार का दृष्टिकोण, जो भारत को, उसके विकास को, और भारत के विकास के लिए आवश्यक सभी कारकों को समझता है, वही सहकारी क्षेत्र को महत्व दे सकता है...यदि देश और अर्थव्यवस्था की मूल इकाई समृद्ध, रोजगारयुक्त और संतुष्ट है, तो वह आर्थिक मॉडल कभी विफल नहीं हो सकता।

शाह ने जोर देकर कहा कि सहकारिता नीति बनाते समय इस बात का ध्यान रखा गया कि नीति का केंद्रबिंदु लोग, गाँव, कृषि, गाँव की महिलाएँ, दलित, आदिवासी हों। एक वाक्य में कहें तो इसका विज़न सहकारिता की समृद्धि के माध्यम से 2047 तक एक विकसित भारत का निर्माण करना है। इसका मिशन पेशेवर, पारदर्शी, तकनीकी, ज़िम्मेदार और आर्थिक रूप से स्वतंत्र तथा सफल लघु सहकारी इकाइयाँ विकसित करना है। हम हर गाँव में कम से कम एक सहकारी संस्था के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रहे हैं।

शाह ने कहा कि मोदी सरकार ने 2027 में भारत को विश्व के तीसरे नंबर का अर्थतंत्र बनाने का लक्ष्य रखा है और मुझे पूर्ण विश्वास है कि हम इस लक्ष्य तक जरुर पहुंच जाएंगे। सबका सामूहिकता के साथ विकास हो, सबका समविकास हो और सबके विकास के माध्यम से देश का विकास हो- ऐसा मॉडल बनाना भारत का और भाजपा का मूल विचार है। इसलिए मोदी जी ने सहकारिता मंत्रालय बनाया। उन्होंने कहा कि विगत 4 वर्षों में सहकारिता मंत्रालय की अनेक उपलब्धियां रही, मगर इसकी सबसे बड़ी उपलब्धि है कि आज देश की छोटी से छोटी सहकारी इकाई का सदस्य गर्व के साथ खड़ा हो गया है।

गृह मंत्री ने कहा कि चार वर्षों के अंदर %कोआपरेटिव सेक्टर% ने %कॉर्पोरेट सेक्टर% के समान अधिकार मिले हैं। एक जमाने में अर्थतंत्र के जानकारों ने सहकारिता को डायिंग सेक्टर घोषित कर दिया था। आज वही लोग कहते हैं कि सहकारिता का भी फ्यूचर है। लेकिन मैं सभी को कहना चाहता हूँ कि सहकारिता का भी फ्यूचर है नहीं, सहकारिता का ही फ्यूचर है। उन्होंने कहा कि देश के 140 करोड़ लोगों को साथ लेकर देश का समविकास करने की क्षमता केवल सहकारिता में ही है। छोटी-छोटी पूंजी वाले अनेक लोगों को मिलाकर बड़ी पूंजी बनाकर एक उद्यम स्थापित करने की क्षमता केवल सहकारिता में है। सहकारी नीति बनाते समय यह ध्यान में रखा गया कि नीति का केंद्र-बिंदु व्यक्ति हो... हमारे किसान, दलित और महिलाएं हो।

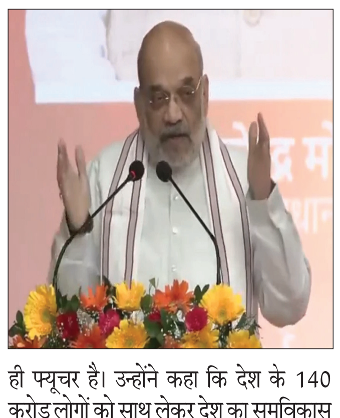

हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश के कारण दो नेशनल हाईवे सहित कुल 385 सड़कें बंद

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश के कारण लैंडस्लाइड से दो नेशनल हाईवे सहित कुल 385 सड़कें बंद हैं। राज्य में 22 जून को मानसून की शुरुआत के बाद से, अब तक 137 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 34 लापता हैं। इस दौरान 1382 करोड़ रुपए की सरकारी और निजी संपत्ति भी नष्ट हो चुकी है। उधर हरियाणा में अलग-अलग जगहों पर नहरों में चार लाशें मिलीं। दिल्ली-एनसीआर में बीते दिन लगातार बारिश से सड़कों पर तीन फीट तक पानी भर गया। नोएडा में 5 किलोमीटर लंबा जाम लग गया। नेपाल में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण बिहार में कोसी नदी का जलस्तर बढ़ गया है। देर रात कोसी बराज के 26 गेट खोले गए और करीब 1.73 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया।

धनखड़ का इस्तीफा: विपक्ष तलाश रहा अपनी संभावनाएं, पर एकजुट नहीं हो पा रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। भाजपा के विरोधी दल जगदीप धनखड़ के इस्तीफे को अपना हथियार बनाना चाहते हैं। इसके लिए कुछ दलों ने आपस में बात भी की लेकिन सभी दलों में सहमति नहीं बन पा रही है। कांग्रेस समेत तमाम विपक्षी पार्टियां इस घटनाक्रम को केंद्र सरकार पर हमला करने के मौके के तौर पर देख रही हैं। विपक्ष पहले जहां धनखड़ को 'सरकार की कठपुतली' कहता था, अब वही विपक्ष उन्हें 'संविधान के रक्षक' की तरह प्रस्तुत करने की कोशिश कर रहा है। कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) और समाजवादी पार्टी (सपा) ने उनके अचानक इस्तीफे पर सवाल खड़े किए हैं। अटकलें हैं कि कहीं उन्हें जबरन इस्तीफा तो नहीं देना पड़ा?

टीएमसी तो धनखड़ के खिलाफ महाभियोग लाने को तैयार थी, लेकिन दो कांग्रेस सांसदों के दस्तखत दोहराव की वजह से प्रस्ताव ही खारिज हो गया। तृणमूल सूत्रों का दावा है कि यह सब जानबूझकर किया गया ताकि धनखड़ को बचाया जा सके। टीएमसी इस बात से खासा नाराज़ है और कांग्रेस पर अविश्वास जता रही है। सूत्रों के मुताबिक, इस पूरे प्रकरण में कई राज दफ़्न हैं, जो अब धीरे-धीरे उजागर हो सकते हैं। सबसे दिलचस्प बात यह है कि मंगलवार को दिल्ली में विपक्षी गठबंधन इंडिया की बैठक हुई, लेकिन इसमें तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने हिस्सा नहीं लिया, जबकि उनके सांसद दिल्ली में ही मौजूद थे। इसका सीधा कारण धनखड़ के प्रति तृणमूल की पुरानी नाराज़गी बताई जा रही है।

उधर खबर है कि कांग्रेस दो महाभियोग प्रस्ताव लाना चाहती थी- एक जस्टिस वर्मा के खिलाफ और दूसरा जस्टिस यादव के खिलाफ। धनखड़ ने पार्टी नेताओं को भरोसा दिलाया था कि वे इस पर गौर करेंगे, लेकिन कोई ठोस आश्वासन नहीं दिया था। सूत्रों के अनुसार, सरकार को खड़गे और केजरीवाल की मुलाकातों से खास चिंता नहीं थी, लेकिन जब धनखड़ ने दोहरी महाभियोग प्रक्रिया में दिलचस्पी दिखाई, तो सरकार सतर्क हो गई। दरअसल, एनडीए की योजना लोकसभा और राज्यसभा दोनों में एक साथ वोटिंग कराने की थी। जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग को भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी लड़ाई के तौर पर पेश किया जा रहा था, जिसका क्रेडिट सरकार विपक्ष को नहीं देना चाहती थी।

हालांकि कांग्रेस, आरजेडी, एसपी और टीएमसी का रुख इस मुद्दे पर एकजुट दिखाई दे रहा है, लेकिन तृणमूल कांग्रेस अभी भी कांग्रेस से नाराज़ है। उसका मानना है कि कांग्रेस ने जानबूझकर महाभियोग प्रस्ताव को फेल कराया और उस व्यक्ति के साथ खड़ी हो गई जिसे वह सालों से 'सरकारी आदमी' कहती रही।धनखड़ के इस्तीफे पर कांग्रेस ने तुरंत प्रतिक्रिया दी। जयराम रमेश, प्रियंका चतुर्वेदी और तेजस्वी यादव जैसे विपक्षी नेताओं ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। विपक्ष का मानना है कि धनखड़ सरकार के मुकाबले 'छोटे दुश्मन' हैं, असली निशाना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं। कांग्रेस का मक़सद यह साबित करना है कि बीजेपी अपने भीतर किसी तरह की असहमति बर्दाश्त नहीं करती। पार्टी पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक का उदाहरण देकर इसे साबित करने की कोशिश कर रही है।

कांग्रेस की रणनीति साफ है। वह चाहती है कि अगर धनखड़ अब सरकार के खिलाफ कुछ बोलते हैं, तो विपक्ष को एक बड़ा हथियार मिल सकता है। हालांकि, सूत्रों का कहना है कि सरकार भी इस चाल को समझ चुकी है और उसने इसका जवाब देने की पूरी तैयारी कर ली है। भारत ने दोहराया कि जम्मू-कश्मीर देश का अभिन्न अंग है और इसकी संप्रभुता पर सवाल उठाने का कोई भी प्रयास अस्वीकार्य है।

बिहार के मौलवी का लड़का मेरठ के मंदिर में कृष्ण बनकर पूजा पाठ कर रहा

-ग्रामीणों के शक होने पर हुआ खुलासा

मेरठ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मेरठ से हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जहां बिहार के एक मौलवी का बेटा मोहम्मद कासिम एक साल तक अपनी पहचान छिपाकर मंदिर में कृष्ण बनकर रह रहा था और पूजा-पाठ कर रहा था। लेकिन अब कासिम को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

मेरठ के दादरी गांव में स्थित एक प्राचीन शिव मंदिर में बीते एक साल से कोई पुजारी नहीं था। करीब एक साल पहले एक युवक गांव में आया और खुद को कृष्ण पुत्र संतोष, निवासी दिल्ली बताकर मंदिर में रहने और पूजा करने की अनुमति मांगी। ग्रामीणों ने कासिम उर्फ कृष्ण को अनुमति दे दी, क्योंकि मंदिर की देखरेख करने वाला कोई नहीं था। इसके बाद आरोपी कासिम मंदिर में रहकर पूजा-पाठ करने लगा और ग्रामीणों का विश्वास भी जीत लिया। वह सुबह-शाम पूजा करता, प्रसाद बांटता और हवन जैसे धार्मिक कार्यों में सक्रिय रूप से हिस्सा लेता था। वह हस्तरेखा और ज्योतिष से जुड़ी बातें भी करता था, जिससे ग्रामीण कासिम को एक धर्मगुरु की तरह मानने लगे थे।

लेकिन कुछ समय बाद, ग्रामीणों को उसकी भाषा, व्यवहार और व्यक्तित्व में कुछ अंतर महसूस होने लगा। जब उन्होंने कासिम से पहचान पत्र मांगा, तब वह टालमटोल करने लगा और आधार कार्ड लाने के बहाने 15 दिनों के लिए गायब हो गया, इससे बात से ग्रामीणों का शक और गहरा गया। लेकिन इसके कुछ दिनों बाद वह फिर से मंदिर में आकर रहने लगा। हाल ही में, जब मंदिर में भंडारे का आयोजन हुआ तब कासिम मंदिर के एक कमरे से कुछ सामान निकालने लगा। तभी मौजूद कुछ ग्रामीणों ने कासिम को रोकर पूछताछ शुरू कर दी। इसके बाद कासिम की बात पर ग्रामीणों का संदेह बढ़ गया। यह देखकर ग्रामीणों ने बिना देरी किए पुलिस को बुला लिया।

ग्रामीणों के कहने पर पुलिस मौके पर पहुंची और सख्ती से पूछताछ करने पर युवक ने अपना नाम मोहम्मद कासिम बताया। इतना ही नहीं कासिम ने स्वीकार किया कि वह मूल रूप से बिहार का रहने वाला है और उसके पिता का नाम अब्बास है, जो बिहार में मौलवी हैं। एसपी सिटी मेरठ आयुष विक्रम सिंह ने बताया कि कासिम ने अपना नाम बदलकर कृष्ण रख लिया था और मंदिर में पूजा-पाठ के नाम पर दान-दक्षिणा भी एकत्र कर रहा था। पुलिस के अनुसार, वह दान की गई राशि का व्यक्तिगत उपयोग भी कर रहा था। पुलिस ने कासिम के खिलाफ धार्मिक पहचान छिपाकर आस्था से खिलवाड़ करने और दान की गई राशि के गलत इस्तेमाल के आरोप में संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार किया है।

इतना ही नहीं पुलिस ने आरोपी के दावों की पुष्टि के लिए बिहार पुलिस से संपर्क साधा है और उसके निवास की जांच कराई जा रही है। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि क्या यह कोई सुनियोजित साजिश थी या केवल व्यक्तिगत लाभ के लिए की गई धोखाधड़ी।

चीन और वियतनाम में तबाही मचाने के बाद अब भारत पहुंच रहा तूफान विफा...क्यों होगा असर

नई दिल्ली (एजेंसी)। वर्तमान में देश में जोरदार मानसून का मौसम है, जो तीखी गर्मी से राहत दिला रहा है लेकिन दुनिया के कई हिस्सों में इसके चलते ऐसी तबाही मची हुई है कि तस्वीरें देखकर आप दंग रह जाएंगे। खासतौर पर जिन देशों को छूकर विफा तूफान गुजरा है, वहां अलग ही तबाही का मंजर दिखा रहा हैं। 20 से 23 जुलाई तक तूफान ने अपना विकराल रूप दिखाया है और अब ये बंगाल की खाड़ी की ओर बढ़ रहा है।

तूफान विफा ने दक्षिण-पूर्व एशिया में भारी तबाही मचाई, जिसने कई देशों को प्रभावित कर अब ये कमजोर होकर बंगाल की खाड़ी की तरफ आ रहा है। 18 जुलाई को ये तूफा पश्चिमी प्रशांत महासागर में बना। तूफा ने अपनी तीव्र गति और भारी बारिश के लिए जाना जा रहा है।

विफा ने 20 जुलाई को लुज़ोन द्वीप के पास 120 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से प्रवेश किया। तब तक ये कैटेगरी-1 के तूफानों में शामिल था, यहां इस क्रिसिंग नाम दिया गया। तूफान ने भारी बारिश और भूस्खलन से कैगायन वैली और बिकोल क्षेत्रों में तबाही मचाई। तूफान की वजह से 5 लोगों की मौत, 7 लापता और 50,000 से अधिक लोग विस्थापित हुए। तूफान से करीब 400 सड़कें और 30 पुल क्षतिग्रस्त हुए। हालांकि साल 2013 के टाइफून हैयान की तुलना में विफा कम शक्तिशाली था, लेकिन इसकी बारिश और भूस्खलन ने स्थानीय समुदायों को गहरा नुकसान पहुंचाया।

इसके बाद 21 जुलाई को विफा ने हॉन्ग कॉन्ग और ग्वांगडोंग में 167 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से लैंडफॉल किया। तब ज़ुहाई और ग्वांगडोंग में 471 पेड़ उखड़े, 400 से ज्यादा उड़ानें रद्द हुईं और 26 लोग घायल हो गए। 3 घंटे में 110 मिलीमीटर की बारिश दर्ज की गई। इतना ही नहीं हांगकांग और मकाऊ में सार्वजनिक परिवहन पूरी तरह से ठप हो गया। साल 2024 के टाइफून यागी की तुलना में विफा कम तीव्र था, लेकिन इसकी तेज हवाओं ने तटीय क्षेत्रों में भारी नुकसान किया।

इसके बाद 22 जुलाई को हानोई और हंग येन में विफा पहुंचा, तब इसकी रफ्तार थोड़ी कम हो चुकी थी। इस दौरान 102 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से विफा ने लैंडफॉल किया। इस दौरान 500 मिलीमीटर तक बारिश हुई और बाढ़ के चलते सड़कों, स्कूलों और खेतों को नुकसान पहुंचा।

23 जुलाई के बाद विफा अब कमजोर होकर बंगाल की खाड़ी में एक नया मानसूनी सिस्टम बना सकता है। यह पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश में भारी बारिश ला सकता है। हालांकि इससे ज्यादा कोई असर भारत में इस तूफान का नहीं होगा क्योंकि अब इसकी ताकत कम हो चुकी है।

जिंदगी जितनी ज्यादा व्यवस्थित हो, आप उतने ज्यादा हेल्दी रहते हैं। जिस तरह आपने अपने सोने, जागने और रोजमर्रा के दूसरे कामों के लिए समय तय किया है, उसी तरह आपको अपने खानपान का भी समय निश्चित करना चाहिए। कुछ लोगों की आदत होती है कि वो अपने काम को इतना महत्व देते हैं कि काम के चक्कर में कभी जल्दी खाना खा लेते हैं, तो कभी बहुत देर में खाते हैं। आपकी इस आदत का आपके शरीर और सेहत पर बुरा असर पड़ता है।

दरअसल हम सभी के शरीर में एक प्राकृतिक घड़ी मौजूद है, जिसे सर्केडियन रिद्म कहते हैं। ये सर्केडिकन हमारे साइकोलॉजिकल सिस्टम के साथ कनेक्ट होती है और हमारी दिनभर की गतिविधियों के अनुसार शरीर के फंक्शन्स को कंट्रोल करती है। जैसे- आपके रोजाना सोने-जागने और खाने के समय के अनुसार ये हार्मोन्स के रिलीज होने और मेटाबॉलिक सिस्टम को एक्टिवेट करने का काम करती है। इसलिए अगर आप रोजमर्रा के कामों के लिए समय निश्चित कर लेते हैं, तो आपका सर्केडियन रिद्म इसे आपकी आदत मान लेता है। इससे शरीर के लिए फंक्शन करना ज्यादा आसान होता है। यही कारण है कि ऐसे लोग लंबे समय तक स्वस्थ रहते हैं। आइए आपको बताते हैं सुबह और रात के खाने की प्लानिंग करते समय आपको किन बातों का ख्याल रखना चाहिए।

सुबह के खाने की प्लानिंग कैसे करनी चाहिए?

नाश्ताः आमतौर पर रात में 7-8 घंटे के उपवास बाद जब आप सुबह उठते हैं, तो आपको सबसे पहले नाश्ता (ब्रेकफास्ट) करना चाहिए। आपको ब्रेकफास्ट सुबह उठने के 2-3 घंटे के भीतर कर लेना चाहिए। ऐसा न करने से आपके शरीर में इंसुलिन, ब्लड ग्लूकोज, ट्राईग्लिसराइड्स और कोलेस्ट्रॉल का लेवल गड़बड़ होने लगता है। यही कारण है कि हेल्थ एक्सपर्ट्स इस बात पर जोर देते हैं कि सुबह का नाश्ता नहीं छोड़ना चाहिए। आपका नाश्ता थोड़ा हैवी होना चाहिए, जिसमें प्रोटीन, विटामिन्स और थोड़े से हेल्दी कार्ब्स हो सकते हैं, जैसे- पोहा, पराठा, ऑमलेट, सैंडविच, ओट्स, नट्स, फल, जूस, दूध, अंडे आदि।

लंच और स्नैक्सः इसके बाद दोपहर का खाना आपको नाश्ते के 3-4 घंटे बाद ही करना चाहिए। दोपहर का खाना हल्का-फुल्का होना चाहिए, जिसमें आपके शरीर को जरूरी पोषक तत्व मिल जाएं, जैसे- सब्जियां, रोटी, दाल, जरूरी हो तो थोड़ा सा चावल, चिकन करी, फलियों की सब्जी या डोसा, उत्पम, सलाद आदि। इसके अलावा ब्रेकफास्ट और लंच के बीच भूख लगने पर आप कोई हल्का-फुल्का स्नैक्स ले सकते हैं।

रात के खाने की प्लानिंग कैसे करें?

रात का खाना आपको सोने से कम से कम तीन घंटे पहले खा लेना चाहिए, क्योंकि इतना समय आपके सिस्टम को खाने को पचाने की क्रिया शुरू करने में लग जाता है। दोपहर के खाने और रात के खाने के बीच भी बहुत सारे लोगों को भूख लगती है। ऐसे लोग दोपहर के खाने के 2-3 घंटे बाद कोई हल्का फुल्का स्नैक्स ले सकते हैं। लेकिन यह ध्यान रखें कि आपका रात का खाना भी हल्का और सुपाच्य होना चाहिए। रात में ऐसी चीजें बिल्कुल न खाएं जिनमें कॉम्प्लेक्स कार्ब्स हो, क्योंकि इन्हें पचाने में आपके पाचनतंत्र को बहुत मेहनत करनी पड़ती है।

अगर किसी कारण से आपको रात के खाने में देर हो गई है, तो देर रात में पूरा खाना न लें, बल्कि हल्के-फुल्के स्नैक्स या लिक्विड डाइट ले लें। देर रात में खाया गया खाना आपके बॉडी फंक्शन को बिगाड़ता है, जिससे कई तरह की परेशानियां शुरू हो जाती हैं। इसके अलावा कुछ लोगों की आदत यह भी होती है कि वो रात में जागकर कुछ मीठा या जंक फूड्स खाने के आदी होते हैं। सेहत के लिहाज से ये आदत भी बहुत गलत है।

सुबह और रात के खाने में ध्यान रखने वाली जरूरी बातें

अगर आपका वजन ज्यादा है और आप डाइटिंग कर रहे हैं, तो भी आपको अपने सुबह का नाश्ता और दोपहर का खाना नहीं छोड़ना चाहिए। सुबह का नाश्ता ट्राईग्लिसराइड्स और ब्लड शुगर को कंट्रोल रखने के लिए बहुत जरूरी है। बाकी के समय आपको क्या खाना है और कितना खाना है, इस बारे में आप डायटीशियन की मदद ले सकते हैं। कई बार मोटापा सिर्फ खाने-पीने से नहीं, बल्कि किसी रोग या दवा के साइड इफेक्ट के कारण भी होता है, इसलिए एक बार डॉक्टर से चेकअप भी करा सकते हैं।

अपनी विंटर शॉपिंग लिस्ट में जरूर शामिल करें नारियल का तेल

अपनी खूबसूरती को बनाए रखने के लिए आपको सिर्फ अपने कपड़ों या मेकअप पर ही ध्यान नहीं देना चाहिए बल्कि आपको नेचुरल तरीकों को भी अपनाना चाहिए। जैसे, चेहरे की खूबसूरती बनाए रखने और विंटर के साइड इफेक्ट से बचने के लिए आपको नेचुरल ऑयल भी इस्तेमाल करने चाहिए। अगर आपको मार्केट जाकर इन तेलों को खरीदने का

मौका नहीं मिलता, तो आप ऑनलाइन भी कुछ जरूरी ऑयल मंगवा सकती हैं। आइए, डालते हैं एक नजर-

कोकोनट ऑयल यानी नारियल का तेल लेकिन इस विंटर आपको सिर्फ कोकोनट ऑइल नहीं लाना है बल्कि वर्जिन कोकोनट ऑइल लाना है। यह तेल पूरी तरह प्योर होने के साथ ही नरिशमेंट से भरपूर होता है। साथ ही यह बजट फ्रेंडली और असरदार ब्यूटी प्रॉडक्ट है।

अगर आपको लगता है कि आप कहीं से भी कोई भी तेल खरीद लेंगी, तो यह गलतफहमी अपने मन से निकाल लें क्योंकि इससे आप सिर्फ अपने पैसे ही बर्बाद करेंगी, इससे आपको फायदा नहीं मिलेगा इसलिए ऑनलाइन शॉपिंग करते वक्त आप तेल के रिव्यू जरूर पढ़ लें।

नारियल तेल सर्दियों में आपको कई तरह के अन्य प्रॉडक्ट्स की सेविंग से बचाकर बचत करा सकता है। क्योंकि आप इसे मेकअप रीमूवर, मॉइश्चराइजर, हेयर ऑयल और बॉडी लोशन की तरह यूज कर सकती हैं। ऐसे में आप इसे खरीदते वक्त किसी तरह की कंजूसी या लापरवाही ना करें। वर्जिन और ब्रैंडेड नारियल तेल ही खरीदें।

कोकोनट ऑयल के अलावा आप कई विंटर ब्यूटी प्रॉडक्ट अमेजॉन, फ्लिपकार्ट, मिंत्रा से भी खरीद सकते हैं। यहां कई बेहतरीन ऑप्शन उपलब्ध हैं।

रेसिपी

गाजर-कॉर्न सूप

सामग्री

- 1/2 कप फ्रोजन स्वीट कॉर्न
- 1 बे लीफ
- 5 लहसुन
- 1/2 चम्मच जैतून का तेल
- काली मिर्च
- 1 ग्राम कटा हुआ गाजर
- 1 प्याज
- 2 चम्मच मक्खन
- 1 कप पानी नमक स्वादानुसार

विधि

एक पैन में धीमी आंच पर पानी गर्म कर लें और इसमें गाजर और कॉर्न डालकर उबाल लें। इसके बाद कुछ देर छोड़ दे, फिर उबले हुए गाजर और कॉर्न की प्यूरी बना लें। धीमी आंच पर पैन रखकर उसमें ऑयल के साथ मक्खन डालें। मक्खन मेल्ट होने के बाद पिसा हुआ लहसुन, बारीक कटा प्याज और बे लीफ डालें। सभी को थोड़ी देर भूनें और प्याज को नरम होने दें। सब भून जाने के बाद गाजर और कॉर्न की प्यूरी को पैन में डालें और ऊपर से थोड़ा से नमक और काली मिर्च छिड़कें। इसको चलाते रहें ताकि गांठ न पड़ें। इसके बाद बची हुई गाजर को डालें और उबाल आने दें। एक बार उबाल आने के बाद आंच कम कर दें और कुछ देर तक पकने दें। जब अच्छी तरह पक कर गाढ़ा हो जाए, तो इसे कटोरे में निकाल लें और धनिया पत्ती को गार्निश करें और गर्म-गर्म परोसें।

रेसिपी

बादाम का हलवा

सामग्री

- ढाई कप चीनी
- 1 कप दूध
- 2 कप भिगोए बादाम
- आधा चम्मच केसर
- 1 कप घी

विधि

बादाम का हलवा बनाने के लिए सबसे पहले गर्म पानी में बादाम को एक घंटे तक भिगोकर छोड़ दें। इसके बाद बादाम के छिलके निकालकर उन्हें पीस लें। इसके बाद बादाम के इस पेस्ट में दूध चीनी और केसर डालकर इसे अच्छे से फेंट लें। एक कड़ाही लें और इसमें घी डालें। इसे तेज आंच पर गर्म करें। घी गर्म हो जाए तो इसमें बादाम का पेस्ट डाल दें। इसे लगातार चलाते रहें ताकि इसका तला न लगे। जब यह पेस्ट सूखकर हलवा हो जाए, गैस बंद कर दें। हलवे को बादाम और केसर से गार्निश करके गरमागरम सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): लेन-देन में स्पष्टता बनाये रखें। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। राजकीय कार्यों से लाभ। बिगड़ा कार्य बनेगा। शुभांक-3-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आज की सुविधा कल नहीं मिल पायेगी, लाभ उठाएं। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। शुभ कार्यों में व्यय होगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शुभांक-4-6-8

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेगें। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी के क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेंगी। यश में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। मेहमानों का आगमन होगा। पारिवारिक प्रेमभाव बढ़ेगा। शुभांक-3-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। कारोबारी यात्रा सफल होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-2-4-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। संतान पक्ष की समस्या खत्म होगी। अपने काम पर नजर रखिए। स्वभाव में सौम्यता आपकी मदद करेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-1-3-5

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। धन लाभ की संभावना। शुभांक-4-6-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र है। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। धन लेन-देन में सतर्क रहें। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): परिवार में मांगलिक कार्यों का आयोजन होगा। वैवाहिक जीवन में प्रेम-प्रीति बढ़ेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। राजकीय सम्मान प्राप्त होने के योग हैं। शांतिपूर्वक कार्य करें, जान है तो जहान हैं अतः वाहन आदि चलाने में सावधानी बरतें। अपना कार्य स्वयं करें, किसी के भरोसे न रहें। शुभांक-2-6-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): नये लोगों से मेल-मिलाप भविष्य में लाभदायक सिद्ध होगा। स्वयं पर विश्वास कार्यों की सिद्धि है। घर तथा व्यावसाय को एक-दूसरे से दूर ही रखें। व्यापारिक संबंधों में प्रगति के योग हैं। कार्य स्थल पर नियमपूर्वक व्यवहार लाभकारी होगा। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंग। शुभांक-6-8-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): धन के लेन-देन में सतर्क रहें। बातचीत में संयम बरतें। मन में चंचलता बढ़ेगी। भावुकतावश निर्णय न लें। कर्ज देने से बचें। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। माता-पिता के स्वास्थ्य में गिरावट से चिंता रहेगी। कला क्षेत्र के जातकों को मेहनत के बाद सफलता मिलेगी। शुभांक-4-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): सरकारी पक्ष से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल रहेगा। पुराना विवाद समाप्त होगा। आर्थिक मजबूती हेतु मन केन्द्रित होगा। मिल रहे अवसरों का लाभ उठाएं। आर्थिक योजनाएं फलित होंगी। स्त्री, संतान, मित्र के साथ मनोविनोद बढ़ेंगे। बकाया धन की प्राप्ति के योग हैं। शुभांक-3-6-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): आय के नये स्त्रोत बनेंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंग। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। लम्बे प्रवास व चुनौती पूर्ण कार्यों का सामना हो सकता हैं। व्यवसायिक क्षेत्र में आपकी मेहनत व लगन की परीक्षा होगी। महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति होगी। शुभांक-2-4-7

काकुरो पहेली - 5021

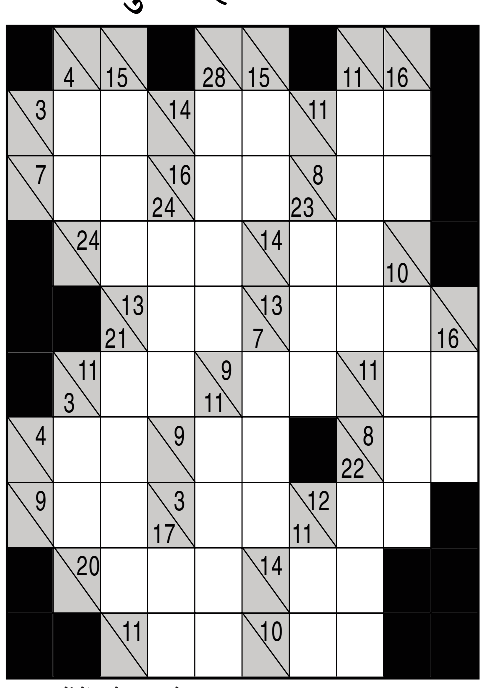

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

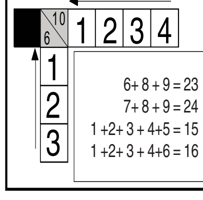

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 5020 का हल

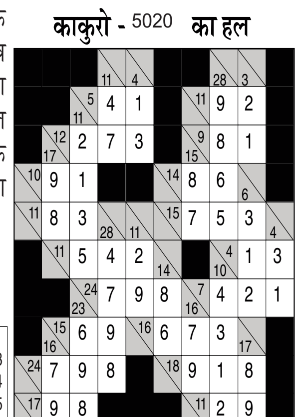

लॉफिंग ज़ोन

गीता (अपने प्रेमी से)- रमन देखो! सामने खिड़की में जो तोता-मैना बैठे हैं, दोनों रोजाना यहाँ आते हैं। साथ-साथ बैठते हैं, प्यार भरी मीठी-मीठी बाते? करते हैं और चहचहाते रहते हैं और एक हम हैं कि हमेशा लड़ाई-झगड़ा करते ही रहते हैं।

प्रेमी (प्रेमिका से)- हाँ सही है! लेकिन तुमने उनकी एक खास बात पर ध्यान नहीं दिया, देखो यहाँ बैठने वाले जोड़े में से रोजाना तोता तो वही होता है, पर मैना रोज नई-नई होती है।

एक बार एक कार्यस्थल पर तीन छोटे-छोटे बंदर उधम मचाते हुए अंदर घुस गए। उनके गले में तीन तख्तियाँ टंगी हुई थी, जिनमें लिखा हुआ था, बुरा देखो, बुरा सुनो और बुरा बोलो। वहाँ बैठे एडिटर साहब गाँधीजी के तीन वाक्यों का अनादर होते देख उबल पड़े और बोले- ये वाक्य उल्टे कैसे हो गए?

तभी एक शरारती बंदर बोला- आप जानते नहीं अब हम भी एडिटर हो गए है।

फिल्म वर्ग पहेली- 5021

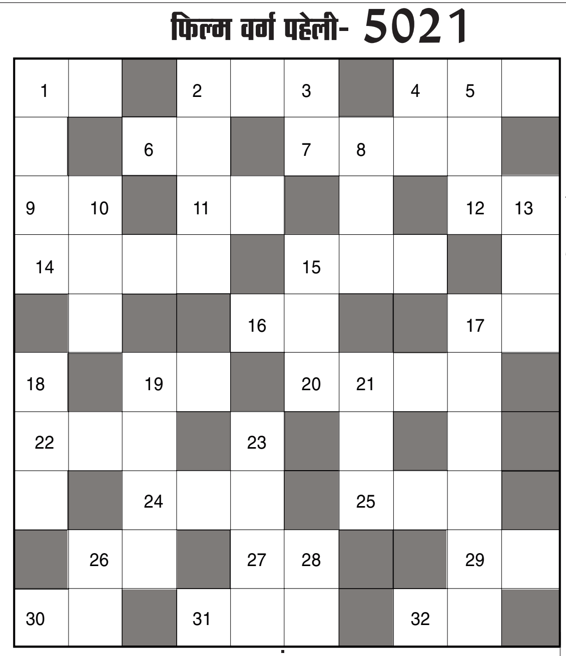

बायें से दायें:-

१. 'बरसो रे मेघा' गीत वाली फिल्म-२
२. राजेशखन्ना, धर्मेन्द्र, वहीदा की फिल्म-३
४. 'नींद कभी रहती थी आँखों में' गीत वाली फिल्म-३
६. राज सोलंकी, हिना रहमान, पायल की फिल्म-२
७. 'कहना है जो दिल से कहो' गीत वाली फिल्म-४
९. संजीवकुमार, नूतन की फिल्म-२
११. 'हम और तुम तुम और' गीत वाली फिल्म-२
१२. अभिषेक, भूमिका की फिल्म-२
१४. 'कुछ लोग यहाँ पर ऐसे है' गीत वाली फिल्म-४
१५. मकरंद देशपांडे, शबाना, श्वेता की फिल्म-३
१६. 'जब आती होगी याद मेरी' गीत वाली फिल्म-२
१७. संजय कपूर, माधुरी की फिल्म-२
१९. 'ओ रूपनगर के सौदागर' गीत वाली फिल्म-२
२०. अनिल धवन, रेहाना की फिल्म-२,२
२२. 'पर्दे में रहने दो पर्दा ना' गीत वाली फिल्म-३
२४. सुनील दत्त, साधना की फिल्म-३
२५. 'दिल जंगली कबूतर' गीत वाली फिल्म-३
२६. अभिषेक, उदय, एशा की फिल्म-२
२७. 'शरमाए काहे घबराये' गीत वाली फिल्म-२
२९. आमिर, माधुरी दीक्षित की फिल्म-२
३०. 'लगन लागी मन की लगन' गीत वाली फिल्म-२
३१. फिल्म 'मनोरंजन' में नायिका कौन थी-३
३२. शाहरूख, प्रियंका चोपड़ा की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. ऋषि, अनिल, श्रीदेवी की फिल्म-४
२. 'नील गगन पे उड़ते बादल आ' गीत वाली फिल्म-४
३. फिल्म 'मि. बॉण्ड' में अक्षयकुमार के साथ नायिका कौन थी-२
४. जीतेंद्र, रीना राय, रामेश्वरी की 'धक धक से धड़कना' गीत वाली फिल्म-२
५. 'सपनों का शहर हो' गीत वाली अरशद वारसी, महिमा चौधरी की फिल्म-३
८. सुष्मिता की पहली फिल्म ?-३
१०. 'चूड़े वाली छमिया मिला नैन रे' गीत वाली सनी, जयाप्रदा की फिल्म-३
१३. विनोद खन्ना, बिन्दू की 'दिल करने लगा है प्यार तुम्हे' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'जीना तेरी बाहों' गीत वाली सुनील शेट्टी, इंद्रकुमार, नम्रता की फिल्म-३
१७. प्रदीपकुमार, नर्गिस की 'दिल की गिरह खोल दो' गीत वाली फिल्म-२,२,२
१८. 'नजर के सामने जिगर' गीत वाली राहुल राय, अनु अग्रवाल की फिल्म-३
१९. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की 'ढपली वाले ढपली बजा' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'गोरी जो मटके बालों' गीत वाली सुनील, रवीना, करिश्मा, सोनाली की फिल्म-३
२३. राजेंद्र कुमार, राखी की 'तुम मेरी हो मेरे सिवा किसी' गीत वाली फिल्म-२,२
२६. 'हर एक घर में दिया' गीत वाली संजय सूरी, रेवती, गुल पनाग की फिल्म-२
२८. सनी, सलमान, करिश्मा, तब्बू की 'अभी साँस लेने की' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 5020

5021

6	3	7		1	5	4		9
	8						2	
		1		4	8			6
	6			9	7	1		
7	2						5	3
		5	6	3			9	
5			8	2		3		
	4						7	
1		3	7	5		2	6	8

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

5020

5	9	4	1	7	2	6	3	8
6	8	1	4	3	5	2	7	9
2	3	7	8	9	6	1	4	5
9	2	3	7	5	1	4	8	6
4	7	6	9	2	8	5	1	3
1	5	8	3	6	4	9	2	7
8	6	2	5	4	3	7	9	1
7	1	5	2	8	9	3	6	4
3	4	9	6	1	7	8	5	2

शब्द पहेली - 5021

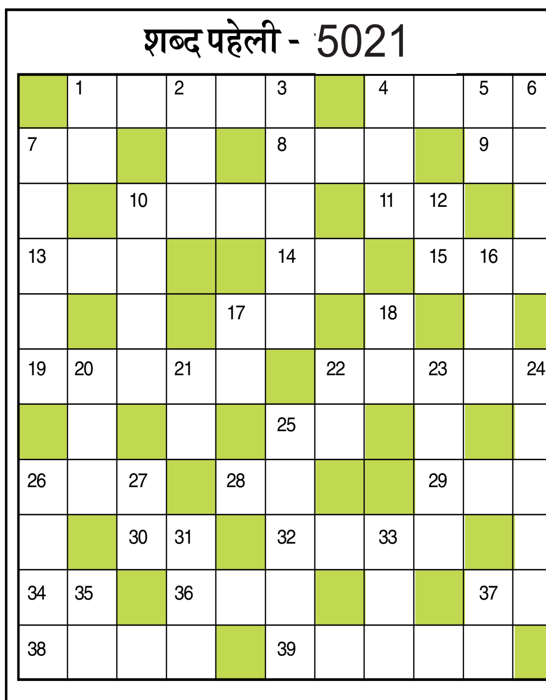

बाएँ से दाएँ

1.महर्षि वेदव्यास द्वारा रचित महाकाव्य-5
4.आज्ञापत्र, पतंगा-4
7.शरीर, बदन-2
8.होशियार, हुनरमंद-3
9.नस, नाड़ी-2
10.तीर रखने का पात्र-4
11.गधा, गर्दभ-2
13.जो बंदी हो-3
14.पत्नी, भार्या-2
15.दृष्टि, निगाह-3
17.खैरात, दक्षिणा-2
19.अपने ही घर में कैद होना-5
22.भाग्यवाला-5
25.जी, इच्छा-2
26.तन, काया-3
28.दुनिया, संसार-2
29.वेतन-3
30.भीगा हुआ-2
32.सागौन, एक प्रकार की मूल्यवान लकड़ी-4
34.परिणाम,हल,फ्रूट-2
36.सचेग-3
37.राजकपूर,नरगिस की फिल्म-2
38.चाणक्य के समय मगध की राजधानी-4
39.निरस्त करना-2,3

ऊपर से नीचे

1.आमिर,मनीषा कोइराला की फिल्म-2
2.रवि, सूर्य-3
3.तमाशा देखनेवाले-5
4.परीक्षण,जांच-3
5.सप्ताह का दिन-2
6.जो नापसंद हो (उर्दू-4)
7.गोविंदा व खुशबू की फिल्म-2,3
10.भाग्य,किस्मत-4
12.क्रिकेट में बनते हैं-2
16.नसीरुद्दीन शाह की एक फिल्म -3
17.खुजली-2
18.रस्सी पर अपराधी को लटकाना-2
20.आवश्यक-3
21.कैदी, बंधक-2
22.इसाई साध्वी-2
23.बालकपन-4
24.असावधान-5
25.महासमुद्र-5
26.सज्जनता, भद्रता-4
27.अभिषेक की फिल्म-2
31.मुद्दा (उर्दू-3)
33.वाचन करनेवाला-3
35.उद्देश्य-2
37.आगमन,आने का भाव-2

शब्द पहेली -5020 का हल

राष्ट्रीय डोपिंग रोधी संशोधन विधेयक लोकसभा में पेश

एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्र सरकार खिलाड़ियों के अधिकारों की रक्षा और डोपिंग नियंत्रण व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय डोपिंग रोधी (संशोधन) विधेयक, 2025 लेकर आई है। लोकसभा में बुधवार को विधेयक पेश किया गया। विधेयक विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी के नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करता है। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने 2022 के इससे जुड़े अधिनियम में संशोधन से जुड़ा विधेयक लोकसभा में पेश किया। विधेयक का उद्देश्य खेलों में डोपिंग रोधी उपायों को बढ़ावा देना और मजबूत करना तथा राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी, राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला के संचालन के लिए एक वैधानिक ढांचा प्रदान करना, तथा खेलों में डोपिंग रोधी राष्ट्रीय बोर्ड का गठन करना है। विधेयक में राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) और राष्ट्रीय डोपिंग रोधी प्रयोगशाला (एनडीटीएल) के संचालन और संरचना में आवश्यक संशोधन किए गए हैं। इसका उद्देश्य दोनों संस्थानों को अधिक पारदर्शी, उत्तरदायी और विश्वसनीय बनाना है। विधेयक में यह भी स्पष्ट किया गया है कि डोपिंग रोधी नियमों के उल्लंघन की स्थिति में सुनवाई और अपील की प्रक्रिया क्या होगी। नाडा द्वारा बनाए गए नियमों के अनुसार ही डोप परीक्षण, अनुशासनात्मक कार्यवाही और अपील प्रक्रिया संचालित की जाएगी।

वायु सेना का बाड़मेर से जोधपुर तक तीन दिवसीय सैन्य अभ्यास शुरू

जोधपुर। भारतीय वायु सेना ने बुधवार को पाकिस्तान से सटी सीमा के नजदीक बाड़मेर से जोधपुर तक तीन दिवसीय एक बड़ा सैन्य अभ्यास शुरू किया है। 25 जुलाई तक चलने वाले इस अभ्यास के लिए राजस्थान सीमा से लगे क्षेत्र में एक नोटम जारी किया गया है। वायुसेना के अनुसार इस महत्वपूर्ण अभ्यास में राफेल, सुखोई-30 और जगुआर जैसे अग्रिम पंक्ति के लड़ाकू विमानों के साथ-साथ अन्य विमान भी शामिल हो रहे हैं। इस तीन दिवसीय अभ्?यास में भारतीय वायु सेना के जाबांज पायलट राफेल और मिराज 2000 लड़ाकू विमानों में उड़ान भरकर दुश्मन के काल्पनिक ठिकानों को ध्वस्त करने का अभ्यास करेंगे। अधिकारियों ने इसे एक पूर्व-नियोजित और नियमित प्रशिक्षण अभियान बताया है, जिसका उद्देश्य हवाई और ज़मीनी दोनों तरह के लक्ष्यों सहित विभिन्न युद्ध परिदृश्यों का अनुकरण करना है।इस अभ्यास में जटिल रात्रिकालीन ऑपरेशन भी शामिल होंगे। वायु सेना ने सैन्य अभ्यास की वजह से नोटम जारी किया है। नोटम तब जारी किया जाता है, जब किसी विशिष्ट हवाई क्षेत्र को नागरिक हवाई यातायात से मुक्त करने की आवश्यकता होती है। पाकिस्तान के साथ पिछले तनाव के दौरान भी इसी तरह के नोटिस जारी किए गए थे, ताकि यह तय किया जा सके कि कोई भी यात्री विमान संभावित हवाई अभियानों के बीच में न फंसे। यह वाणिज्यिक विमानों को सैन्य गतिविधि वाले क्षेत्रों से दूर रखकर नागरिक हताहतों को रोकने में मदद करता है।

बब्बर खालसा का आतंकी इंदौर से गिरफ्तार, दिल्ली पुलिस की बड़ी कामयाबी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) से जुड़े एक आतंकी आकाश दीप उर्फ बज्ज (22) को गिरफ्तार किया है। आकाश दीप पंजाब के बटाला में किला लाल सिंह पुलिस चौकी पर 7 अप्रैल को हुए ग्रेनेड हमले में शामिल था। इसके अलावा वह दिल्ली में अवैध हथियारों की तस्करी के मामले में भी वांछित था। पुलिस ने उसे इंदौर से पकड़ा, जहां वह क्रेन ऑपरेटर बनकर छुपा हुआ था। दिल्ली पुलिस के डीसीपी अमित कौशिक ने बताया कि आकाश दीप से पूछताछ की जा रही है और वह लगातार चौंकाने वाले खुलासे कर रहा है। शुरुआती पूछताछ में उसने बताया कि वह बीकेआई के एक विदेशी हैंडलर के संपर्क में था जो सोशल मीडिया ऐप के ज़रिए उसे निर्देश देता था। आकाश दीप उसी के कहने पर भारत में आतंकी गतिविधियां अंजाम दे रहा था। बटाला में हुए ग्रेनेड हमले की जिम्मेदारी बीकेआई ने ली थी। यह हमला पीलीभीत एनकाउंटर के जवाब में किया गया था, जिसमें तीन संदिग्ध मारे गए थे। अब दिल्ली पुलिस और एनआईए यह जांच कर रही हैं कि बीकेआई का यह नेटवर्क भारत में और किन-किन राज्यों में फैला हुआ है और इसके विदेशी हैंडलर कौन-कौन हैं।

सिया विवाद के बाद पर्यावरण विभाग से नवनीत कोठारी और एप्को से उमा माहेश्वरी को हटाया

भोपाल। राज्य पर्यावरण प्रभाव आकलन प्राधिकरण (सिया) के चेयरमैन से विवाद के बाद मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पर्यावरण विभाग के प्रमुख सचिव डॉ नवनीत मोहन कोठारी और एप्को की कार्यपालन संचालक उमा माहेश्वरी आर को हटा दिया है। इसके साथ ही राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव केसी गुप्ता को भी स्थानांतरित कर दिया गया है, जबकि चंद्रमौलि को अपर सचिव मुख्यमंत्री सचिवालय की जिम्मेदारी सौंपी गई हैं। सामान्य प्रशासन विभाग ने बुधवार की रात इस संबंध में आदेश जारी किया है। जारी आदेश के अनुसार, पर्यटन विभाग के प्रमुख सचिव डॉ. कोठारी को राज्यपाल का प्रमुख सचिव नियुक्त किया गया है। वहीं, अपर मुख्य सचिव केसी गुप्ता को राजभवन से हटाकर कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग में पदस्थ किया गया है। साथ ही उमा माहेश्वरी आर अब केवल ओएसडी सह संचालक भारतीय चिकित्सा पद्धति और होम्योपैथी का दायित्व संभालेंगी। एप्को की जिम्मेदारी से उन्हें हटा दिया गया है।

फिलॉसोफी एंड एक्शन ऑफ आरएसएस फॉर हिन्द स्वराज का मुख्यमंत्री ने किया विमोचन

एजेंसी

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर पुनः प्रकाशित पुस्तक के संस्करण फिलॉसोफी एंड एक्शन ऑफ आरएसएस फॉर हिन्द स्वराज का विमोचन किया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले, राष्ट्रवादी चिंतक व 'प्रज्ञा प्रवाह' विशिष्ट वैचारिक मंच के संयोजक जे. नंदकुमार की गरिमामय उपस्थिति रही। देहरादून के आईआरडीटी सभागार में आयोजित पुस्तक विमोचन के बाद मुख्यमंत्री धामी ने पुस्तक के बारे में कहा कि वर्ष 1951 में कैथोलिक पादरी फादर एंथोनी की पुस्तक फिलॉसोफी एंड एक्शन ऑफ आरएसएस फॉर हिन्द स्वराज में न केवल संघ की विचारधारा, संगठनात्मक संरचना और कार्यपद्धति का गहन अध्ययन प्रस्तुत किया, बल्कि हिंद स्वराज की मूल आत्मा को भी समेकित रूप से

समझाने का काम किया। मुख्यमंत्री ने कहा, मुझे पूर्ण विश्वास है कि यह पुस्तक हमारी आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रारंभिक संघर्षों, त्याग और तपस्या से परिचित कराते हुए उन्हें वैचारिक परंपरा और कार्यशैली से जोड़ने में सहायक सिद्ध होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि फादर एंथोनी ने यह पुस्तक उस समय लिखी जब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को लेकर समाज में अनेकों प्रकार की भ्रांतियां और गलत धारणाएं फैलाई जा रही थीं। उस चुनौतीपूर्ण कालखंड में फादर एंथोनी ने निष्पक्षता और ईमानदारी के साथ लिखा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कोई सांप्रदायिक संस्था नहीं, अपितु राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित एक अनुशासित और आध्यात्मिक चेतना से ओतप्रोत संगठन है। उन्होंने संघ के कार्यकर्ताओं के जीवन में अनुशासन, सेवा, समर्पण और देशभक्ति को निकटता से देखा और दुनिया को अवगत कराया कि ये संगठन भारत के पुनर्निर्माण की वास्तविक आधारशिला है। मुख्यमंत्री ने कहा कि फादर एन्थोनी ने लिखा कि संघ न केवल सनातन धर्म की खोई हुई प्रतिष्ठा को पुनर्स्थापित करने की दिशा में कार्य कर रहा है बल्कि समाज में व्याप्त कु-प्रथाओं का अंत कर संपूर्ण भारतवर्ष को एक सूत्र में पिरौने के कार्य में भी जुटा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने सौ वर्षों की यात्रा में भारत में सांस्कृतिक पुनर्जागरण, सामाजिक समरसता, आत्मगौरव और राष्ट्रनिष्ठ सेवा की दिव्य धारा को प्रवाहित किया है।

यूट्यूबर अरमान की पत्नी पायल को सात दिन मंदिर में सफाई की सजा

एजेंसी

चंडीगढ़। बिग बॉस ओटीटी सीजन थ्री में भाग लेने वाली यूट्यूबर अरमान मलिक की पत्नी पायल मलिक को मोहाली के मंदिर में सात दिन तक सफाई करने की सजा सुनाई गई है। आठवें दिन कंजक पूजन के बाद उनकी यह सजा पूरी होगी। इससे पहले पायल एवं अरमान ने पटियाला स्थित ऐतिहासिक काली माता मंदिर में धार्मिक सजा भुगती थी। पायल ने हाल ही में मां काली के वेश में एक वीडियो बनाई थी, जिसका पंजाब में कई धार्मिक संगठनों द्वारा विरोध किया जा रहा है। कई संगठनों ने इसे लेकर मोहाली पुलिस को भी शिकायत देते हुए अरमान मलिक एवं उसकी पत्नी को माफी मांगने का समय दिया था। मंगलवार को यूट्यूबर जोड़ा पटियाला स्थित काली माता मंदिर में पहुंचा। यहां उन्होंने माफी मांगी थी। इस दौरान उन्होंने मंदिर में बर्तन धोने की सेवा भी की थी। अरमान मलिक पत्नी पायल और बच्ची को लेकर मोहाली के खरड़ में स्थित काली माता मंदिर में पहुंचे। यहां धार्मिक संगठनों के मेंबर भी मौजूद थे। यहां पायल ने अपनी गलती को माना। इसके बाद पूजा-अर्चना की। इसके बाद पायल ने अपने परिवार सहित मां काली की प्रतिमा के सामने खड़े होकर माफी मांगी। शिवसेना हिंद के प्रमुख निशांत शर्मा ने पायल को स्वयं के लिए धार्मिक सजा चुनने के लिए कहा, जिसके बाद उन्होंने स्वेच्छा से सात दिन मंदिर में सफाई करने की बात कही। इसके बाद निशांत शर्मा ने कहा कि हमारी गुजारिश है कि आठवें दिन कंजक पूजन करें। निशांत शर्मा ने कहा कि मेरे साथ इन्होंने यह भी वादा कि वह मंदिर में सेवा करने के बाद हरिद्वार जाकर सभी अखाड़ा परिषद में जितने संत हैं, उनके समक्ष भी माफी मांगकर आएंगे।

फारूक अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर का दर्जा बहाल करने की मांग दोहराई

एजेंसी

नई दिल्ली। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू-कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल किया जाना चाहिए और यही उनका संवैधानिक अधिकार है। उन्होंने केन्द्र सरकार पर संविधान से विपरीत कार्य करने का आरोप लगाया और कहा कि जो किया गया है, वह अवैध है और उसे वापस लिया जाना चाहिए। फोरम फॉर ह्यूमन राइट्स इन जम्मू एंड कश्मीर की ओर से आज डिप्टी स्पीकर हॉल, कॉन्स्टीट्यूशन क्लब में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इसी में फारूक अब्दुल्ला ने कहा, ÷सत्ता में बैठे लोग चाहते हैं कि हम उनके आगे झुकें, लेकिन हम झुकने या भीख मांगने नहीं आए हैं। यह हमारा संवैधानिक अधिकार है। जो उन्होंने किया, वह अवैध है। उन्हें राज्य का दर्जा बहाल करना चाहिए।

फारूक अब्दुल्ला ने यह भी कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा इस मांग के साथ खड़ी रही है। उन्होंने कहा कि हमें खुदा पर विश्वास है। वह हमें राज्य का दर्जा जरूर दिलवाएंगे। कांग्रेस ने पहले भी हमारा साथ दिया है और अब भी दे

रही है। अमरनाथ यात्रा जैसे आयोजन शांतिपूर्वक चल रहे हैं। ऐसे में अब कौन-सी सामान्य स्थिति का इंतज़ार किया जा रहा है।

भारतीय जनता पार्टी उचित समय से जुड़े सवाल के जवाब में फारूक अब्दुल्ला ने कटाक्ष करते हुए कहा कि उनके अनुसार राज्य का दर्जा बहाल करने का उचित समय शायद सौ साल बाद आएगा। पहलगाम आतंकी हमले पर उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के एक साक्षात्कार में जिम्मेदारी लेने पर अब्दुल्ला ने कहा कि उन्होंने जिम्मेदारी ली है तो उन्हें इस्तीफा देना चाहिए। देश में पहले रेल या विमान हादसों पर मंत्री पद छोड़ते रहे हैं। उन्हें भी जवाबदेही लेनी चाहिए।

कांवड़ मेला सम्पन्न : साढ़े चार करोड़ से ज्यादा शिव भक्तों ने हरिद्वार से भरा गंगाजल

एजेंसी

हरिद्वार। शिव चतुर्दशी पर भगवान भोले भंडारी के जलाभिषेक के साथ हरिद्वार में श्रावण मास का विश्व प्रसिद्ध कांवड़ मेला पूर्ण हो गया।। लगभग एक पखवाड़े की इस मेला अवधि में हरिद्वार से करीब 04 करोड़ 53 लाख शिव भक्त कांवड़ियों ने गंगाजल भरा और अपने स्थान पर जाकर अभीष्ट शिवालयों में भगवान शिव का जलाभिषेक किया। प्रशासन के अनुसार मेले की शुरुआत से की शाम तक 04 करोड़ 52 लाख 90 हजार से ज्यादा कांवड़ियों ने हरिद्वार से गंगा जल भरकर अपने गंतव्य स्थानों के लिए प्रस्थान किया। इस अवधि में सैकड़ों किलोमीटर चलकर दूर दूर से आये शिवभक्तों के हुजूम ने हरिद्वार को पूरी तरह हर हर- बम बम और भोले के नारों से गुंजायमान रखा। बीते चार दिंन से हर की पैड़ी तो क्या हरिद्वार में भी डाक कांवड़ियों की भारी आवक से पैर रखने की जगह नहीं थी। कांवड़ियों के लौटने के बाद बुधवार शाम को हरिद्वार में खालीपन और सूनापन दिखाई दिया। वरिष्ठ पुलिस

अधीक्षक प्रमेन्द्र डोबाल ने बताया कि मेला प्रारम्भ होने से भगवान शिव के जलाभिषेक के दिन बुधवार तक 04 करोड़ 52 लाख 90 हजार कांवड़ियों ने हरिद्वार से गंगाजल भरा और अपने गंतव्यों को रवाना हुए। उन्होंने बताया कि छोटी-मोटी घटनाओं को छोड़कर कावड़ मेला निर्विघ्न संपन्न हुआ।

उन्होंने बताया कि संपूर्ण मेला अवधि में गंगा में डूब रहे 183 कांवड़ियों में से 170 शिवभक्तों को एसडीआरएफ,पीएसी एवं सेना की टीम ने स-कुशल रेस्क्यू किया, 04 कांवड़ियों की डूबने से मृत्यु हो गई जबकि 09 लापता है। इस दौरान सैकड़ों की तादाद में खोए हुए लोगों को पुलिस ने ढूंढकर परिजनों से मिलाया। कांवड़ियों की भारी भीड़ के बावजूद हरिद्वार जनपद में कानून व यातयात व्यवस्था सामान्य रही।

आगरा धर्मांतरण मामले में मुख्य आरोपित अब्दुल रहमान के दो बेटों समेत तीन गिरफ्तार

एजेंसी

आगरा। अवैध धर्मांतरण मामले में पुलिस की साइबर टीम ने मुख्य आरोपित अब्दुल रहमान के दो बेटों समेत तीन लोगों को दिल्ली से गिरफ्तार किया गया है। इस मामले में अभी तक 14 आरोपित गिरफ्तार किए जा चुके हैं। पुलिस इन आरोपितों से पूछताछ कर इनकी फंडिंग के बारे में जानकारीकर रही है।

इस संबंध में आगरा पुलिस आयुक्त दीपक कुमार ने बताया कि धर्मांतरण के मामले में गंभीरता से लेकर मिशन अस्मिता के तहत अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत मुख्य आरोपित अब्दुल रहमान के बेटे अब्दुला, अब्दुल रहीम के अलावा एक अन्य जुनैद कुरैशी को दिल्ली से गिरफ्तार किया गया है। आरोपित रहीम ने पुलिस को बताया कि कलीम के जेल जाने के बाद

पिता अब्दुल रहमान धर्मांतरण का काम संभालने लगे थे। रहमान के यहां से बरामद युवती ने आरोप लगाया कि रहमान ने जबरन उसका धर्म परिवर्तन कराकर उसका निकाह कराया था। निकाह के लिए वह राजस्थान के काजी को बुलाता था, जिसकी तलाश में एक टीम राजस्थान रवाना किया गया है। पुलिस आयुक्त ने बताया कि रोहतक की रहने वाली एक युवती ने मजिस्ट्रेट के सामने बयान दिया था कि जुनैद कुरैशी ने उसे अपने जाल में फंसाकर उससे निकाह कर धर्म परिवर्तन कराया था है। वहीं, पुलिस रिमांड में लिए गये मुख्य आरोपित अब्दुल रहमान ने स्वीकारा कि अवैध धर्माण के लिए वह जम्मू कश्मीर, भूटान, सिलीगुड़ी सहित भारत के कई राज्यों में जाया करता था। अब तक जिन लोगों को गिरफ्तार किया गया है, उनमें कुछ लोग तकनीक के जानकर है और करीब दस भाषा को जानते हैं। कंप्यूटर चलाना आता है। पुलिस इस बात का पता लगा रही है कि इन आरोपितों की फंडिंग कहां से होती थी? विदेशों से कैसे तार जुड़े हैं। एटीएस और एसटीएफ की मदद ली जा रही है।

यूपी के कानपुर, आगरा और मेरठ जिलों के कई निजी स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी, चेकिंग में नहीं मिला कुछ

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के कानपुर, आगरा और मेरठ जिलों के निजी स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। बुधवार को स्कूल के ईमेल पर भेजे गए इस धमकी के बाद पुलिस ने सतर्कता बरते हुए बम निरोधक दस्तों के साथ स्कूलों की तलाशी ली, लेकिन कहीं भी कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। कानपुर के सयुंक्त पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) आशुतोष कुमार ने आज बताया कि गुलमोहर, जयपुरिया समेत शहर के 12 से अधिक निजी स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। इसके बाद पुलिस और बम निरोधक दस्ता ने स्कूलों में सघन चेकिंग ?अभियान चलाया, लेकिन कोई भी विस्फोटक सामग्री य अन्य कोई आपत्तिजनक सामग्री नहीं मिली है। स्कूलों के सभी बच्चे सुरक्षित हैं। इस मामले में साइबर सेल को अलर्ट किया गया है। आगरा के सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) विनायक भोसले ने बताया कि शहर के श्री राम सेनेट्रियल स्कूल और दिल्ली पब्लिक स्कूल को धमकी भरा ईमेल मिला है। दोनों स्कूल थाना न्यू आगरा क्षेत्र में है। इन सभी स्कूलों में गहनता से छानबीन की गई है, लेकिन कोई वस्तु नहीं मिली है। इसी तरह के जनपद मेरठ के सत्यकाम इंटरनेशनल स्कूल, केएल इंटरनेशनल स्कूल और मेरठ पब्लिक स्कूल समेत 10 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मेल से दी गई। मेरठ स्कूल फेडरेशन के सचिव अनुज शर्मा ने पत्रकरों को बताया कि स्कूलों को धमकी मिलने के मामले में पुलिस को सूचित किया गया।

हिमाचल में 27 जुलाई से फिर भारी बारिश की चेतावनी, अब तक 137 मौतें

एजेंसी

शिमला। हिमाचल प्रदेश में अगले कुछ दिनों तक भारी बारिश से राहत मिलने के बाद 27 जुलाई से फिर मानसून के जोर पकड़ने की चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग के अनुसार 24 से 26 जुलाई तक प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है, लेकिन इस दौरान कोई चेतावनी नहीं है। जबकि 27 से 29 जुलाई के बीच फिर भारी बारिश हो सकती है और कांगड़ा, मंडी और सिरमौर जिलों में 27 जुलाई को येलो अलर्ट रहेगा। मौसम विभाग के मुताबिक इस बार मानसून सीजन में अब तक सामान्य से 14 प्रतिशत अधिक वर्षा दर्ज की गई है। बीते 24 घंटों में मनाली में सर्वाधिक 60 मिलीमीटर वर्षा दर्ज हुई। इसके अलावा शिमला

के सराहन और कांगड़ा के घुमरूर में 40-40 मिमी, कांगड़ा के नगरोटा सुर्रियाँ, हमीरपुर के अघ्घर, कांगड़ा के गुलेर व बिलासपुर सदर में 30-30 मिमी वर्षा रिकार्ड की गई। बारिश और भूस्खलन के कारण प्रदेश में परिवहन, बिजली और पेयजल आपूर्ति पर बड़ा असर पड़ा है। बुधवार शाम तक राज्य में भूस्खलन से एक नेशनल हाइवे समेत कुल 344 सड़कें बंद रहीं। मंडी जिले में मंडी-कोटली नेशनल हाइवे-70 अवरुद्ध है, जबकि सिरमौर के पांवटा साहिब-शिलाई नेशनल हाइवे-707 को बहाल कर लिया गया है। अकेले मंडी में 232 सड़कें बाधित हैं, कुल्लू में 71, लाहौल-स्पीति में 15 और कांगड़ा में 11 सड़कों पर यातायात ठप है। इसके अलावा राज्यभर में 169 बिजली ट्रांसफार्मर और 230 पेयजल योजनाएं भी बंद हैं। मंडी में 98, कुल्लू में 65, चंबा में 10, शिमला में 5 और कांगड़ा में 4 ट्रांसफार्मर खराब हैं, जिससे कई क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति ठप है। पेयजल योजनाओं की बात करें तो चंबा में 60, कांगड़ा में 59 और सिरमौर में 34 पेयजल योजनाएं ठप पड़ी हैं।

गुजरात में आआपा की किसान-पशुपालक महापंचायत, केजरीवाल बोले- जनता भाजपा को सबक सिखाएगी

एजेंसी

गांधीनगर। गुजरात के मोडासा में आम आदमी पार्टी (आआपा) द्वारा विशाल किसान-पशुपालक महापंचायत का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री एवं पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल तथा पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान शामिल हुए। महापंचायत में केजरीवाल ने भाजपा एवं कांग्रेस दोनों पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने पशुपालकों द्वारा दूध की कीमतें बढ़ाने की मांग को लेकर किए गए प्रदर्शन पर कहा कि साबरकांठा और अरावली के पशुपालक जब अपने अधिकारों के लिए प्रदर्शन करने गए तो इन गरीब पशुपालकों पर लाठियां बरसाई गई और आंसू गैस के गोले छोड़े गए। अगर किसान अपना हक मांग रहे थे, तो उनसे बैठकर बात करनी

चाहिए या लाठी चलानी चाहिए, ये उनका अहंकार है। उनकी तरफ से किसान अशोक चौधरी को एक करोड़ का मुआवजा दिया जाना चाहिए। अब कभी गोली चलेगी तो पहले केजरीवाल के सीने पर गोली चलेगी तब खेडूतों के सीने पर गोली चलेगी। केजरीवाल ने आरोप लगाते हुए कहा कि 1987 में कांग्रेस ने किसानों पर गोलियां चलवाईं और 10 किसान मारे गए। उसके बाद से आजतक कांग्रेस की सरकार नहीं आई है। अब भाजपा की भी उल्टी गिनती शुरू हो गई है। जनता भाजपा को सबक सिखाएगी और गुजरात में बदलाव लाएगी। केजरीवाल ने आगे कहा कि आम आदमी पार्टी एक विकल्प है और हम गुजरात के लोगों के हक के लिए लड़ाई लड़ रहे हैं। अब हमें भाजपा और कांग्रेस के गठबंधन वाली सरकार से गुजरात को आजाद करवाना है। ये अमीरों की सरकार है। आम आदमी पार्टी गरीबों, किसानों, मजदूरों की सरकार है। हम आपको आपका हक दिलाने आए हैं। कार्यक्रम में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवत मान ने कहा कि पंजाब में 55,000 सरकारी नौकरी देकर आपके सामने खड़ा हूं। हर व्यक्ति को मुफ्त इलाज के लिए दस लाख का हेल्थ कार्ड दे रहे हैं।

गुजरात एटीएस ने अलकायदा से जुड़े चार आतंकियों को किया गिरफ्तार

एजेंसी

अहमदाबाद। गुजरात एटीएस ने देश के खिलाफ एक बड़ी आतंकी साजिश को नाकाम किया है। एटीएस ने अलकायदा के एक मॉड्यूल का भंडाफोड़ करते हुए चार आतंकियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आतंकियों से पूछताछ जारी है और उनके बाहरी कनेक्शन खंगाले जा रहे हैं। गिरफ्तार किये गये संदिग्ध आतंकियों की पहचान मोहम्मद तारीख, सैफुल्ला कुरैशी, मोहम्मद फरदीन और एक अन्य के रूप में की गई है। इनसे साथ जुड़े अन्य लोगों के बारे में भी जानकारी जुटाई जा रही है।सूत्रों के मुताबिक गुजरात एटीएस ने दिल्ली और नोएडा से एक-एक आतंकी को और गुजरात से दो आतंकियों को गिरफ्तार किया है। सभी की उम्र 20 से 25 वर्ष के बीच है और ये भारत में बड़े पैमाने पर आतंकी हमलों की साजिश रच रहे थे। गुजरात एटीएस अधिकारियों के अनुसार, ये चारों लंबे समय से अलकायदा मॉड्यूल से जुड़े हुए थे। ये सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम एक-दूसरे के संपर्क में आए थे। ये कुछ ग्रुप में भी सक्रिय थे। जांच के दौरान एटीएस ने पाया कि ये लोग लगातार गुजरात की गतिविधियों को लेकर चर्चा कर रहे थे। इसी सिलसिले में इन्हें गिरफ्तार किया गया है। इनसे गहन पूछताछ की जा रही है।

पूर्व राष्ट्रपति कोविंद ने कानपुर के प्राचीन शिव मंदिर आनंदेश्वर में की पूजा अर्चना

एजेंसी

कानपुर। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने आज कानपुर में स्थित प्राचीन शिव मंदिर बाबा आनंदेश्वर में पूरे विधि विधान के साथ बाबा का जलाभिषेक कर पूजा अर्चना की और मां गंगा की आरती की। कोविंद ने यहां अपने पुराने दिनों को याद कर बाबा आनंदेश्वर से पूरे विश्व के कल्याण की कामना की।पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद 20 से 23 जुलाई चार दिवसीय कानपुर प्रवास पर हैं। वह रविवार को दिल्ली से विमान से कानपुर पहुंचे थे। सोमवार और मंगलवार को कुछ निजी कार्यक्रमों में शामिल हुए और बुधवार को भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच परमट स्थित बाबा आनंदेश्वर मंदिर में भगवान शिव के दर्शन करने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने पूरे विधि विधान के साथ बाबा का जलाभिषेक कर पूजा अर्चना कर मां गंगा की आरती की। पूजा के बाद कोविंद ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि आज पवित्र श्रावण मास में मुझे प्राचीन शिव मंदिर बाबा आनंदेश्वर में आने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। यह स्थल मेरे लिए पवित्र है। कानपुर में डीएवी हॉस्टल में रहकर पढ़ाई करते समय रोजाना आनंदेश्वर मंदिर में आकर

बाबा के दर्शन करता था। भगवान शिव से यही कामना करता हूं कि सबका कल्याण करें।

पूर्व राष्ट्रपति कोविंद ने कहा कि कानपुर से उनका काफी गहरा नाता रहा है। यहां पर पढ़ाई करते हुए वह सिविल लाइंस स्थित डीएवी हॉस्टल में रहते थे और रोजाना बाबा के दर्शन करने भी आते थे। अपने अनुभव साझा हुए कहा कि उस समय इस श्रावण मास में मंदिर प्रांगण में मां गंगा की लहरें खुद मंदिर में विराजमान बाबा के चरणों में शीश झुकानें आती थीं। उन्होंने कहा कि कानपुर की धरती ने उन्हें बहुत कुछ दिया है। इसलिए उनके लिए यह धरती बहुत पवित्र है। उन्होंने कहा कि बाबा के दर्शन प्राप्त कर उनका मन प्रफुल्लित हुआ है। बाबा से यही कामना करते हैं कि इस शहर का ही नहीं बल्कि पूरे विश्व का कल्याण करें। क्योंकि ऐसी मान्यता है कि इस मंदिर के दर्शन करने मात्र से लोगों की मनोकामना जरूर पूरी होती है। इस मौके पर पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के साथ कानुपर की महापौर प्रमिला पांडेय, विधायक सुरेंद्र मैथानी भी मौजूद रहे। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद आज कानपुर प्रवास का अंतिम दिन है। वह चकेरी एयरपोर्ट से विमान के जरिये नई दिल्ली के लिए रवाना हो गए।

भारत-पाक मैच की संभावना, बीसीसीआई संयुक्त अरब अमीरात में एशिया कप की मेजबानी के लिए तैयार

नई दिल्ली/ढाका (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (BCCI) संयुक्त अरब अमीरात (UAE) में आगामी एशिया कप टी20 टूर्नामेंट की मेजबानी के लिए तैयार है और इसकी औपचारिक घोषणा कुछ ही दिनों में होने की उम्मीद है। एशियाई क्रिकेट परिषद (ACC) के सूत्रों ने यह जानकारी दी। ACC की बैठक के बाद यह फैसला हुआ जिसमें सभी 25 सदस्य देशों ने आयोजन स्थल पर चर्चा के लिए हिस्सा लिया।

बीसीसीआई का प्रतिनिधित्व इसके उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने वर्चुअली किया। ACC के एक सूत्र ने गोपनीयता की शर्त पर बताया, 'BCCI UAE में एशिया कप की मेजबानी करेगा। भारत के अपने सभी मैच दुबई में खेलने की संभावना है। कार्यक्रम पर अब भी विचार-विमर्श चल रहा है।% यह टूर्नामेंट सितंबर में दो सप्ताह से थोड़ा अधिक समय तक चलेगा। इसे महीने के अंतिम सप्ताह से पहले समाप्त करना होगा क्योंकि इसी समय भारत को वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला खेलनी है।

बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने बताया, 'हमारे उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला एसीसी बैठक में शामिल हुए। वह सदस्यों को जानकारी देंगे। मैं अटकलों पर विश्वास नहीं करता इसलिए आपको कुछ दिनों में आधिकारिक तौर पर पता चल जाएगा।' ढाका में ACC अध्यक्ष और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख मोहसिन नकवी ने भी महाद्वीपीय प्रतियोगिता में संभावित भारत-पाक मैच के बारे में पूछे जाने पर कुछ नहीं बताया।

नकवी ने पत्रकारों से कहा, 'हम जल्द ही इसकी घोषणा करेंगे। हमने बीसीसीआई के साथ चर्चा की थी और कुछ मुद्दे हैं जिन्हें हम जल्द ही सुलझा लेंगे। सभी 25 सदस्य बैठक में या तो शारीरिक रूप से या वर्चुअली शामिल हुए। हम सभी एकमत हैं।' यह भी पता चला है कि बीसीसीआई के दबाव के कारण एजेंडे के 10 मुद्दों में से केवल दो पर ही चर्चा हुई। अ

ऋषभ इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज से बाहर हुए, अगले छह सप्ताह तक खेल से दूर रहेंगे

मैनचेस्टर (यूके) (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत पैर के अंगूठे में फ्रैक्चर के कारण करीब डेढ़ महीने के लिए खेल से बाहर हो गये है। ऋषभ ऐसे में इंग्लैंड के खिलाफ हो रही इस सीरीज से बाहर हो गये हैं जो भारतीय टीम के लिए एक बड़ा है। चौथे टेस्ट मैच के पहले दिन ही इस बल्लेबाज को क्रिस वोक्स की एक तेज गेंद लगी थी। ऐसे में डॉक्टरों ने उन्हें तकरीब छह सप्ताह तक आराम करने कहा है। इस बल्लेबाज ने इस सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया है। जिसको देखते हुए टीम को उनकी कमी खलेगी। चौथे टेस्ट मैच के पहले दिन ही वोक्स की गेंद पर वह चोटिल हो गए थे, जिसके बाद उन्हें रिटायर्ड हर्ट होना पड़ा। उन्हें दर्द ज्यादा होने के कारण एम्बुलेंस से अस्पताल ले जाया गया। वहीं उनकी स्कैन जांच में फ्रैक्चर पाया गया। जिससे वह कम से कम 6 सप्ताह तक क्रिकेट नहीं खेल पाएंगे। वह अब मेडिकल टीम की निगरानी में रहेंगे। बीसीसीआई की एक मेडिकल टीम अभी ये संभावना तलाश रही है कि क्या उन्हें पेन किलर देकर बल्लेबाजी के लिए उतारा जा सकता है हालांकि जिस प्रकार का दर्द उन्हें हुआ। उसे देखकर ये संभव नजर नहीं आता। वह वोक्स की चौथी गेंद पर रिवर्स स्वीप खेलना चाहते थे पर ये गेंद बल्ले पर नहीं आई जिससे वह सीधे उनके पैर पर लगी। वह इसके बाद काफी देर तक दर्द से कराहते हुए नजर आए। गेंद लगने के बाद पंत के पैर में सूजन आ गई और खून निकलने लगा। वह पैर पर भार तक नहीं दे पा रहे थे। वह हाल में चोट से उबरे थे। इससे पहले उन्हें उंगली में चोट लगी थी।

विश्वकप के लिए नये सिरे से तैयारी करनी होगी : हरमनप्रीत

लंदन (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत ने कहा है कि अब उनकी टीम स्वदेश लौटने के बाद एकदिवसीय विश्वकप की तैयारियां करेगी। इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में जीत से उत्साहित हरमनप्रीत ने कहा कि इससे टीम का मनोबल बढ़ा है पर हमें यहीं नहीं रुकना है क्योंकि हर बार के हालात अलग होते हैं। इसलिए विश्वकप की शुरुआत नये सिरे से करनी होगी। भारतीय टीम ने इंग्लैंड में एकदिवसीय के अलावा टी20 प्रारुप भी जीता है। वहीं अब भारतीय टीम 14 सितंबर से घरेलू मैदान पर तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में ऑस्ट्रेलिया से मुकाबला करेगी। इसके बाद 30 सितंबर से दो नवंबर तक भारत और श्रीलंका में महिला एकदिवसीय विश्व कप खेला जाएगा। जिसमें उसका लक्ष्य जीत हासिल करना रहेगा।

हरमनप्रीत ने कहा, ''हर मैच और हर परिस्थिति अलग होती है। यहां परिस्थितियां बिल्कुल अलग थीं, पिच भी अलग थी, माहौल भी अलग था। वहीं विश्वकप के दौरान घरेलू मैदान पर हालात अलग होंगे।'' उन्होंने कहा, ''जब भी आपको जीत मिलती है तो आपकी मानसिकता सकारात्मक हो जाती है। इस तरह की चीज आपको अच्छी स्थिति में रखती हैं।''

हरमनप्रीत ने कहा, ''पर जब भी आप अगला मैच खेल रहे हों, तो आपको हमेशा पहली गेंद से ही शुरुआत करनी होती है और मुझे

लगता है कि इस सीरीरज से निश्चित रूप से हमारा मनोबल बढ़ेगा लेकिन इसका मतलब ये नहीं कि हम आत्ममुग्ध हो जायें। जब हम स्वदेश लौटेंगे तो हमें फिर से नई शुरुआत करनी होगी।' भारतीय कप्तान ने इंग्लैंड दौरे में सफलता का श्रेय टीम वर्क को दिया। उन्होंने कहा कि हमारी टीम पिछले कई वर्षों से कड़ी मेहनत कर रही थी जिसका परिणाम अब मिल रहा है।

मैनचेस्टर में टीम इंडिया का अनोखा रिकॉर्ड, टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में हुआ ऐसा पहली बार

मैनचेस्टर (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड क्रिकेट टीम के बीच चौथा टीम टेस्ट मैच मैनचेस्टर में खेला जा रहा है। लॉर्ड्स में हार के बाद भारतीय टीम ने 3 बदलाव किए। लगातार बल्ले से संघर्ष कर रहे करुण नायर की छुट्टी हुई। उनकी जगह साई सुदर्शन को मौका दिया गया। इसके अलावा चोटिल तेज गेंदबाज आकाशदीप की जगह अंशुल कंबोज को डेब्यू का मौका मिला।

मैनचेस्टर टेस्ट में भारतीय टीम ने अनोखा रिकॉर्ड बनाया। ये भारत के टेस्ट इतिहास में कभी भी नहीं हुआ। वॉशिंगटन सुंदर जैसे ही बल्लेबाजी करने मैदान पर उतरे, ये रिकॉर्ड भी बन गया। दरअसल, सुंदर इस पारी में भारत के लिए पांचवें बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं। टेस्ट क्रिकेट के अपने इतिहस में पहली बार भारतीय मेंस क्रिकेट टीम प्लेइंग

इलेवन में पांच बाएं हाथ के बल्लेबाजों के साथ टेस्ट मैच खेल रही है।

मैनचेस्टर टेस्ट में भारतीय टीम ने अनोखा रिकॉर्ड बनाया। ये भारत के टेस्ट इतिहास में कभी भी नहीं हुआ। वॉशिंगटन सुंदर जैसे ही बल्लेबाजी करने मैदान पर उतरे, ये रिकॉ्ड भी बन गया। दरअसल, सुंदर इस पारी में भारत के लिए पांचवें बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं। टेस्ट क्रिकेट के अपने इतिहास में पहली बार भारतीय मेंस क्रिकेट टीम प्लेइंग इलेवन में पांच बाएं हाथ के बल्लेबाजों के साथ टेस्ट मैच खेल रही है।

भारत की प्लेइंग 11 में यशस्वी जायसवाल, साई सुदर्शन, ऋषभ पंत, रवींद्र जडेजा और वॉशिंगटन सुंद के रूप में 5 बाएं हाथ के बल्लेबाजखेल रहे हैं। जायसवाल ने 107 गेंदों पर 58 रन की पारी खेली। इस दौरान उन्होंने 10 चौके और 1 छक्का लगाया। 3 नंबर पर उतरे साई सुदर्शन पारी को शतक में तब्दीलनहीं कर पाए। उन्होंने 7 चौकों की बदौलत 151 गेंदों पर 61 रन बनाए।

विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत पहले दिन चोट के कारण रिटायर हर्ट हुए थे। हालांकि, चोट के बावजूद भी वह दूसरे दिन बल्लेबाजी करने उतरे। दूसरे दिन लंच तक पंत 39 रन और सुंदर 20 रन बनाकर नाबाद हैं। रवींद्र जडेजा लगातार 5 अर्धशतक से चूक गए। पहली पारी में उन्होंने 40 गेंदों का सामना किया और 20 रन बनाए।

शार्दुल को टीम में शामिल करना सही नहीं : सिद्धू

लंदन । पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू ने ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर को इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट के लिए टीम में शामिल किये जाने पर आपत्ति जताते हुए कहा है कि कामचलाऊ खिलाड़ी टीम को जीत नहीं दिला सकते हैं । ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी के चोटिल होने के बाद मैनचेस्टर टेस्ट में उनकी जगह शार्दुल ठाकुर को अंतिम ग्यारह में शामिल किया गया । सिद्धू इस प्रकार के चयन करने से नाराज दिखे । सिद्धू ने कहा, 'आठवें नंबर पर अगर शार्दुल अर्धशतक भी बना दें तब भी वह फायदेमंद नहीं रहेंगे । साथ ही कहा कि इस प्रकार के क्रिकेटर एकदिवसीय क्रिकेट में तो अच्छा कर सकते हैं पर टेस्ट क्रिकेट में आपको हमेशा विशेषज्ञों की जरूरत होती है । अगर आप गेंदबाज शार्दुल को नंबर 8 पर ला रहे हैं तब तो मैं भी कहूंगा कि सही चयन नहीं है ।'

जॉन सीना को मैकइंटायर ने मुकाबले के लिए ललकारा

न्यूजर्सी । डब्ल्यूडब्लयूई रेसलर जॉन सीना को स्कॉटिश पेशेवर रेसलर मैकइंटायर ने मुकाबले की चेतावनी दी है । मैकइंटायर का वास्तविक नाम एंड्रयू मैकलीन गैलोवे है । सीना को समरस्लैम 2025 में कोडी रोड्स के खिलाफ डब्यूडब्यलूई चैंपियनशिप का बचाव करना है । वहीं अब बीच में मैकइंटायर आ गये है । मैकइंटायर ने सीना का मजाक

उड़ाते हुए डब्ल्यूडब्लयूई चैंपियनशिप जीतने के लिए अपनी दावेदारी पेश की है । सीना का अंतिम मुकाबला संन्यास से पहले गुंथर से होना था । वहीं अब मैकइंटायर ने कहा कि मैं पांच हफ्ते के लिए बाहर था । मैं वापस आया हूं । मैं उन व्यक्तिगत मुद्दों में शामिल नहीं हो रहा हूं जिनमें मैं पिछले दो सालों से शामिल था । मैं अब खिताब वापस जीतना चाहता हूं । रैंडी ऑर्टन पर जीत से मेरी शुरुआत होगी । जॉन सीना डब्ल्यूडब्लयूई के बड़े स्टार हैं । उन्होंने कई सालों तक डब्ल्यूडब्लयूई में काम किया है । उनके बहुत सारे प्रशंसक हैं । सीना का रिटायरमेंट डब्ल्यूडब्लयूई के लिए एक बड़ा नुकसान होगा । ड्रू मैकइंटायर भी डब्ल्यूडब्लयूई के बड़े स्टार हैं । उन्होंने कई चैंपियनशिप जीती हैं । मैकइंटायर चैंपियनशिप में सीना को हराने में सक्षम माने जाते हैं । वहीं सीना और रोड्स के बीच मुकाबला बहुत ही रोमांचक होने वाला है । इस मैच को देखने के लिए प्रशंसक बहुत उत्साहित हैं । यह देखना दिलचस्प होगा कि कौन यह मैच जीतता है ।

शास्त्री के पसंदीदा पांच खिलाड़ियों में सचिन पहले नंबर पर

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर और कोच रवि शास्त्री के पसंदीदा शीर्ष पांच क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर, सुनील गावस्कर, कपिल देव, विराट कोहली और एमएस धोनी हैं । शास्त्री ने इनमें से गावस्कर और कपिल और सचिन के साथ खेला है जबकि बाकि दो के वह कोच रहे हैं । उनके अनुसार सचिन सबसे प्रभावशाली क्रिकेटर रहे हैं । शास्ती ने अपने करियर में 80 टेस्ट और 150 वनडे मैच खेले, जिसमें 3830 और 3108 रन बनाए । उन्होंने टेस्ट में 151 और एकदिवसीय में 129 विकेट लिए। शास्त्री एक कार्यक्रम में इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन और एलेस्टेयर कुक के साथ बातचीत कर रहे थे। इसी दौरान जब शास्त्री से भारतीय क्रिकेट के सबसे प्रभावशाली और महान खिलाड़ियों के नाम पूछे गए तो उन्होंने कहा कि कि। इन पांच खिलाड़ियों ने अलग-अलग

तरीकों से और विभिन्न पीढ़ियों पर प्रभाव छोड़कर भारतीय क्रिकेट का चेहरा बदला। शास्त्री ने सचिन से शुरुआत की, जिन्होंने 20 से ज्यादा साल तक भारतीय फैंस की उम्मीदों का भार संभाला । वह 100 अंतरराष्ट्रीय शतक लगाने वाल एकमात्र खिलाड़ी हैं । उन्होंने 34357 सर्वाधिक अंतरराष्ट्रीय रन बनाए हैं । वहीं गावस्कर ने भारतीय क्रिकेट को एक नया आत्मविश्वास दिया। वह 10 हजार टेस्ट रनों का आंकड़ा हासिल करने वाले दुनिया के पहले खिलाड़ी थे । कपिल देव ने महान कप्तान और ऑलराउंडर के तौर पर भारत को 1983 का विश्व कप जिताया । वहीं विराट ने अपने आक्रामक अंदाज से कप्तान और कोच के तौर पर भारत को टेस्ट क्रिकेट में नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया । कोहली भारत के लिए सबसे ज्यादा टेस्ट मैच जीतने वाले कप्तान हैं । उन्होंने 67 टेस्ट मैचों में कप्तानी करने के बाद 40 जीते । उन्होंने मई 2025 में टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया । वहीं पूर्व कप्तान धोनी ने भारत को तीन आईसीसी ट्रॉफी जिताई ।

संजय मांजरेकर ने भारतीय कप्तान शुभमन गिल की आलोचना की, बताई आउट होने की वजह

मैनचेस्टर(एजेंसी)। भारतीय टीम के टेस्ट कप्तान शुभमन गिल जो एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में रिकॉर्ड तोड़ शुरुआत के बाद वाहवाही बटोर रहे थे, अब मैदान के अंदर और बाहर दोनो जगह आलोचनाओ का सामना कर रहे है।

पहले दो टेस्ट मैचो में दो शतक और एक दोहरा शतक लगाने के बाद तीसरे टेस्ट लॉर्ड्स में गिल की कहानी ने एक नया मोड़ लिया। जहा उनके प्रदर्शन में गिरावट आई और पहली पारी में 16 रन, दूसरी पारी में 6 रन ही बना पाए। अब मैनचेस्टर में चल रहे चौथे टेस्ट मैच में भी गिल पहली पारी में कुछ खास नही कर पाए और केवल 12 रन बनाकर आउट हो गए। पूर्व भारतीय खिलाडी और क्रिकेट कमेंटेटर संजय मांजरेकर ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्हें निशाना बनाया और गिल के प्रदर्शन पर बड़ा बयान दिया।

मांजरेकर ने जियो हॉटस्टार पर कहा, 'गिल, जो पहले पूरी ताकत से बल्लेबाजी कर रहे थे, अचानक अनिश्चित दिखने लगे। उनके रक्षात्मक आउट होने से पता चलता है कि वह हिचकिचाहट के साथ खेल रहे हैं, न कि उस आज़ादी के साथ जो हमने एजबेस्टन में देखी थी।'

आगे मांजरेकर ने कहा, 'हालाँकि गिल अभी भी सीरीज़ में सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं, लेकिन उनकी हालिया पारियाँ लॉर्ड्स विवाद के बाद आई मानसिक रुकावट का संकेत देती हैं। यह कोई लंबा और खराब दौर नहीं है, बल्कि एक ऐसा दौर है जहाँ मानसिक दबाव और बाहरी शोर उनके खेल में साफ़ तौर पर घुस आया है।'

गौर है कि मैनचेस्टर में खेले जा रहे चौथे टेस्ट मैच में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर मेहमानों को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया। पहली पारी में भारत ने चार विकेट

खोकर 264 रन बनाए है। स्टंप्स के समय रवींद्र जडेजा 19* और शार्दुल ठाकुर 19* रन बनाकर क्रीज पर मौजूद है।

एशिया कप सात सितंबर से दुबई और अबू धाबी में खेला जाएगा !

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एशियाई क्रिकेट परिषद (एससी) की बैठक में शामिल होने के लिए तैयार होने से अब एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट के आयोजन की राह साफ हुई है । एक रिपोर्ट के अनुसार ये टूर्नामेंट 7 सितंबर से शुरु होने की संभावना है । टी20 प्रारुप में होने वाला ये टूर्नामेंट दो शहरों में खेला जा सकता है। इसका आयोजन दुबई और अबू धाबी में किये जाने की संभावना है। टूर्नामेंट की रूप रेखा तय की जा रही है पर ये साफ हो गया है कि है इस बार 8 टीमों के साथ ये टूर्नामेंट खेला जाएगा। इसमें सदस्य देशों के साथ ही एसीसी प्रीमियर कप के 3 विजेता

भी रहेंगे। पूर्ण सदस्य देशों की बात करें तो इसमें भारत के अलावा पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान की टीमें भी शामिल है जबकि एसीसी प्रीमियर कप के 3 विजेता यूएई, ओमान और हॉन्ग कॉन्ग थे । इस तरह कुल 8 टीमें इस टूर्नामेंट में भाग लेने वाली हैं । रिपोर्ट के अनुसार 7 सितंबर से 21 सितंबर तक एशिया कप 2025 खेला जा सकता है । टी20 विश्व कप 2026 को ध्यान में रखते हुए इस बार एशिया कप टी20 फॉर्मेट में होगा । पिछली बार एकदिवसीय विश्व कप का आयोजन बड़े प्रारुप में हुआ था। हाइब्रिड मॉडल के तहत तब पाकिस्तान और श्रीलंका में मैच आयोजित किए गए थे ।

सात्विक-चिराग की जोड़ी ने क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह, प्रणय को मिली हार

नई दिल्ली (एजेंसी)। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने गुरुवार को इंडोनेशिया के लियो रोली कर्नांडो और बगास मौलाना को सीधे गेम में हराकर चाइना ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष युगल के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। हालांकि, एचएस प्रणय 65 मिनट तक चले पुरुष एकल के दूसरे दौर के मैच में चीनी ताइपे के छठे वरीय चोऊ तिएन चेन से 21-18, 15-21, 8-21 से हार कर बाहर हो गए। विश्व की पूर्व नंबर एक भारतीय जोड़ी ने अपने धैर्य का अच्छा नमूना रेश करते हुए एक कड़े मुकाबले में आठवीं वरीयता प्राप्त इंडोनेशियाई जोड़ी पर 21-19, 21-19 से जीत हासिल की। सात्विक और चिराग को जीत के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी क्योंकि दोनों ही गेम में पलड़ा इधर से उधर झुकता रहा। पहले गेम में इंडोनेशियाई जोड़ी ने पहले 8-6 और बाद में 14-12 की मामूली बढ़त बना ली थी, लेकिन भारतीय जोड़ी ने 14-15 के स्कोर के बाद लगातार पांच अंक जीतकर 19-16 से बढ़त बना ली और फिर पहला गेम अपने नाम कर दिया। वहीं दूसरे गेम में भी यही स्थिति रही। एक समय लियो और बगास 14-10 की बढ़त बनाए हुए थे। लेकिन भारतीय जोड़ी ने वापसी करते हुए स्कोर 18-18 से बराबर कर दिया और आखिरी क्षणों में भी संयम बनाए रखते हुए क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की की।

लियाम डॉसन को शामिल करने से इंग्लैंड को मजबूती मिली है : इंग्लैंड के पूर्व कप्तान

मैनचेस्टर - इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन का मानना है कि बाएं हाथ के स्पिनर लियाम डॉसन को टीम में शामिल करने से मेजबान टीम को मजबूती मिली है क्योंकि वह ऑलराउंडर हैं और टीम को आवश्यक संतुलन प्रदान करते हैं । शोएब बशीर की चोट के कारण आठ साल के अंतराल के बाद अंतिम एकादश में शामिल किए गए 35 वर्षीय डॉसन ने भारत के खिलाफ चौथे टेस्ट मैच के पहले दिन शानदार फॉर्म में चल रहे यशस्वी जायसवाल को अपनी सातवीं गेंद पर ही आउट करके अपना प्रभाव छोड़ा । वॉन ने 'टेस्ट मैच स्पेशल' पॉडकास्ट में कहा, 'वह ऐसे क्रिकेटर हैं जिनसे कप्तान अच्छी गेंदबाजी, अच्छी बल्लेबाजी और अच्छी फील्डिंग की उम्मीद कर सकता है । वह संपूर्ण पैकेज हैं जिनके टीम में रहने से इंग्लैंड को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रृंखला में भी मजबूती मिलेगी ।' डॉसन ने इससे पहले अपना आखिरी टेस्ट मैच 2017 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेला था । उन्होंने काउंटी क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करके इंग्लैंड की टीम में वापसी की। गौर हो कि इंग्लैंड के खिलाफ सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल (58 रन) के अर्धशतक के बाद साई सुदर्शन (61 रन) ने मौके का पूरा फायदा उठाते हुए फिफ्टी लगाई जिससे भारत ने बुधवार को यहां चौथे टेस्ट मैच के पहले दिन स्टंप तक चार विकेट पर 264 रन बना लिए । दिन का खेल समाप्त होने तक रविंद्र जडेजा और शारदुल ठाकुर 19-19 रन बनाकर क्रीज पर डटे हुए थे। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत पैर में चोट लगने के कारण 'रिटायर्ड हर्ट' हो गए ।

'यह समझना मुश्किल है', पूर्व क्रिकेटर ने मैनचेस्टर टेस्ट के लिए भारतीय प्लेइंग 11 पर उठाए सवाल

नई दिल्ली(एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर मुरली कार्तिक ने इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट में भारतीय प्लेइंग 11 पर सवाल उठाए हैं। मेहमान टीम को फिटनेस संबंधी चिंताओं के कारण मैनचेस्टर में कुछ जरूरी बदलाव करने पड़े थे। आकाश दीप की चोट के कारण अंशुल कंबोज को भारतीय टीम में शामिल किया गया और अंततः ओल्ड ट्रैफर्ड में उन्होंने डेब्यू किया। इसके अलावा करुण नायर के खराब फॉर्म के कारण टीम से बाहर कर दिया गया और साई सुदर्शन को वापस बुलाया गया।कार्तिक ने फिट होने के बावजूद प्रसिद्ध कृष्णा को प्लेइंग 11 से बाहर किए जाने पर सवाल उठाए।

पूर्व बाएं हाथ के स्पिनर ने कहा, %करुण नायर की जगह सुदर्शन को टीम में शामिल किया गया। आकाश दीप नहीं खेल रहे थे, और अंशुल कंबोज को पदार्पण का मौका मिला। शार्दुल ठाकुर की वापसी दिलचस्प है क्योंकि अगर हम देखें, तो प्रसिद्ध कृष्णा अभी भी दो टेस्ट मैच खेलने के लिए फिट थे और अब अचानक, वह अंतिम एकादश में फिट नहीं बैठते। अंशुल कंबोज टीम का हिस्सा नहीं थे, लेकिन उन्हें बाहर से बुलाया गया है और टीम में शामिल हर्षित राणा को खेलने का मौका नहीं दिया गया। इसलिए यह समझना मुश्किल है कि इससे क्या संदेश जाता है।'

गौर हो कि सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल (58 रन) के अर्धशतक के बाद साई सुदर्शन (61 रन) ने मौके का पूरा फायदा उठाते हुए फिफ्टी लगाई जिससे भारत ने बुधवार को यहां चौथे टेस्ट मैच के पहले दिन स्टंप तक चार विकेट पर 264 रन बना लिए। दिन का खेल समाप्त होने तक रविंद्र जडेजा और शारदुल ठाकुर 19-19 रन बनाकर क्रीज पर डटे हुए थे। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत पैर में चोट लगने के कारण 'रिटायर्ड हर्ट% हो गए।

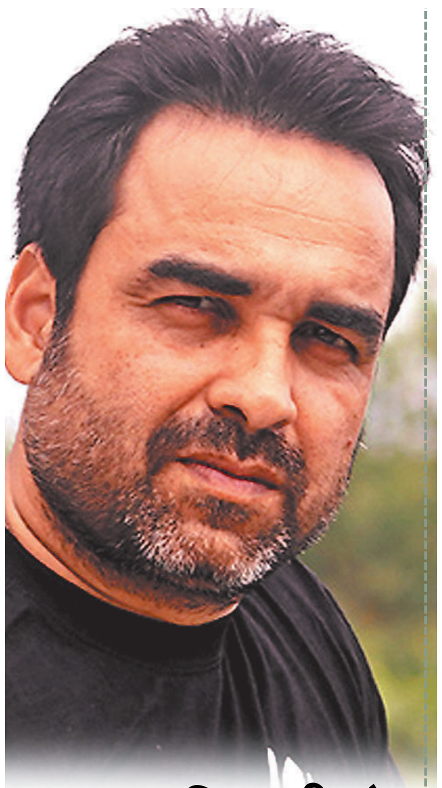

पंकज त्रिपाठी ने बताया फिल्मों के न चलने का कारण

अभिनेता पंकज त्रिपाठी की गिनती इंडस्ट्री के दिग्गज कलाकारों में होती है। हाल ही में आई अनुराग बसु की 'मेट्रो इन दिनों' में एक बार फिर उन्होंने अपने अभिनय से सबको प्रभावित किया था। 'मेट्रो इन दिनों' अच्छे रिव्यू के बाद भी बॉक्स ऑफिस पर उतना अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकी। अब अभिनेता पंकज त्रिपाठी ने फिल्मों के बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन न कर पाने के लिए महंगे टिकट प्राइस को जिम्मेदार ठहराया है।

महंगे टिकट हैं एक बाधा

बातचीत में पंकज त्रिपाठी ने दर्शकों के सिनेमाघरों में न पहुंचने पर प्रतिक्रिया दी है। अभिनेता ने कहा कि इस मामले में टिकट की कीमतें एक मुद्दा हैं और उसकी भी एक भूमिका है। अगर आज किसी परिवार को थिएटर जाना पड़े, तो यह बहुत महंगा सौदा है। टिकट की कीमतें और वहां परोसा जाने वाला खाना बहुत महंगा है। हालांकि, ये बिजनेस का खेल मेरी समझ से बाहर है। लेकिन हां, मुझे लगता है कि फिल्म के टिकट बहुत महंगे हैं और यह निश्चित रूप से एक बाधा है।

मंगलवार और नेशनल सिनेमा डे पर बढ़ जाती है दर्शकों की संख्या

पंकज त्रिपाठी ने आगे कहा कि सिर्फ मंगलवार या नेशनल सिनेमा डे पर जब टिकट की कीमतें कम होती हैं, तो सिनेमाघरों में दर्शकों की संख्या बढ़ जाती है। इसलिए अगर टिकट की कीमतें सही होंगी, तो दर्शकों की संख्या निश्चित रूप से बढ़ेगी। एक परिवार के लिए 2 हजार रुपए खर्च करके और पांच घंटे का समय निकालना, जिसमें आना-जाना भी शामिल है। ये आसान बात नहीं है। 2 हजार कोई बहुत छोटी रकम नहीं है।

'मेट्रो इन दिनों' में नजर आए थे पंकज

वर्क फ्रंट की बात करें तो पंकज त्रिपाठी हाल ही में 'मेट्रो इन दिनों' में नजर आए थे। फिल्म में उनके काम की तारीफ भी हुई थी। इसके अलावा वो अपनी पॉपुलर वेब सीरीज 'क्रिमिनल जस्टिस सीजन 4' में एक बार फिर वकील माधव मिश्रा के किरदार में दिखे थे। दोनों ही कामों की तारीफ हुई थी। अभिनेता इन दिनों अपनी फैमिली एंटरटेनर फिल्म 'पारिवारिक मनुरंजन' की शूटिंग कर रहे हैं। इस फिल्म में वो अभिनेत्री अदिति राव हैदरी के साथ नजर आएंगे।

सपने जैसा है बड़े पोस्टर्स और पर्दे पर खुद को देखना

अभिनेत्री फातिमा सना शेख की दो फिल्में मेट्रो इन दिनों और आप जैसा कोई हाल ही में रिलीज हुई। सोशल मीडिया पर भावुक पोस्ट कर सना ने कहा कि बड़े पोस्टर्स और सिनेमाघरों के पर्दे पर खुद को देखना अभी भी सपने जैसा लगता है। फातिमा ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर करते हुए इसे लव लेटर करार दिया। फातिमा ने कैप्शन में लिखा, कभी नहीं सोचा था कि मेट्रो इन दिनों और आप जैसा कोई एक साथ रिलीज होंगी और दोनों को इतना प्यार मिलेगा।

उन्होंने दर्शकों से मिल रहे प्यार के लिए आभार जताया और कहा, मैं अभिभूत हूं, आभारी हूं, और अभी भी इस खुशी को आत्मसात कर रही हूं। बड़े पोस्टर्स और पर्दे पर खुद को देखना सपने जैसा है। उन्होंने निर्देशक अनुराग बसु और विवेक सोनी को धन्यवाद देते हुए कहा कि दोनों ने उन्हें चुनौती दी, मार्गदर्शन किया और उनके दिल को प्यार से भर दिया। फातिमा ने लिखा, आपके प्यार, इस खूबसूरत सफर और मुझे सही मायनों में समझने के लिए शुक्रिया। मेट्रो इन दिनों आधुनिक रिश्तों की मुश्किलों को पर्दे पर उतारती है, जिसमें प्रेम, दिल टूटने और मानवीय रिश्तों की कहानियां हैं। अनुराग बसु के निर्देशन में बनी इस फिल्म में फातिमा सना शेख के साथ आदित्य रॉय कपूर, सारा अली खान, अली फजल, पंकज त्रिपाठी, कोंकणा सेन शर्मा, अनुपम खेर और नीना गुप्ता जैसे सितारे अहम भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म साल 2007 में आई अनुराग बसु की लाइफ इन अ... मेट्रो की सीक्वल है, जो शादी, प्रेम और रिश्तों जैसे विषयों को छूती है। वहीं, आप जैसा कोई में फातिमा के साथ अभिनेता आर. माधवन मुख्य भूमिकाओं में हैं। अभिनेता इस फिल्म में एक साधारण संस्कृत प्रोफेसर श्रीरेनु त्रिपाठी के किरदार में हैं, जबकि फातिमा एक फ्रेंच शिक्षिका मधु बोस की भूमिका में हैं।

हॉलीवुड डेब्यू फिल्म 'स्ट्रीट फाइटर' की स्टार कास्ट में शामिल हुए विद्युत जामवाल

अपने एक्शन के लिए जाने जाने वाले अभिनेता विद्युत जामवाल अब हॉलीवुड फिल्म में अपनी एंट्री करने जा रहे हैं। लाइव-एक्शन फिल्म 'स्ट्रीट फाइटर' की स्टार कास्ट में शामिल हो गए हैं। यह एक प्रतिष्ठित वीडियो गेम फ्रैंचाइजी पर आधारित फिल्म है।

विद्युत की हॉलीवुड में एंट्री

डेडलाइन की एक रिपोर्ट के मुताबिक, विद्युत इस हॉलीवुड फिल्म 'स्ट्रीट फाइटर' में धालसिम के किरदार में नजर आएंगे। इस फिल्म के जरिए विद्युत हॉलीवुड में अपना डेब्यू करने जा रहे हैं। असल जीवन में मार्शल आर्ट में माहिर विद्युत जामवाल के इस फिल्म में आने से अब उनके फैंस काफी उत्साहित हैं। धालसिम का उनका किरदार एक चमत्कारी फायर ब्रीथिंग योगी है। जो योग और मार्शल आर्ट्स में माहिर है। इसे पहली बार 1991 में 'स्ट्रीट फाइटर ||' में दिखाया गया था। धालसिम केवल अपने परिवार की रक्षा और समर्थन के लिए लड़ता है।

किताओ सकुराई ने किया है फिल्म का निर्देशन

'स्ट्रीट फाइटर' का निर्देशन किताओ सकुराई ने किया है, जिन्हें 'बैड ट्रिप' और 'आर्डवार्क' के लिए जाना जाता है। इसमें डेविड डस्टमालचियन भी एक विलेन की भूमिका में हैं, उनके साथ एंड्रयू कोजी, नोआ सेंटीनो, जेसन मोमोआ, रोमन रेंस, ऑरविल पेक और एंड्रयू शुल्ज भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह वीडियो गेम सीरीज आधिकारिक तौर पर 1987 में शुरू की गई थी और यह एम. बाइसन द्वारा एक वर्ल्ड फाइटिंग टूर्नामेंट के रूप में आयोजित मार्शल आर्ट कलाकारों के ग्रुप्स के बीच आमने-सामने की जबरदस्त लड़ाई के इर्द-गिर्द घूमती थी। इसके साथ ही विद्युत जामवाल भी आलिया भट्ट, प्रियंका चोपड़ा, दीपिका पादुकोण, तब्बू और इरफान खान समेत उन बॉलीवुड कलाकारों की श्रेणी में शामिल हो गए हैं, जो हॉलीवुड की फिल्मों में नजर आ चुके हैं।

पवन कल्याण की उस्ताद भगत सिंह में नजर आएंगी राशि खन्ना

पवन कल्याण की बहुप्रतीक्षित फिल्म उस्ताद भगत सिंह में श्रीलीला मुख्य अभिनेत्री के तौर पर नजर आएंगी। लेकिन अब ताजा जानकारी के अनुसार, फिल्म में श्रीलीला के अलावा भी एक और साउथ एक्ट्रेस की एंट्री हो गई है।

उस्ताद भगत सिंह में हुई एक और साउथ अभिनेत्री की एंट्री

पवन कल्याण की फिल्म उस्ताद भगत सिंह की शूटिंग जोर-शोर से चल रही है। निर्माता इस महीने के आखिर तक पवन कल्याण के हिस्से की शूटिंग पूरी करना चाहते हैं। साथ ही, उनके जन्मदिन पर एक खास टीजर भी रिलीज करने की योजना है। श्रीलीला इस एक्शन ड्रामा में मुख्य अभिनेत्री हैं। स्क्रिप्ट में एक और नायिका की जगह है। एक खबर के मुताबिक, राशि खन्ना दूसरी मुख्य नायिका हो सकती हैं। राशि पहले साईं धर्म तेज और वरुण तेज के साथ मेगा कैंप की सफल फिल्मों में काम कर चुकी हैं। प्रशंसक इस खबर से उत्साहित हैं, हालांकि, आधिकारिक पुष्टि अभी बाकी है।

फिल्म उस्ताद भगत सिंह में पवन कल्याण और श्रीलीला के अलावा आशुतोष राणा, गौतमी, नागा महेश, टेम्पर वामसी और केजीएफ फेम अविनाश भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं नजर आएंगे। फिल्म का निर्माण मैथरी मूवी मेकर्स कर रहे हैं। फिल्म का शानदार संगीत देवी श्री प्रसाद दे रहे हैं। इस फिल्म के अलावा पवन कल्याण फिल्म हरि हर वीर मल्लु में नजर आएंगे। यह एक एतिहासिक एक्शन एडवेंचर फिल्म है। इस फिल्म को कृष जगरलामुदी और ए.एम. ज्योति कृष्णा ने लिखा और निर्देशित किया है। यह एक महान डाकू के ऊपर आधरित है। इस फ़िल्म में पवन कल्याण के अलावा बॉबी देओल, निधि अग्रवाल, नोरा फतेही और विक्रमजीत विर्क ने मुख्य भूमिका निभाई हैं।

विवियन डीसेना के साथ टीवी पर कमबैक करेंगी दीपिका कक्कड़?

टीवी की मशहूर एक्ट्रेस और फैंस की जान दीपिका कक्कड़ इन दिनों निजी जिंदगी में दर्द से गुजर रही हैं। स्टेज 2 लिवर कैंसर से लड़ रहीं दीपिका ने जहां सेलिब्रिटी मास्टरशेफ के बाद टीवी से ब्रेक ले लिया था, वहीं अब खबर है कि वह छोटे पर्दे पर कमबैक कर सकती हैं। यही नहीं, खास खबर ये है कि ससुराल सिमर का और कहां हम कहां तुम फेम एक्ट्रेस इस बार विवियन डीसेना के साथ स्क्रीन पर नजर आएंगी। हाल ही एक इंस्टाग्राम लाइव के दौरान, दीपिका ने काम पर वापस लौटने के बारे में खुलासा किया था। वह एक फैन के सवाल का जवाब दे रही थीं। एक्ट्रेस ने खुलासा किया कि उन्होंने अपने डॉक्टर से भी पूछा था कि वह टेलीविजन पर कब वापसी कर सकती हैं। दीपिका ने बताया कि वह कमबैक का प्लान बना रही हैं। वह चाहती हैं कि जब उनका बेटा रुहान स्तनपान बंद कर देगा, तब वह वापसी करेंगी। दीपिका ने यह भी बताया कि वह पर्दे पर लौटने से पहले अपनी फिटनेस पर काम करेंगी। हालांकि, फिलहाल, कैंसर का पता चलने से उनकी प्लानिंग में सबकुछ बदल गया है।

विवियन डीसेना को भी किया संपर्क!

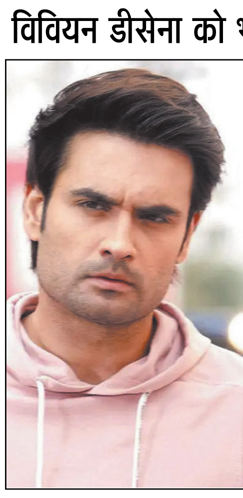

इस बीच, खबरें ये भी हैं कि रवि दुबे और सरगुन मेहता के प्रोडक्शन हाउस ने दीपिका कक्कड़ से एक नए शो के लिए संपर्क किया है। दिलचस्प बात यह है कि मधुबाला - एक इश्क एक जुनून और बिग बॉस फेम विवियन डीसेना को भी इस शो के लिए अप्रोच किया गया है। यानी अगर सब ठीक रहा तो दीपिका और विवियन की जोड़ी एक नए टीवी सीरियल में नजर आएगी।

तलाक और सेपरेशन का दौर मुश्किल था, मगर बीत गया

महज 17 साल की उम्र में याद रखेगी दुनिया से अपने करियर का आगाज करने वाली अभिनेत्री रुखसार रहमान के करियर में एक ब्रेक जरूर आया, मगर अभिनय की दूसरी पारी में उन्होंने डी, गॉड तुस्सी ग्रेट हो, सरकार, पीके, उरी, 83 जैसी कई फिल्मों में काम किया। एक डिवोर्स और एक सेपरेशन से गुजर चुकीं रुखसार अभिनेत्री आयशा अहमद की सिंगल पैरेंट हैं। जल्द ही उन्हें चैट शो द वेदाज़ स्पीक अवर स्प्रिचुअल में बतौर होस्ट देखा जा सकेगा।

आपका एक डिवोर्स और फिर दूसरा सेपरेशन, इन दोनों रिश्तों के समय आपने अपनी जिंदगी को कैसे हैंडल किया?

जब आप किसी रिश्ते में होते हैं, तो उससे आपको इमोशनल जुड़ाव तो होता ही है। जाहिर-सी बात है आप इमोशनली तो टूट ही जाते हैं, वो मेरे साथ भी हुआ। लेकिन ऊपर वाले का शुक्र है कि मेरे साथ मेरी बेटी आयशा (उनकी अभिनेत्री बेटी आयशा अहमद) और उसके दोस्त थे। मेरे अपने दोस्तों और परिवार ने बहुत हिम्मत दी। फिर वक्त एक ऐसा मरहम है, जो हर जख्म को भर देता है। ये बात अलग है कि कभी -कभी बहुत तकलीफ होती है, हर चीज की, मगर हम जीना नहीं छोड़ते। निजी जिंदगी में वो दौर मुश्किल था, मगर मैं सोचती हूं कुछ भी हमेशा एक जैसा नहीं रहता। उसी सोच ने आगे बढ़ने को प्रेरित किया।

बेटी आयशा के साथ सोशल मीडिया पर आपके पोस्ट काफी वायरल होते रहते हैं, एक सिंगल पैरेंट होना आपके लिए कितना चुनौतीपूर्ण है?

हम लोग तो सोशल मीडिया पर क्या ही करते रहते हैं। हम लोगों की बॉन्डिंग बहुत अच्छी है। मुझे अपनी बेटी पर गर्व है, जो कुछ आज वो बन पाई है। वो बहुत ही प्यारी बेटी है। मैं भी काफी अमेजिंग मां हूं। वो मुझे सोशल मीडिया पर फैशन के अलग-अलग ट्रेंड के बारे में बताती रहती कि ये पैंट्स या मेकअप इन है। ये पहनो, ये मत पहनो। एक सिंगल पैरेंट होना मेरे लिए जरा भी मुश्किल नहीं है, क्योंकि एक पॉइंट के बाद आपको आदत पड़ जाती है। हां तकलीफ तब होती थी, जब मैं शूट करती होती और वो बीमार हो जाया करती थी। तब मैं बहुत बेचैन हो जाती थी। उससे मिलने जाती थी।

क्या ये सच है कि मात्र 15 साल की उम्र में आप सनम बेवफा में सलमान खान की हीरोइन बनने वाली थीं? मगर निर्देशक के साथ स्ट्रिक्ट कॉन्ट्रैक्ट के कारण आपने फिल्म छोड़ी?

ये बहुत पुरानी बात हो गई है, मगर ये सच है कि वो कॉन्ट्रैक्ट कुछ अलग ही था। हालांकि अब तो वो लोग रहे भी नहीं। पर उसमें कुछ ऐसे क्लॉज थे, जो मेरे पैरेंट्स को नागवार थे और उन्होने उस पर साइन नहीं किया था। मैं तो माइनर थी उस वक्त, तो मेरे पैरेंट्स ही मेरा काम देखते थे। मेरे पिता आईएएस अफसर थे, तो उन्हें समझ थी कि इसका मुझ पर क्या प्रभाव पड़ सकता है। उस फिल्म में जब दूसरी अभिनत्री चांदनी को लिया गया।

आपको लगता है कि सलमान खान के साथ आपने अपना फ़िल्मी सफर शुरू किया होता, आज आपका करियर कुछ और होता?

ये तो वही बात हुई, यों होता, तो क्या होता? मगर मैं मानती हूं कि आज मेरे पास जो कुछ भी है, अल्हम्दुलिल्लाह बहुत अच्छा है। मुझे किसी चीज का मलाल नहीं। सालों बाद जब मैंने सलमान के साथ गॉड तुसी ग्रेट हो, में काम किया, तो बहुत मजा आया। वो बहुत अच्छे से मिले। वो बहुत रिस्पेक्ट देते हैं। उनके साथ काम करना यादगार रहा।

आप स्पिरिचुअल चैट शो की तरफ क्यों आकर्षित हुईं?

मुझे लगता है अध्यात्म की ओर मेरा हमेशा से झुकाव रहा है। असल में अध्यात्म तो हमारा मूल है। यही वजह है कि जब मेरे निर्माता आजिंक्य इस चैट शो द वेदाज़ स्पीक अवर स्प्रिचुअल का प्रस्ताव मेरे पास लेकर आए तो मुझे ये बहुत जंचा। इसमें वेदों की आध्यात्मिकता को आज के दौर से जोड़ा जाएगा। आज जब हर चीज को ग्रांटेड लेने लगे हैं, तो ऐसे में हम ग्रैटिट्यूड देना भूल गए हैं। यह चैट शो अध्यात्म के कई पहलुओं पर बात करेगा। स्पिरिचुअलिज्म ने मुझे न केवल मजबूत बनाया बल्कि मेरे अंदर सुकून भी दिया।

आप अन्नू कपूर के साथ उत्तर दा पुत्तर के अलावा राज कुमार संतोषी जैसे निर्देशक के साथ भी फिल्में कर रही हैं, उनके साथ आपका अनुभव कैसा रहा?

अन्नू कपूर के साथ काम करना बहुत ही मजेदार रहा। वे बहुत ही शानदार एक्टर हैं। उनका दिमाग बहुत तेज है।सेट पर मेरे सीन्स खत्म हो जाने के बावजूद मैं शूटिंग पर मौजूद रहती थी, ताकि उन्हें ऑब्जर्व कर सकूं। उनके पास अपने अपने क्राफ्ट का गहरा अनुभव है, तो जब आप उन जैसे सीनियर एक्टर के साथ काम करते हैं, तो आपको बहुत कुछ सीखने मिलता है। राजकुमार संतोषी जी के साथ मैं जो फिल्म कर रही हूं, उसके बारे में ज्यादा बता नहीं सकती। मगर बहुत गर्व हो रहा है।

सुकून और सुंदरता

का एक ही नाम सफेद

- विज्ञान ने भी साबित किया है कि गर्मियों में हल्के सुहाने रंग राहत और सुकून पहुंचाते हैं। और यदि तेज, चुभती धूप में कपड़ों का रंग सफेद हो तो... ये बिल्कुल जादू की तरह काम करता है। देखकर सुकून का आभास होता है।
- सफेद लिबास के साथ अवचेतन में इतनी शुभ्रता, शुचिता, सुकून के अहसास जुड़े हैं कि सफेद के जन्मदिन की पार्टी– सफेद हर जगह शानदार लगता है, गरिमामय लगता है। सफेद लिबास के साथ एक और सुविधा है। आप कई तरह की एक्सेसरीज पहन सकते हैं। बहुत कम ऐसे मौसम होते हैं जिनका कोई प्रतिनिधि रंग हो, लेकिन गर्मी का अपना प्रतिनिधि रंग है, सफेद। इन दिनों भड़कीले या

गाउन में सजी कोई युवती पहली नजर में परियों–सी लगती है। हम जब भी खूबसूरती, मासूमियत और अलौकिकता की साझी कल्पना करते हैं तो दिलो–दिमाग में सफेद वस्त्रों में सजी परियां थिरक उठती हैं। बहरहाल, जिन देशों में मार्च के कदम रखते ही गर्मी भी दस्तक देने लगती है, वहां चिलचिलाती धूप और बेचैन करने वाली तपिश के दिनों में फैशन और सुकून का एक ही रंग दिखता है, सफेद।

- साल 2012 का प्रतिनिधि रंग कोई भी हो, दहलीज पर गर्मी के कदम पड़ते ही सफेद रंग की हुकूमत चारों तरफ दिखाई देने लगती है। यह महज संयोग नहीं है कि हर साल स्प्रिंग कलेक्शन यानी बसंत ऋतु में होने वाले फैशन सप्ताहों में सफेद रंग की बादशाहत दिखती है। गर्मियों में हल्का–फुल्का, ढीला–ढाला और कैजुअल कुछ भी पहन सकते हैं। चाहे बीच पार्टियां हों, चाहे किसी

बहुत धुंधले (डल) रंग न दिल को भाते हैं न आंखों को। सिर्फ अपने तन में ही नहीं, दूसरों पर भी इन दिनों सफेद रंग के कपड़े अच्छे लगते हैं।

- लड़कियों में सफेद कुर्ते, सफेद टॉप, सफेद गाउन कुछ इस तरह खिलते हैं, जैसे वाकई ये उजली–उजली परियां हों। एक फायदे की बात यह है कि आज सफेद रंग में हर तरह की एक्सेसरीज आसानी से मैच करती है।
- आप सफेद टॉप के साथ नीली जींस का क्लासिक कॉम्बिनेशन इस्तेमाल कर सकते हैं तो आमतौर पर काले को छोड़कर (...और वो भी इसलिए, क्योंकि काला रंग रोशनी को सोखता है, इसलिए इन दिनों बेचैन करता है) कोई भी रंग सफेद के साथ मैच कर जाता है यानी सफेद के साथ कॉम्बिनेशन बनाने में आपको कतई परेशान होने की जरूरत नहीं पड़ती है।
- इसकी रसायनिक विशिष्टता तो यह है कि यह आंखों का सुकून और दिल को ठंडक पहुंचाता है। यह हमारी तमाम उग्रता को ठंडा कर देता है।
- सफेद महज रंग नहीं है, यह पूरी संस्कृति है। यह एक पूरी सभ्यता है इसलिए सफेद रंग जितना चिलचिलाती गर्मी से सुकून देता है, वैसे ही बेचैन करने वाली भावनाओं के मामले में भी सुकून पहुंचाता है। यही कारण है कि दुनियाभर में बच्चों की मासूमियत को उभारने के लिए उन्हें उसके साथ जोड़कर देखने के लिए ज्यादातर स्कूलों की यूनीफॉर्म सफेद होती है।
- सफेद रंग शांति और शुद्धता का प्रतीक है। जब फिजा में आतिशी हवा के झोंके हों, कपड़े बेचैन करते हों, भला उस समय भड़कीले रंग किसे अच्छे लगते हैं यही वजह है कि पश्चिम से लेकर पूरब तक और उत्तर से लेकर दक्षिण तक गर्मियों में सफेद लिबास का जलवा दिखता है।
- डॉक्टर सफेद कोट पहनते हैं, क्योंकि वे यह बताना चाहते हैं कि यह रंग ईमानदारी, पवित्रता और ईश्वरीयता का प्रतिनिधि है।
- सफेद रंग के साथ कई फायदे हैं– भावनात्मक, कुदरती और सामाजिक भी। इसकी सामाजिकता में भी समरसता है। यही कारण है कि सफेद रंग सबको भाता है, सब पर फबता है चाहे सेलिब्रिटीज पहन लें या फिर कोई आम आदमी। सबको यह रंग आकर्षित करता और सब पर यह रंग आकर्षक लगता है। ऐसा नहीं है कि हम सफेद कपड़े कभी भी पहन सकते हैं।
- वाकई सफेद सदाबहार रंग है और इसके इतने विस्तृत आयाम हैं कि अगर आपने कई जोड़ी यानी जरूरत से ज्यादा भी इन दिनों सफेद कपड़े खरीद लिए हैं तो आपको सर्दियों के कपड़ों की तरह संदूक में साल के बाकी महीनों के लिए नहीं रखने पड़ेंगे। आप इन्हें लगातार पहन भी सकते/ सकती हैं। सफेद रंग के साथ आप अपनी चाहतों के सभी रंगों की एक्सेसरीज पहन सकती हैं। सफेद रंग कभी भी आउट ऑफ फैशन नहीं होता है। यह हमेशा खूबसूरत और ट्रेंडी लगता है।
- गर्मियों में सफेद टी–शर्ट और टॉप के जलवे देखते ही बनते हैं। मर्लिन मुनरो आज भी चेतन–अवचेतन में अगर किसी परी की तरह कैद हैं तो उसी सफेद ड्रेस में। गर्मियों में तमाम सेलिब्रिटीज सफेद रंग में ही नजर आते हैं तो आप क्यों न नजर आएं। इसलिए अगर सीजन की खरीदारी करने के लिए निकलना है तो अपनी सूची में सफेद कपड़ों के लिए जगह बना लीजिए, आखिर इन गर्मियों में परियों की तरह जो लगना है।

जब तक बच्चा स्कूल न जाए तब तो ठीक है, अगर वह रात में देर से भी सोता है तो सुबह देर तक सोकर अपनी नींद पूरी कर सकता है, लेकिन जब वह स्कूल जाने लगता है तो उसकी नींद पूरी नहीं हो पाती और वह चिड़चिड़ाने लगता है...।

कैसे शुरू करें बच्चों की

बेड टाइम ट्रेनिंग

आज की लाइफ स्टाइल पहले की लाइफ स्टाइल से बहुत अलग है। मोबाइल, टीवी, इंटरनेट ने हमारी जिंदगी में जितनी चीजें आसान बना दी है, उतना ही हम व्यस्त भी हो गए हैं। अगर आपके बच्चे का प्री-स्कूल जाने का समय आ गया है और उसका अभी भी रात में सोने का कोई निर्धारित समय नहीं है तो यह आपके लिए एक समस्या का कारण हो सकता है।

जब तक बच्चा स्कूल न जाए तब तो ठीक है। अगर वह रात में देर से भी सोता है तो सुबह देर तक सोकर अपनी नींद पूरी कर सकता है, लेकिन जब वह स्कूल जाने लगता है तो उसकी नींद पूरी नहीं हो पाती और वह चिड़चिड़ाने लगता है...।

नींद पूरी न होने से बच्चे के मस्तिष्क का पूरा विकास नहीं हो पाता। क्या आप अपने बच्चे के स्कूल की शुरुआत ऐसे करना चाहेंगे? इसलिए शुरू से उसे बेड टाइम ट्रेनिंग की आदत डालनी चाहिए।

यह ठीक उसी तरह है जिस तरह हमारी मां हमें सोने से पहले अपनी लोरियां सुनाती थीं। आइए जानें कुछ ऐसी बातें जिससे हम अपने बच्चे को ट्रेंड कर सकते हैं बेड टाइम ट्रेनिंग के लिए-

1. बेड टाइम ट्रेनिंग आप 4 से 5 माह के बच्चे के साथ कर सकते हैं। शुरुआत में आपको थोड़ी समस्या जरूर होगी लेकिन बाद में यह बहुत मददगार साबित होगी। बच्चे को सुलाने से पहले आप उनकी हल्की-हल्की मालिश कीजिए। गुनगुने पानी से उनका मुंह-हाथ धोएं (स्पंज करना)।
2. उनके कपड़े बदलकर उन्हें बेड के लिए तैयार करें। एक समय पर कमरे की लाइट्स बंद कर दें। ऐसा करके आप उन्हें सिग्नल दे रहे हैं और बेड टाइम के लिए तैयार कर रहे हैं।
3. बच्चों को कोई गाना, सॉफ्ट म्यूजिक सुनाएं। लाइट बंद करने से पहले आप बच्चों को पिक्चर बुक्स भी दिखा सकती हैं। ऐसा करने से बच्चों को बुक्स पढ़ने की आदत पड़ती है।
4. सोने से पहले भगवान का कोई सा मंत्र भी सुना सकती हैं। कुछ बच्चों को अपना मनपसंद खिलौना लेकर सोना भी अच्छा लगता है। बच्चों को सोने से पहले सॉफ्ट म्यूजिक सुनना बहुत अच्छा लगता है और उसे सुनने से उनके दिमाग का विकास भी होता है इसीलिए तो बरसों से चलता आ रहा लोरी का एक अपना ही महत्व है।
5. छोटे बच्चे (6 माह से 1 साल के बीच) रात में दूध के लिए जरूर उठते हैं। धीरे-धीरे उसका भी एक समय बनाते जाएं जिससे बच्चा और आप दोनों अच्छे से अपनी नींद पूरी कर सकें।
6. जैसे-जैसे बच्चा धीरे-धीरे बड़ा होता है, आप उसे बेड में जाने से पहले मुंह-हाथ धुलाकर ब्रश करना सिखाएं। कपड़े बदलकर उन्हें बेड के लिए तैयार करें। सोने से पहले उन्हें दूध जरूर दें। उन्हें उनका मनपसंद खिलौना दें।
7. उन्हें किताब से कहानी सुनाएं। शुरुआत में तो बच्चे को टाइम देना आवश्यक है, लेकिन धीरे-धीरे बच्चे को जब इस टाइम टेबल की आदत हो जाएगी तो आपके और बच्चे दोनों के लिए ही बहुत लाभदायक होगा।
8. शाम को उसे कोई हॉबी क्लास या बगीचे में घूमने के लिए ले जाएं जिससे बच्चा अपना समय टीवी और लैपटॉप में न देकर खेले-कूदे और थक जाए। ऐसा करने से उसे नींद अच्छी आएगी और जल्दी आएगी।

कोशिश करें कि धीरे-धीरे उसे अपने आप टाइम से बेड पर जाने की आदत हो जाए ताकि आप भी अपने आपको कुछ समय दे सकें।

ऐसे करें अपने बच्चे को प्री–स्कूल भेजने की तैयारी

अपने बच्चे को प्री-स्कूल या आंगनवाड़ी भेजना बहुत बड़ा कदम है और यह टेंशन भी पैदा करता है। यहां गाइड आपको बताएंगे कि आप क्या उमीद रखें, जब आप अपने बच्चे को पहली बार स्कूल लेकर जाएं।

1. अपने बच्चे से प्री–स्कूल या आंगनवाड़ी के बारे में बात करें, उन्हें समझाने की कोशिश करें कि आप उसे अपने से दूर नहीं भेज रही है। उनसे उनके व्यहवार के बारे में बात करें और मूल बातें सिखाएं।
2. स्कूल के पहले दिन के लिए क्या–क्या आवश्यक है, इस बारे में पता करें– जैसे पढ़ने का समय, नाश्ते का समय आदि ताकि आप उन्हें समझा सकें कि स्कूल से वे क्या उम्मीद रखें।
3. स्कूल की जरूरत की चीजें खरीदने में मजा लाए जैसे आपके बच्चे के पसंदीदा कार्टून की पेंसिल खरिदें, अपने बजट का ध्यान रखें।
4. एक रात पहले उनसे पूछे कि स्कूल को लेकर उनके मन में क्या सवाल है?
5. उन्हें स्कूल छोडने जाएं और जब स्कूल खत्म हो तब स्कूल के बाहर उनका इंतजार करें।
6. अपने बच्चे की टीचर से हर रोज बातचीत करते रहे, उनसे समय–समय पर मिलकर बच्चे के बारे में जानकारी लें। इससे आपके बच्चे को स्कूल में नई सफलता मिलने लगेंगी। पता करें कि आप ऐसा क्या कर सकती है, जिससे आपके बच्चे और उसकी टीचर को मदद मिले।
7. अपने बच्चे से रोज पूछे कि उसने स्कूल में क्या किया? आपके बच्चे को पता होना चाहिए की स्कूल कितना जरूरी है।

लगभग 96 प्रतिशत महिलाएं दिन में एक बार किसी-न-किसी बात पर अपराध बोध महसूस करती हैं। वो कौन-सी बातें हैं, जिनके लिए हम खुद को दोषी ठहराती हैं और क्या है इस अपराध बोध से निकलने का तरीका।

पछताना छोड़ें

खुश रहना सीखें

क्या दिन में कम–से–कम एक बार आप इस बात का अफसोस जताती हैं कि मेरा वजन जरूर बढ़ गया है या फिर आज फिर से घर की सफाई को अधूरा छोड़कर मैं ऑफिस आ गई। अगर इन सब सवालों का जवाब हां में है, तो घबराएं नहीं। अधिकांश महिलाओं का यह स्वभाव होता है। पर परेशानी की बात यह है कि हर चीज के लिए खुद को दोषी ठहराने की हमारी आदत धीरे–धीरे हमारे स्वास्थ्य के लिए खतरनाक साबित होती जाती है। हर बिगड़े हुए काम के लिए खुद को लगातार दोषी ठहराने की आपकी यह आदत आपको अवसाद के घेरे में भी ले सकती है। बेहतर तो यह होगा कि इन अवसादों से उबरने का तरीका आप सीख लें।

बच्चों के साथ वक्त नहीं बिता पाती

अधिकांश काम–काजी मां का यह मानना होता है कि वे ऑफिस की अपनी जिम्मेदारियों और बच्चों की जिम्मेदारी के बीच सही संतुलन नहीं बना पाई हैं। पर सवाल यह है कि ऑफिस में रहकर बच्चों को वक्त न दे पाने का अफसोस जताने से न तो बच्चों के साथ आप वक्त बिता पा रही हैं और न ही ऑफिस की जिम्मेदारियों को पूरा करने में आप अपना 100 प्रतिशत दे पाएंगी। इस समस्या का एकमात्र हल यह है कि आप जो भी काम वर्तमान में कर रही हैं, उसे अपना 100 प्रतिशत दें। अगर ऑफिस में हैं तो वहां की जिम्मेदारियां पूरी तन्मयता से पूरी करें और अगर घर पर हैं तो बच्चों को पूरा वक्त दें।

वजन कम ही नहीं कर पा रही

70 प्रतिशत से ज्यादा महिलाएं कभी–न–कभी डाइटिंग करती हैं, बावजूद इसके कि उन्हें वजन कम करने की जरूरत हो या नहीं। अगर आप वाकई स्लिम और खूबसूरत दिखना चाहती हैं तो इस दिशा में आपको गंभीर प्रयास करना होगा। नियमित एक्सरसाइज करें या फिर जिम जाने के लिए वक्त निकालें। साथ ही इस बात को स्वीकारें कि वजन कम करना या फिर बढ़ाना आप पर पूरी तरह से निर्भर करता है, इसलिए खुद को दोष देने की जगह इस दिशा में प्रयास करें।

शॉपिंग में कुछ ज्यादा ही पैसे खर्च कर दिए

हर महिला को शॉपिंग करने में मजा आता है, पर कई लोग ढेर सारे शॉपिंग बैग के साथ घर लौटने के बाद अपराध बोध से ग्रस्त हो जाते हैं। पर आपको यह समझना होगा कि जब परिवार के अन्य सदस्यों पर खर्च करने से आपको किसी तरह का अपराध बोध नहीं होता, तो फिर खुद पर खर्च करने के बाद पछतावा क्यों? दूसरी बात यह भी है कि अगर आप शॉपिंग के दौरान खरीदे गए सामानों पर गौर करेंगी, तो पाएंगी कि आप सिर्फ उन्हीं चीजों पर खर्च कर रही हैं, जिसकी आपको वाकई जरूरत है।

कभी टाइम पर नहीं पहुंच पाती

कभी–कभार, स्थिति ऐसी पैदा हो जाती है कि लाख कोशिशों के बावजूद हम वक्त पर नहीं पहुंच पाते हैं। कभी–कभी हमारी इमेज ही लेट–लतीफ वाली बन जाती है। इसका परिणाम यह होता है कि हम अपराधबोध से ग्रस्त हो जाती हैं। ऑटो या बस में बैठकर और जाम में घंटों फंसे रहकर इस बात का अफसोस करने से कोई फायदा नहीं है कि आप लेट पहुंचने वाली हैं। कभी–कभार अपनी गलती के बिना भी आप किसी मीटिंग में देर से पहुंच सकती हैं। ऐसी घटनाओं के लिए खुद को दोष देना बंद करें।

खुद के लिए वक्त नहीं मिलता

सुपर वुमेन बनने की चाहत या मजबूरी के चलते महिलाओं को अक्सर खुद के लिए ही वक्त नहीं मिलता। फिर धीरे–धीरे शुरू होता है इस बात का अफसोस कि अपनी मनपसंद किताब पढ़े सालों बीत गए या फिर पार्लर जाने के लिए वक्त ही नहीं मिलता। पर आपको इस बात को समझना होगा कि कभी–कभार कुछ ना करना भी जरूरी है ताकि आप शारीरिक और मानसिक रूप से ऊर्जावान बन सकें।